# हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

# Central University of Haryana

## NAAC Accredited 'A' Grade University

# NEWSLETTER

January - March 2024 Vol.8 Issue:8

# हकेवि वार्षिक पुरस्कार 2024 की सूची

## शैक्षणिक श्रेणी

बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. एजाज अंसारी को,
बेस्ट रिसर्चर सहभागिता (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. सुनीता तंवर को,
बेस्ट रिसर्चर अन्वेषक (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मुनीष मानस को,
बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (साइंस एंड इंजीनियरिंग) अवार्ड डॉ. मनीषा पांडे को,
बेस्ट रिसर्चर पब्लिकेशन (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. आर.पी. पांडे को,
बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. अंशु को
बेस्ट रिसर्चर इम्पेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) प्रो. रंजन अनेजा को
बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. रूपेश देशमुख को,
बेस्ट रिसर्चर एच इंडेक्स (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. अजय कुमार को,
बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (साइंस एंड इंजीनियरिंग) डॉ. पूजा यादव को,
बेस्ट रिसर्चर प्रोजेक्ट (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान) डॉ. रीमा गिल को,

स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के सर्वेक्षण में शीर्ष दो प्रतिशत वैज्ञानिकों में शामिल होने के लिए प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. बिजेंद्र सिंह, प्रो. मनोज कुमार सिंह, डॉ. अरुण काजला, डॉ. नितिन गोयल, डॉ. रूपेश देशमुख, डॉ. अंशु व डॉ. मनीषा पांडे को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इसी क्रम में मेट्रो रेल परियोजना के समन्वय के लिए प्रो. अजय कुमार बंसल कोय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में अनुसंधान में महिलाओं की भागीदारी हेतु डॉ. पूजा यादव कोय तथा हकेवि के लिए अधिकतम संख्या में पेटेंट योगदान के लिए डॉ. सविता बुधवार को भी प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

विभागों की श्रेणी में गुणवत्ता में सुधार तथा आईक्यूएसी जानकारी समय पर उपलब्ध कराने हेतु विभिन्न पहलों के लिए अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, पोषण जीवविज्ञान विभाग, तथा भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग को प्रशंसा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

## शिक्षणेतर श्रेणी

पवन कुमार, राजेश कुमार, हर्ष कुमार, दीपक कुमार, संजीव कुमार, तानिया कौशिक, संदीप कुमार व जितेंद्र कुमार को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

## विद्यार्थियों की श्रेणी

बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अवार्ड पी. साईं गणेश को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस अवार्ड प्रिया भारद्वाज को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस अवार्ड राहुल को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल ऑफ एजुकेशन अवार्ड सिद्धार्थ साग्रे को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल ह्यूमिनिटी एंड सोशल साइंसेस अवार्ड कविता को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पब्लिकेशन इन स्कूल बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज अवार्ड मनीषा को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पेटेंट इन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी अवार्ड रजत यादव को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पेटेंट इन स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेस अवार्ड शारोल सेबस्टियन को,
बेस्ट स्टूडेंट रिसर्चरः पेटेंट इन स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस अवार्ड दीपिका व प्रदीप कुमार को प्रदान किया गया।

## आउटसोर्स कर्मचारियों की श्रेणी

शिव शंकर, अमरजीत सिंह, संजय कुमार, सतीश कुमार, संदीप कुमार, प्रदीप कुमार, राम किशन, भूप सिंह, मनीष, राजेश, राजबाला, राजरानी, सुनील व कृष्ण कुमार को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

'शिक्षित बेटी–सुरक्षित बेटी'

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम 25 (2009) के तहत स्थापित
नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय
महेन्द्रगढ़ - 123031(हरियाणा), भारत

Central University of Haryana
Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament
NAAC Accredited 'A' Grade University
Jant-Pali, Mahendergarh (Haryana)-123031

प्रो॰ (डॉ॰) टंकेश्वर कुमार, कुलपति
Prof. (Dr.) Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor

# कुलपति की कलम से...

इस वर्ष विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि विश्वविद्यालय विकास पथ पर निरंतर प्रगतिशील है,पंद्रह वर्षों का यह सफर इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। आने वाले वर्ष में भी विश्वविद्यालय की इस विकास यात्रा को सफल बनाए रखने हेतु दृढ़ प्रतिज्ञ होकर वर्ष का प्रथम न्यूजलेटर आप सभी के साथ सांझा कर रहा हूं। विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उसकी पहचान होते हैं। हमारे लिए ये गौरव की बात है कि हमारे शिक्षक साथी अपनी कर्तव्यनिष्ठा के बूते विश्वविद्यालय को नई ऊंचाईयों पर ले जाने हेतु तत्पर हैं। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष मोना शर्मा को नेसा 'एनवायरमेंटलिस्ट ऑफ द इयर' पुरस्कार से सम्मानित किया जाना वाकई हमारे लिए गौरव का विषय है। कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान और मूल्यवान सेवाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सह आचार्य डॉ. रूपेश देशमुख खानखोजे को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाना आदि इस तरह की उपलब्धि शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालय को भी अकादमिक और अनुसंधान के मोर्चे पर नवीन पहचान एवं विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रेरणा देती हैं। युवा किसी भी राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक बदलाव लाने वाले प्रमुख कारक होते हैं। दैनिक जीवन से संबंधित उल्लेखनीय खोजों और नवाचार के लिए युवा पीढ़ी को प्रोत्साहित करना हमारा लक्ष्य है। शिक्षकों के सानिध्य में यह विद्यार्थियों व शोधार्थियों के अथक परिश्रम का ही फल है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को 'क्रैब एप्पल आधारित जेली शीट' एवं 'सौर निगरानी प्रणाली' के लिए पेटेंट मिला। यह हमारे लिए सुखद है कि हमारे विद्यार्थी विभिन्न प्रशासनिक क्षेत्रों और संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता कर व पुरुस्कृत होकर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित कर रहे हैं। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना हमारा परम ध्येय है, इसके लिए विश्वविद्यालय में समय-समय पर विभिन्न विभागों द्वारा अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं विशेष व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन हेतु केंद्रीय पुस्तकालय एवं सभागार की नींव भी इस वर्ष हमने रखी है। हम सदैव यह प्रयास करते हैं कि छात्र एवं छात्राओं को हर क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त हो। छात्रों के सहयोग से ही विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, बालिका दिवस, युवा दिवस, यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर आदि युवा एवं महिला सशक्तिकरण को लेकर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है। हमारी अस्मिता हमारी स्थानीयता से जुड़ी है व अपनी स्थानीय विशेषताओं व विरासत को संजोए रखने के लिए हम तत्पर हैं। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रदर्शनी, मातृभाषा को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रमों का आयोजन, पशुधन प्रदर्शनी का आयोजन आदि इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं। जीवन के हर पल में सीखने की संभावना रहती है, हम प्रतिपल कुछ नया सीखें, आगे बढ़ते रहें और अपने मूल्यों को संवर्धित करते हुए अपने विश्वविद्यालय को समृद्ध करते रहें, यही कामना करता हूं।

**(प्रो. टंकेश्वर कुमार)**
**हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय**
**महेंद्रगढ़**

# Contents


| | | |
|---|---|---|
| **1. Awards and Achievements** | | **10** |
| 1.1 | हकेवि शोधार्थी की पोस्टर प्रस्तुति को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला द्वितीय स्थान / CUH researcher's poster presentation secured second place at the International Conference | |
| 1.2 | ऑलइंडिया वीसी कप में हकेवि की क्रिकेट टीम ने एसजीबीयू को सात विकेट से हराया / CUH Cricket team beat SGBU by 7 wickets in All India VC Cup | |
| 1.3 | हकेवि शिक्षक डॉ. मोना शर्मा को मिला एनईएसए एनवायर्नमेंटलिस्ट ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार / CUH faculty Dr Mona Sharma received the NESA Environmentalist of the Year 2023 award | |
| 1.4 | हकेवि की पूजा ने आईएसएस की परीक्षा में पाई सफलता / CUH student Puja selected for the Indian Statistical Service (ISS) | |
| 1.5 | गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर लौटी हकेवि की छात्रा काजल का किया स्वागत / CUH student Kajal returns after participating in the Republic Parade | |
| 1.6 | हकेवि की शोधार्थी को मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार / CUH researcher received the Best Paper award at an International Conference | |
| 1.7 | हकेवि को क्रेब एप्पल आधारित जेली शीट पर मिला पेटेंट / CUH awarded the patent on Crab Apple-Based Jelly Sheets | |
| 1.8 | हकेवि के सांख्यिकी विभाग के विद्यार्थियों ने सीएसआईआर नेट जेआरएफ में पाया 66वां व 96वां रैंक / Students from the Statistics Department at CUH Secured 66$^{th}$ and 96$^{th}$ Ranks in the CSIR NET JRF exam | |
| 1.9 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. रूपेश देशमुख, पीएस खानखोजे गोल्ड मेडल से हुए सम्मानित / Dr Rupesh Deshmukh of CUH awarded with PS Khankhoje Gold Medal | |
| 1.10 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सृष्टि युवा संगम के लिए चयनित / CUH student Shrishti selected for Yuva Sangam | |
| 1.11 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा विकसित प्रणाली को मिला पेटेंट / CUH faculty developed a Solar Monitoring System | |
| **2. Celebrations** | | **17** |
| 2.1 | हकेवि में राष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित / National Girl Child Day celebrated at CUH | |
| 2.2 | हकेवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन / National Girl Child Day celebrated at CUH | |
| 2.3 | 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित / 75$^{th}$ Republic Day celebrated at CUH | |
| 2.4 | हकेवि में मनाया गया विश्व आर्द्रभूमि दिवस / World Wetlands Day celebrated at CUH | |
| 2.5 | प्रिंटर दिवस पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित / Event organised at CUH on the occasion of Printer's Day | |
| 2.6 | राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में स्कूली व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की अपनी उपलब्धियाँ/ School and University students showcase their achievements at CUH on National Science Day | |
| 2.7 | हकेवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस / CUH celebrates its Foundation Day with the Annual Fest Spandan | |
| 2.8 | हकेवि वार्षिकोत्सव स्पंदन 2024 की ट्रॉफी चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के नाम / The two-day annual fest concluded: Trophy of CUH Spandan 2024 awarded to Chaudhary Devi Lal University, Sirsa | |

| | | |
|---|---|---|
| **3. Ek Bharat Shreshth Bharat** | | **24** |
| 3.1 | युवा संगम के लिए हकेवि के नेतृत्व में राज्य के युवा जाएंगे पश्चिम बंगाल / Led by CUH, the youth from Haryana will head to West Bengal for Yuva Sangam | |
| 3.2 | अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित / Event organised at CUH on the occasion of International Women's Day | |
| 3.3 | पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने आयोजित की राष्ट्रीय स्तरीय सेल्फी विद मदर प्रतियोगिता / National-level competition 'Selfie with Mother' organised by the Journalism and Mass Communication Department | |
| **4. Initiatives and Innovations** | | **25** |
| 4.1 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ / The two-day exhibition on indigenous products inaugurated at CUH | |
| 4.2 | प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की चार परियोजनाओं का लोकार्पण / Prime Minister Shri Narendra Modi inaugurated four projects of Central University of Haryana | |
| 4.3 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पं. श्री राम आचार्य द्वारा रचित पुस्तको की प्रदर्शनी का आयोजन / Exhibition of Pandit Shri Ram Sharma Acharya's books organised at CUH | |
| 4.4 | हकेवि में संकल्प दिवस के अवसर पर मिग-21 व रिकॉइललेस लॉन्चर का हुआ अनावरण / MIG 21 and Recoilless Launcher unveiled at CUH on 'Sankalp Diwas' | |
| 4.5 | अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित / International Mother Tongue Day celebrated at CUH | |
| 4.6 | राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने किया हकेवि के स्टॉल का भ्रमण / Governor Shri Bandaru Dattatreya visits CUH Stall in the 40th State Livestock Exhibition | |
| 4.7 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की हुई शुरुआत / Innovation and Hub-Science Gallery established at CUH | |
| 4.8 | हकेवि में केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार का हुआ भूमि पूजन / Foundation stone laying ceremony of Central Library and Auditorium at CUH | |
| **5. Invited Lectures** | | **32** |
| 5.1 | अनुवाद की महत्ता और भविष्य पर हकेवि में व्याख्यानमाला आरंभ / Lecture series on "Importance of Translation and Its Future Prospects" at CUH | |
| 5.2 | हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन / Expert lecture organised by the Department of Political Science, CUH | |
| 5.3 | हकेवि में भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert lecture on "The Role of Media in Promoting and Disseminating Indian Languages" organised by the Department of Hindi | |
| 5.4 | एनसीसी के द्वारा राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान आयोजित / Lecture Organised by National Cadet Corps on National Women's Day | |
| 5.5 | हकेवि में 'हिंदी की व्यावसायिकता और रोजगार' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert Lecture on "Commercialization and Employment of Hindi" organised at CUH | |

| | | |
|---|---|---|
| 5.6 | हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित / Special lecture organised on the occasion of National Science Day at CUH | |
| 5.7 | हकेवि में वाणिज्य विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन / Expert lecture organised by the Department of Commerce at CUH | |
| 5.8 | हकेवि में संस्कृत विभाग द्वारा 'तुलसी और वाल्मीकि साहित्य में राम' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन / Department of Sanskrit organised lecture on "Ram in the Literature of Tulsi and Valmiki" | |
| 5.9 | हकेवि में महिला लेखन की चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान आयोजित / Lecture on "Challenges and Opportunities in Women's Writing" organised at CUH | |
| 5.10 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा 'मुद्रण मानकों को अपनाने की प्रक्रिया' विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert lecture organised by the Printing and Packaging Department at CUH | |
| 5.11 | हकेवि में 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अष्टावक्र की गीता' विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित / Expert lecture on "Indian Knowledge Tradition and Ashtavakra Gita" organised at CUH | |
| **6. MoUs** | | **39** |
| 6.1 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर / CUH signed MoU with the Institute of Charter Accountants of India (ICAI) | |
| 6.2 | फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में एनएफएसयू के साथ मिलकर काम करेगा हकेवि / CUH signed MoU with the National Forensic Science University, Gandhinagar | |
| **7. National Education Policy** | | **41** |
| 7.1 | हकेवि में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित/ One-Day Workshop on "National Education Policy and Enhancement of Higher Education Institutions" at CUH | |
| **8. New Programmes** | | **41** |
| 8.1 | हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया / CUH Launches Value-added Course on Valmiki's *Ramayan* | |
| **9. Research and Publications** | | **42** |
| 9.1 | हकेवि कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन / Book released by Prof. Tankeshwar Kumar | |
| 9.2 | हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन / Book released by the Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar | |
| **10. Seminars, Conferences, Workshops, Competitions** | | **43** |
| 10.1 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय यूथ रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन / District-level Youth Red Cross Training Camp concluded at CUH | |
| 10.2 | हकेवि में विकसित भारत @ 2047 में युवाओं की भूमिका पर गोष्ठी आयोजित / Seminar on "The Role of Youth in Developed India @2047" organised at CUH | |
| 10.3 | सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला शुरू / Two-day Workshop organised in collaboration with the Centre for Media Studies and Australian High Commission | |
| 10.4 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का हुआ समापन / Two-day Media Workshop on Low Carbon Development concluded at CUH | |

| | | |
|---|---|---|
| 10.5 | हकेवि में दो दिवसीय व्याख्यानमाला का हुआ समापन / Two-day workshop on translation concluded at CUH | |
| 10.6 | हकेवि में "राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की भूमिका" विषय पर सेमिनार आयोजित / Seminar on "The Role of NCC in Nation-Building" organised at CUH | |
| 10.7 | हकेवि में 'छात्र क्षमता निर्माण एवं कौशल संवर्धन' पर कार्यशाला का हुआ आयोजन / Workshop on "Student Capacity Building and Skill Development" organised at CUH | |
| 10.8 | हकेवि में विश्व रेडियो दिवस पर कार्यशाला आयोजित / Workshop organised at CUH on the World Radio Day | |
| 10.9 | हकेवि में आईसीएसएसआर के सहयोग से वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू / Two-day National Seminar on Indian Knowledge Traditions in Commerce and Management at CUH | |
| 10.10 | हकेवि में दीर्घकालीन जीवन शैली के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर वेबिनार आयोजित / Webinar on "Waste Management for Sustainable Lifestyle" organised at CUH | |
| 10.11 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिया उत्सव का हुआ आयोजन / Media Fest organised at Central University of Haryana | |
| 10.12 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हकेवि संचार उत्सव 2024 का हुआ आयोजन / 'CUH Sanchar Utsav 2024' organised at Central University of Haryana | |
| 10.13 | हकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला की हुई शुरुआत / National Workshop on "Statistical Data Analysis using SPSS and R" began at CUH | |
| 10.14 | हकेवि में बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर कार्यशाला का आयोजन / Workshop on Bio-Ethanol started at CUH | |
| 10.15 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी कार्यशाला आयोजित / Hindi Workshop organised at Central University of Haryana | |
| 10.16 | हकेवि में तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन / The three-day workshop concluded at CUH | |
| 10.17 | हकेवि में हाइपोविटामिनोसिस डी पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन / The seven-day workshop on "Assessment and Management of Vitamin D Deficiency in Adolescent Girls" inaugurated at CUH | |
| 10.18 | हकेवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरुआत / A ten-day workshop on Research Methodology started at CUH | |
| 10.19 | हकेवि में मिलेट्स प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर कार्यशाला आयोजित / Workshop on Millets Processing and Value Addition at CUH | |
| 10.20 | हकेवि में प्लांट स्ट्रेस केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन / Workshop on Plant Abiotic Stress and Analytical Methods at CUH | |
| 10.21 | हकेवि में बिजनेस स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता का हुआ आयोजन / Business Startup Idea Competition organised at CUH | |
| 10.22 | हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत / Two-day National seminar on "Women Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study of Meghalaya and Haryana" started at CUH | |
| 10.23 | हकेवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन / The one-Month Faculty Induction Programme concluded at CUH | |

| | | |
|---|---|---|
| **11. Social Awareness** | | **61** |
| 11.1 | हकेवि में सात दिवसीय एनएसएस शिविर की हुई शुरुआत / Seven-day NSS camp began at CUH | |
| 11.2 | हकेवि में एनएसएस शिविर का पाँचवा दिनः युवाओं में निहित है समाज को बदलने की क्षमता - डॉ. प्रवेश कुमार / Fifth day of NSS camp at CUH | |
| **12. Training and Placements** | | **62** |
| 12.1 | हकेवि में आपदा प्रबंधन पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत / The three-day Training Programme on Disaster Management started at CUH | |
| 12.2 | हकेवि के विद्यार्थियों ने राइस फोर्टिफिकेशन का लिया प्रशिक्षण / CUH students receive training on rice fortification at NIFTEM, Kundli | |
| 12.3 | हकेवि के योग विभाग के तीन विद्यार्थियों को मिला रोजगार / Three students from the Yoga Department received employment | |
| 12.4 | हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत / The four-day Rubicon Barclay Training Programme commenced at CUH | |
| 12.5 | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट / Central University of Haryana student got placement at Planet Spark | |
| 12.6 | हकेवि के विद्यार्थियों को गाँधी फेलोशिप की दी जानकारी / CUH students were informed about the Gandhi Fellowship | |
| 12.7 | हकेवि विद्यार्थियों ने किया जेबीएम ग्रुप का औद्योगिक भ्रमण / CUH students conduct an Industrial visit to JBM Group | |

# कुलगीत

## विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।

न चौरहार्यं न च राजहार्यं, न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्।।

शिक्षा-दीक्षा की परंपरा से, राष्ट्र का हुआ सदा उत्थान।
कौशल और नव-सृजन से, सजा हुआ गौरव अभियान।।

ज्ञान-विज्ञान की शक्ति से हम, नव-मंडल में हुए स्थापित।
सीखा है इतिहास से हमने, नव-तकनीकों में हुए समाहित।।

संस्कारों की शक्ति को जब, लिया है युवा ने पहचान।
हम सब बनें राष्ट्र के रक्षक, आओ करें नव-भारत निर्माण।।

कला-योग-विज्ञान-विधि का, विश्वविद्यालय देता ज्ञान।
तन-मन और जीवन-शुचिता का, देता है यह शुभ वरदान।।

जन्म लेकर जिस धरा पर, शौर्य करता शीश बलिदान।
अपनी मेहनत से माटी को, सोना कर दे जहाँ किसान।।

हर की धरा हरियाणा पर, स्थापित अपना कुल महान्।
शिक्षा और स्वावलंबन, आओ ऐसे कुल को करें प्रणाम।।

# 1. Awards and Achievements

## 1.1 हकेवि शोधार्थी की पोस्टर प्रस्तुति को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मिला द्वितीय स्थान

**CUH, Jan 01, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी की शोधार्थी सुश्री सरिता को उनके शोध कार्य की पोस्टर प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। छिलके रहित और छिलके वाले जौ की विभिन्न किस्मों का पोषण मूल्यांकन और गैर-संचारी रोगः मधुमेह के जोखिम को कम करने में उनकी संभावित भूमिका शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कृत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भविष्य के सुपरफूडः जौ पर अंतःविषय, व्यावहारिक एवं आवश्यक शोध करने पर लेखकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी।

यहां बता दें कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण का प्रभाव विषय पर हुए दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत शोध कार्य में शोधार्थी सुश्री सरिता के साथ विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनीता कुमारी व शोधार्थी सुश्री दीपिका ने सह-लेखक की भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव, कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन व विश्वविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान ने भी शोध कार्य से जुड़े लेखकों व सह-लेखकों को उनके शोध कार्य व उपलब्धि के लिए बधाई दी। लेखकों ने बताया कि जौ कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स के साथ पोषण के पावर हाउस के रूप में भविष्य रखता है। यह विभिन्न गैर-संचारी विकारों के प्रबंधन के लिए एक स्थायी समाधान है और इसमें मधुमेह विरोधी गतिविधि के गुण उपलब्ध है। इस प्रकार, कार्यात्मक खाद्य उत्पादों के रूप में उत्पादन और उपयोग के संदर्भ में जौ को बढ़ावा देने से भोजन, पोषण, गैर-संचारी विकार और आर्थिक सुरक्षा के बोझ को कम करने में मदद मिल सकती है।

## CUH researcher's poster presentation secured second place at the International Conference

**CUH, Jan 01, 2024**

Ms Sarita, a researcher under Assistant Professor Dr Anita Kumari at the Department of Nutrition Biology, Central University of Haryana, Mahendergarh, has been awarded for the poster presentation of her research work at the international conference. Her research work titled "Nutritional Evaluation of Different Varieties of Hulled and Hull-less Barley and Their Potential Role in Reducing the Risk of Non-Communicable Disease Diabetes" was awarded at the two-day international conference held at the University of Rajasthan, Jaipur. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar extended congratulations to the authors while appreciating their efforts in conducting an interdisciplinary, practical, and essential research on Barley, a superfood of the future.

It is worth mentioning that in the two-day international conference on the topic 'The Impact of Environment, Food, and Nutrition on Mental Health' along with the researcher Ms Sarita, Assistant Professor Dr Anita Kumari and Ms Dipika performed the role of co-authors. The Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav, University Registrar Prof Sunil Kumar, Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences and the Director of Research and Development Cell Prof Neelam Sangwan extended congratulations to the authors and co-authors for their research work and achievement. Authors said that Barley, with its low glycaemic index, holds the potential as the powerhouse of nutrition for the future. It offers a sustainable solution for managing various non-communicable disorders and possesses anti-diabetic properties. Promoting the production and use of barley as functional food products can thus help reduce the burden of food, nutrition, non-communicable disorders and economic security.

## 1.2 ऑलइंडिया वीसी कप में हकेवि की क्रिकेट टीम ने एसजीबीयू को सात विकेट से हराया

**CUH, Jan 03, 2024**

नागपुर विश्वविद्यालय में खेले जा रहे 19वें आल इंडिया वीसी कप-2023 के लीग मैच में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की क्रिकेट टीम ने संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय

(एसजीबीयू) को 7 विकेट से हरा दिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम के शानदार प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त किया और टीम को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अध्ययन, अध्यापन, शोध, नवाचार एवं कौशल विकास के साथ-साथ खेलों के क्षेत्र में भी लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।

डॉ. सैनी ने बताया कि एसजीबीयू की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.2 ओवरों में 108 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। हकेवि की टीम ने 14.1 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। हकेवि की टीम की ओर संजीव ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 3.2 ओवरों में 3 विकेट हासिल किए तथा 1 कैच भी पकड़ा। साथ ही उन्होंने 18 रन भी बनाए। उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. शाहजहां ने 33 तथा विकास सिवाच ने 32 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं रामवीर गुर्जर ने 4 ओवरों में 20 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस तरह हकेवि की टीम ने यह मैच सात विकेट से जीत लिया।

## CUH Cricket team beat SGBU by 7 wickets in All India VC Cup

**CUH, Jan 03, 2024**

In the league match of the 19th All India VC Cup 2023, being held at Nagpur University, the cricket team of Central University of Haryana, Mahendergarh, beat Sant Gadge Baba Amravati University by 7 wickets.

Dr Jitendra Saini, the Captain of the CUH team, mentioned that after winning the toss, the SGBU team opted to bat first and was all out for 108 runs in 18.2 overs. The CUH team easily chased the target, scoring 111 runs for the loss of 3 wickets in 14.1 overs.

Mr. Sanjeev from the CUH team delivered an outstanding bowling, taking 3 wickets in 3.2 overs and also caught 1 catch. Additionally, he contributed 18 runs. For his exceptional all-round performance, he was awarded the Man of the Match. Dr Shahjahan and Vikas Siwach from the Central University of Haryana played brilliant innings, scoring 33 and 32 runs respectively. Ramveer Gurjar also excelled with the ball, taking 3 wickets for 20 runs in 4 overs. As a result, the CUH team won the match by 7 wickets.

## 1.3 हकेवि शिक्षक डॉ. मोना शर्मा को मिला एनईएसए एनवायर्नमेंटलिस्ट ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार

**CUH, Jan 24, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा को बायो-एनर्जी, अपशिष्ट जल प्रबंधन और शैवाल मेटाबोलाइट्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए एनईएसए पर्यावरणविद् ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. मोना शर्मा को यह पुरस्कार राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), नई दिल्ली द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने डॉ. मोना शर्मा को इस सम्मान के लिए बधाई दी और कहा कि एक शिक्षक, शोधकर्ता और प्रशासक के रूप में डॉ. मोना शर्मा का योगदान उल्लेखनीय है।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की डीन प्रो. नीलम सांगवान ने भी उन्हें बधाई दी और पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों की सराहना की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को सम्मान पत्र एवं स्वर्ण पदक प्रदान करते हुए डॉ. मोना शर्मा ने कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के शिक्षक लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इस अवसर पर डॉ. मोना ने राष्ट्रीय पर्यावरण विज्ञान अकादमी (एनईएसए), नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. जावेद अहमद का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके योगदान की सराहना की और उन्हें इस पुरस्कार के योग्य माना।

## CUH faculty Dr Mona Sharma received the NESA Environmentalist of the Year 2023 award

**CUH, Jan 24, 2024**

Dr Mona Sharma, the Head of the Department of Environmental Studies, Central University of Haryana, Mahendergarh, has been honoured with the NESA Environmentalist of the Year 2023 award for her outstanding work in the fields of bio-energy, wastewater management, and algal metabolites. This prestigious award was presented to Dr Mona Sharma by the National Environmental Science Academy (NESA), New Delhi. The Vice-Chancellor of the university,

Prof Tankeshwar Kumar, congratulated Dr Sharma on this achievement, stating that her contributions as a teacher, researcher, and administrator are commendable.

Prof Neelam Sangwan, Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, also extended her congratulations to Dr Sharma and praised her accomplishments in the field of environmental science. While presenting the certificate and gold medal to the Vice-Chancellor, Dr Mona Sharma stated that under the guidance of the Vice-Chancellor the faculty members of the university are constantly making their mark on the national and international platforms. Dr Sharma also thanked Prof Javed Ahmed, President of NESA, New Delhi, for recognising her contributions and considering her worthy of this award.

### 1.4 हकेवि की पूजा ने आईएसएस की परीक्षा में पाई सफलता

**CUH, Jan 29, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग की छात्रा पूजा कुमारी ने भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) परीक्षा में ऑल इंडिया के स्तर पर 21वीं रैंक प्राप्त की है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मुलाकात कर छात्रा ने उन्हें अपनी इस उपलब्धि की जानकारी दी और कुलपति ने छात्रा को इस सफलता के लिए बधाई दी। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयासरत है।

### CUH student Puja selected for the Indian Statistical Service (ISS)

**CUH, Jan 29, 2024**

Puja Kumari, a student from the Department of Statistics, Central University of Haryana, Mahendergarh, has secured the 21st rank at the all-India Indian Statistical Service exam. While meeting with the Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar, Puja shared the information about her success. The Vice-Chancellor extended congratulations and said that the university is continuously striving for the holistic development of its students. He also congratulated the faculty members of the department, emphasising that Puja's achievement would inspire other students.

Dr Kapil Kumar, the Head of the Department of Statistics, mentioned that Puja Kumari secured the 21st position in the ISS examination at the national level.

### 1.5 गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर लौटी हकेवि की छात्रा काजल का किया स्वागत

**CUH, Feb 06, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की स्वयंसेवक काजल का 26 जनवरी 2024 के अवसर पर कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में हिस्सा लेकर विश्वविद्यालय लौटने पर स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की छात्रा काजल का गणतंत्र दिवस की परेड में हिस्सा लेना विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि काजल ने 1 से 31 जनवरी 2024 तक गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभागिता की। शिविर के दौरान काजल ने माननीया राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

### CUH student Kajal returns after participating in the Republic Parade

**CUH, Feb 06, 2024**

Kajal, a volunteer of the National Service Scheme unit of the Central University of Haryana, Mahendergarh, was welcomed on her return to the university after participating in the Republic Parade at the Kartavya Path, New Delhi on the occasion of 26 January 2024.

The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar said that Kajal's participation in the Republic Parade is a matter of pride for the university. Her achievement is an inspiration for all the students.

The programme coordinator of the university unit of NSS, Dr Pradeep Kumar stated that Kajal participated in the Republic Parade camp from 1 January to 31 January 2024. During the camp, Kajal joined in the interactive programme with the honourable President, the Vice-President, the Prime Minister, and the Youth Programme and Sports Minister. Along with this, she visited heritage sites such as the Red Fort, Qutub Minar, the Lotus Temple, and Rajghat. She also gave presentations on the folk dance of Haryana in various cultural programs. On her return to the university, along with Kajal's Father Mr Satyaveer Singh and her mother Mrs Suman Devi, other relatives, the program coordinator of the university unit of NSS, Dr Pradeep Kumar, Dr Renu, Prof Dinesh Chahal, and the Dean of Student Welfare, Dr Anand Sharma extended congratulations to Kajal for her achievement.

### 1.6 हकेवि की शोधार्थी को मिला सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार

**CUH, Feb 16, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की शोधार्थी सुश्री दिव्या शर्मा को उनका शोध कार्य की प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया है। सामान्य शक्ति वाले एक-भाग जियोपॉलिमर कंक्रीट के लिए डिजाइन मिश्रण पद्धति का विकास शीर्षक पर उनके शोध कार्य को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कालीकट में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शोधार्थी दिव्या शर्मा को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की शोधार्थी को कंक्रीट टेक्नोलॉजी की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिलना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

यहां बता दें कि सुश्री दिव्या शर्मा ने 12 से 13 फरवरी, 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) कालीकट में बुनियादी ढांचे के विकास में प्रगति विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपना शोध प्रस्तुत किया। दिव्या शर्मा पर्यावरण में कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और भारत सरकार के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 2030 को प्राप्त करने के लिए शून्य सीमेंट कंक्रीट की डिजाइन मिश्रण पद्धति पर काम कर रही हैं। वे हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. रणबीर सिंह के मार्गदर्शन और निर्देशन में अनुसंधान कार्य कर रही हैं।

### CUH researcher received the Best Paper award at an International Conference

**CUH, Feb 16, 2024**

Ms Divya Sharma, a research scholar from the Department of Civil Engineering at the Central University of Haryana, Mahendergarh, has been honoured for her research presentation. Her research work titled "Development of Design Mix Method for Normal Strength One-Part Geopolymer Concrete" was presented at the International Conference on "Recent Advances in Infrastructure Development" held at the National Institute of Technology (NIT) Calicut. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, congratulated Divya Sharma and wished her a bright future. He stated that it is a matter of pride for all that a university research scholar has received the best paper award in the category of Concrete Technology.

Ms Sharma's research paper focused on developing a zero-cement concrete design mix method to reduce carbon footprints in the environment and contribute to achieving the Government of India's Sustainable Development Goals (SDGs) for 2030. She is conducting her research under the guidance and supervision of Dr Ranbir Singh, Assistant Professor in the Department of Civil Engineering at the Central University of Haryana, Mahendergarh.

### 1.7 हकेवि को क्रेब एप्पल आधारित जेली शीट पर मिला पेटेंट

**CUH, Feb 22, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं ने क्रेब एप्पल पर आधारित जेली शीट विकसित की है। इस उल्लेखनीय शोध के लिए विश्वविद्यालय को भारत सरकार के पेटेंट नियंत्रक द्वारा पेटेंट से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक

आचार्य डॉ. अनिता कुमारी और उनकी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह नवाचार कृत्रिम मिठास, एडेड फ्लेवर, परिरक्षकों की बढ़ती खपत के परिणामस्वरूप उत्पन्न हो रही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम करने में मददगार साबित होगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य समाज को कम उपयोग वाली फसलों (एनयूसी) के पोषण संबंधी पहलुओं और स्वास्थ्य लाभों के प्रति आमजन को जागरूक करना है।

विश्वविद्यालय की रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक प्रो. नीलम सांगवान व पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने शोध के लिए टीम को बधाई दी। विश्वविद्यालय के पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि उनकी टीम में रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. हरीश कुमारय पोषण जीवविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अश्वनी कुमारय पोषण जीव विज्ञान विभाग की सुश्री दीपिका और श्री आदर्श कुमार शुक्ला की टीम ने एक स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य उत्पाद विकसित करने के लिए अपने प्रयास किए हैं। डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि उनकी टीम ने क्रेब एप्पल का उपयोग करके जेली शीट बनाई है। विकसित उत्पाद में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध जेली की तुलना में उनके द्वारा निर्मित जेली अधिक पोष्टिक व स्वादिष्ट हैं। इसमें किसी प्रकार के प्रिजरवेटिव का प्रयोग नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि क्रेब एप्पल कम उपयोग वाली फसल है, जिसमें विटामिन, खनिज और बायोएक्टिव यौगिक (विशेष रूप से पेक्टिन) भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। हमारी टीम द्वारा इस फल को जेली शीट के रूप में अधिक कार्यात्मक और सुविधाजनक उत्पाद में उपयोग करने का प्रयास किया गया।

## CUH awarded the patent on Crab Apple-Based Jelly Sheets

**CUH, Feb 22, 2024**

The faculty members and research scholars of the Central University of Haryana, Mahendergarh, developed the Crab Apple-based Jelly Sheets. The University has been awarded a patent from the Controller of Patents, Government of India for this remarkable research. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar extended congratulations to the Assistant Professor of the Department of Nutrition Biology, Dr Anita Kumari and her entire team for this achievement. He stated that this innovation will help mitigate the health issues arising from the increased consumption of artificial sweetness, added flavours, and preservatives. The Vice-Chancellor mentioned that the university's goal is to raise public awareness about the nutritional aspects and health benefits of lesser-used crops (NUCs). Prof Neelam Sangwan, the Director of the Research and Development Cell, and Prof Kanti Prakash Sharma, the Head of the Department of Nutrition Biology, congratulated the entire team on their excellent research.

The research team included Prof Harish Kumar from the Department of Chemistry, Dr Ashwini Kumar, Assistant Professor in the Department of Nutritional Biology, Ms Dipika and Mr Adarsh Kumar Shukla from the Nutrition Biology Department. Together, they have worked towards developing a healthy and nutritious food product. Dr Anita Kumari shared that their team has created a jelly sheet using crab apples. The jelly they developed is more nutritious and flavourful compared to commercially available jellies and does not contain any preservatives. She noted that crab apple is a lesser-used crop rich in vitamins, minerals, and bioactive compounds, especially pectin. The team's effort has been to utilize this fruit in a more functional and convenient form as a jelly sheet.

## 1.8 हकेवि के सांख्यिकी विभाग के विद्यार्थियों ने सीएसआईआर नेट जेआरएफ में पाया 66वां व 96वां रैंक

**CUH, Feb 23, 2024**

सीएसआईआर नेट जेआरएफ की परीक्षा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग के विद्यार्थियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। सांख्यिकी विभाग के गौरव महलावत व रमेंद्र यादव ने न केवल सीएसआईआर नेट जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण की बल्कि अखिल भारतीय स्तर पर क्रमशः 66वां व 96वां रैंक भी हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि उन्हें यकीन है कि भविष्य में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की सफलता का यह क्रम इसी तरह जारी रहेगा।

विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रंजन कुमार साहु सहित विभाग के शिक्षकों डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. पवित्रा कुमारी व अनूप कुमार ने परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गौरव महलावत व रमेंद्र यादव ने विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, विभाग के विभागाध्यक्ष के प्रो. रंजन कुमार साहु व डॉ. रविंद्र सिंह सहित सभी शिक्षकों का उनके मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

## Students from the Statistics Department at CUH Secured 66th and 96th Ranks in the CSIR NET JRF exam

**CUH, Feb 23, 2024**

Students from the Statistics Department of the Central University of Haryana, Mahendergarh, have shown remarkable performance in the CSIR NET JRF examination. Gaurav Mahalawat and Ramendra Yadav passed the exam with

66th and 96th ranks respectively at the all-India level. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, congratulated the students and expressed confidence that the students from the university will continue to achieve success in the future as well.

Prof Ranjan Kumar Sahu, the Head of the Department of Statistics, as well as the faculty members of the department Dr Ravindra Singh, Dr Pavitra Kumari, and Mr Anup Kumar, extended congratulations and best wishes to the students for their bright future. Gaurav Mahalawat and Ramendra Yadav expressed their gratitude to the Vice-Chancellor of the University Prof Tankeshwar Kumar, the Head of the Department of Statistics Prof Rajan Kumar Sahu, and Dr Ravindra as well as all the faculty members for their guidance and support.

### 1.9 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. रूपेश देशमुख, पीएस खानखोजे गोल्ड मेडल से हुए सम्मानित

**CUH] March 04] 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जैव प्रौद्योगिकी विभाग में सह-आचार्य डॉ. रूपेश देशमुख को प्रतिष्ठित डॉ. पीएस खानखोजे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार इस उपलब्धि के लिए डॉ. रूपेश देशमुख को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय अनुसंधान और मूल्यवान सेवाओं में डॉ. देशमुख के सराहनीय कार्य का प्रमाण हैं।

डॉ. रूपेश देशमुख ने बताया कि उन्हें यह सम्मान डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला के ३४वें दीक्षांत समारोह में प्रदान किया गया। यह विशिष्ट सम्मान डॉ. पी.एस. खानखोजे के नाम पर रखा गया है। डॉ. खानखोजे स्वतंत्रता सेनानी और कृषि वैज्ञानिक दोनों के रूप में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। डॉ. देशमुख इससे पहले भी एनएएसआई स्कोपस यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड और इंडियन सोसाइटी ऑफ जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग की फेलोशिप जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। कृषि विज्ञान के क्षेत्र में उनका समर्पण उन्हें अकादमिक और अनुसंधान के मोर्चे पर एक अलग पहचान देता है और यह सम्मान इस क्षेत्र में उनके मूल्यवान योगदान को विशेष रूप से रेखांकित करता है।

### Dr Rupesh Deshmukh of CUH awarded with PS Khankhoje Gold Medal

**CUH, March 04, 2024**

Dr Rupesh Deshmukh, an Associate Professor in the Department of Biotechnology, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, was awarded the PS Khankhoje Gold Medal. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar while extending congratulations to Dr Deshmukh said that this honour is a testament to his remarkable research and invaluable services in the field of agriculture. Dr Deshmukh mentioned that this award was given at the 38th Convocation of Dr Panjab Rao Deshmukh Krishi Vidyapeeth, Akola. This prestigious award is named after Dr. P.S. Khankhoje, an esteemed figure known for his significant contributions both as a freedom fighter and an agricultural scientist. Dr Deshmukh has previously been the recipient of esteemed awards including the NASI Scopus Young Scientist Awards and the Fellowship of the Indian Society of Genetics and Plant Breeding. His dedication towards the advancement of agricultural science makes his identity distinct in the academic and research community, and this latest recognition further underscores his valuable contributions to the field.

### 1.10 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा सृष्टि युवा संगम के लिए चयनित

**CUH, March 11, 2024**

भारत के विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विविधता में एकता के मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत सरकार ने एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत 'युवा संगम चरण-4' विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम शुरु किया है। विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा सुश्री सृष्टि जलाल का चयन 'युवा संगम चरण-4' के लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने छात्रा सृष्टि जलाल को बधाई देते हुए कहा कि अवश्य ही इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागी को मेजबान राज्य की कला-संस्कृति को जानने-समझने का अवसर मिलेगा।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में एम.ए अंग्रेजी में अध्ययनरत सृष्टि को कर्नाटक की विविधता, संस्कृति और क्षेत्रीय अभिव्यक्तियों को समझने तथा राज्य की परंपराओं और रीति-रिवाजों को जानने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार व विभाग के संकाय सदस्यों ने भी सृष्टि जलाल को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

### CUH student Shrishti selected for Yuva Sangam

**CUH, March 11, 2024**

With the aim of promoting cultural exchange and the value of unity in diversity among the youth of different states of the country, the government of India has started the "Yuva Sangam Phase 4:

Student Exchange Programme" under the Ek Bharat Shrestha Bharat mission. Under the student exchange programme, a student of the Central University of Haryana, Miss Shrishti Jalal has been selected for Yuva Sangam Phase 4. The Vice-Chancellor of the University, Prof. Tankeshwar Kumar while extending congratulations to Shrishti Jalal said that through this programme the participant will get the opportunity to know about the art and culture of the host state. The Dean of Student Welfare of the University Prof Anand Sharma said that Shrishti who is studying MA English at the University will get an opportunity to understand the cultural diversity, rituals, and traditions of Karnataka. The Academic Dean of the University, Prof Sanjiv Kumar and the faculty members of the Department of English and Foreign Languages extended congratulations to Shrishti Jalal for the achievement.

## 1.11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों द्वारा विकसित प्रणाली को मिला पेटेंट

**CUH, March 27, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों प्रो. आकाश सक्सेना, डॉ. मुनीश मानस और डॉ. राजेश कुमार दुबे को सौर निगरानी प्रणाली का पेटेंट प्राप्त हुआ है। इस प्रणाली का उद्देश्य सौर संयंत्रों के महत्वपूर्ण मापदंडों और विशेषताओं को मापना, डेटा संग्रह, निदान और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करना है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय सदस्यों की उनके नवाचार के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय नेशनल सोलर मिशन (एनएसएम) और द नेशनल मिशन फॉर ग्रीन इंडिया (जीआईएम) सहित जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना पर शोध व अनुसंधान करने के लिए कटिबद्ध है।

प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि यह प्रणाली इनवर्टर, इलेक्ट्रोमीटर, मेट्रोलॉजिकल उपकरण और फोटोवोल्टिक एरेज सहित अन्य घटकों के साथ संचार स्थापित करती है, जिससे सौर ऊर्जा उत्पादन की दक्षता और प्रबंधन में वृद्धि होती है। इसमें अत्याधुनिक डेटा संग्रह प्रौद्योगिकियों पर आधारित एक विशेष डेटा लॉगर बीबीबॉक्स की सुविधा भी है। उन्होंने बताया कि 155 किलोवाट फोटोवोल्टिक प्रणाली की निगरानी और नियंत्रण में इसका सफल अनुप्रयोग इस प्रणाली की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सॉफ्टवेयर पीवीजीआईएस के पाँचवे संस्करण का प्रयोग किया गया है। इस प्रणाली में त्रुटियों को पहचानने और सुधारने की क्षमता है, जिससे फोटोवोल्टिक एरेज का निरंतर संचालन सुनिश्चित होता है। यह सौर निगरानी प्रणाली भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में योगदान देने के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

## CUH faculty developed a Solar Monitoring System

**CUH, March 27, 2024**

Prof. Akash Saxena, Dr Munish Manas, and Dr Rajesh Kumar Dubey, faculty members of the Department of Electrical Engineering at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh have successfully developed an innovative solar monitoring system. This pioneering system aims to measure crucial parameters and characteristics of solar plants, facilitating data collection, diagnosis, and processing. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the University, applauded all the faculty members of the Electrical Engineering Department who were involved in developing this system for this groundbreaking innovation. He emphasized the commitment of the university to aligning research practices with India's National Action Plan on Climate Change, particularly the National Solar Mission (NSM) and The National Mission for Green India (GIM). The newly developed system establishes communication with inverters, electrometers, metrological equipment, and additional components of photovoltaic arrays, enhancing the efficiency and management of solar energy production. Constructed using cutting-edge data collection technologies, the system features a specialized data logger, the BB box, installed at generating plants. A notable achievement of this monitoring system is its successful application in monitoring and controlling a 155 KW photovoltaic system, exemplified by the selection of three PV plants in a microgrid pilot project. By adhering to the globally recognized software PVGIS (version 5), the system ensures that electricity production aligns with expected values over the past five years of operation, reflecting its reliability and accuracy. One of the key advantages of this system is its ability to identify and rectify installation errors, thereby ensuring the continuous operation of photovoltaic ranges. In case of reduced output power, the system enables servicemen and engineers to promptly detect and resolve errors, optimizing plant performance. The development of this solar monitoring system underscores the dedication of the Central University of Haryana to advancing sustainable energy solutions and contributing to India's renewable energy goals.

## 2. Celebrations

### 2.1 हकेवि में राष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

**CUH, Jan 14, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ) टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप मे श्री राकेश कुमार यादव (सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश) उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति ने इस अवसर पर सभी सहभागियों को राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए, युवाओं को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से सीख लेकर विश्वविद्यालय, समाज, देश व विश्व कल्याण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए युवा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

आयोजन में मुख्य वक्ता श्री राकेश कुमार यादव (सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश) ने स्वामी विवेकानंद जी के द्वारा बताये विभिन्न पहलुओं को विद्यार्थियों से साझा करते हुए बताया की युवा दिवस एक मौका प्रदान करता है जिसमें युवा पीढ़ी अपने दृष्टिकोण और सुझावों के माध्यम से समस्याओं का सामना कर सकती है, जैसे कि बेरोजगारी, शिक्षा, और स्वास्थ्य। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया की यह दिन स्वामी विवेकानंद की जन्मजयंती के रूप में मनाया जाता है, जिन्होंने अपने जीवन में युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने और समर्थ नागरिक बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित आयोजन में एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम, डॉ. मुकेश एवं डॉ. युद्धवीर एवं अन्य शिक्षक भी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत मे एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नीलम ने धन्यवाद प्रस्ताव देते हुए कहा कि युवा दिवस राष्ट्रीय एकता का एक संकेत भी है, क्योंकि यह समझाता है कि युवा पीढ़ी ही भविष्य के नेतृत्व का आधार होती है और वे साथ मिलकर राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकती हैं।

### Event organised at CUH on National Youth Day

**CUH, Jan 14, 2024**

The National Youth Day was celebrated on the occasion of the birth anniversary of Swami Vivekanand at the Central University of Haryana, Mahendergarh. In the event, organised under the direction and guidance of the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, Mr Rakesh Kumar Yadav (Former District and Session Judge) was present as the expert speaker.

The event was organised jointly by the National Service Scheme of the University and the Office of the Dean of Student Welfare. The keynote speaker Mr Rakesh Kumar Yadav (Retired District and Session Judge) shared various aspects highlighted by Swami Vivekanand with the students, emphasising that Youth Day provides an opportunity for the younger generation to address issues such as unemployment, education, and health through their perspectives and suggestions. Young people can show their commitment to their community by participating in various community service activities on this day. NSS Programme coordinator Dr Pradeep Kumar noted that this day is celebrated as the birth anniversary of Swami Vivekanand, who dedicated his life to empowering the younger generation and nurturing them into capable citizens. The event was attended by NSS program officers Dr Neelam, Dr Mukesh, Dr Yuddhavir, and other faculty members. At the end of the programme, Dr Neelam, NSS Programme Officer, delivered a vote of thanks, stating that the younger generations form the foundation of future leadership and by working together they can contribute to the nation's development.

### 2.2 हकेवि में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

**CUH, Jan 24, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा सशक्त

लड़कियाँ, सशक्त महिलाएँ और सशक्त विश्व विषय पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि लड़कियों को शिक्षित करने से आत्मनिर्भर व विकसित भारत की परिकल्पना साकार होगी।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेनु यादव ने प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर भारत अभियान और इसकी सफलता में महिलाओं की सहभागिता से अवगत कराया। आयोजन में डॉ. रीमा गिल ने मॉडरेटर की भूमिका का निवर्हन किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अनिता कुमारी व आयोजन सचिव की भूमिका डॉ. रेनु और डॉ. सुमन कुमारी ने निभाई। इस अवसर पर एमएस.सी. व पीएच.डी. के विद्यार्थियों रश्मि, दीपिका, देबोलिना चाखी, डेजी मुशाहारी, गीतांजलि महिला, नेहा सैनी, संदीप कुमार और प्रकृति झिल्टा ने पैनल चर्चा में प्रतिभागिता की और कार्यक्रम के विषय पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर प्रो. रंजन अनेजा, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा एवं डॉ. रश्मी सहित विभिन्न विभागों के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

## National Girl Child Day celebrated at CUH

**CUH, Jan 24, 2024**

A special event was organised on the occasion of National Girl Child Day at the Central University of Haryana, Mahendergarh. The event, organised by the Women Empowerment Cell of the University, was inaugurated by the Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar. In his address, the Vice-Chancellor said that educating girls will help realize the vision of a self-reliant and developed India. The programme coordinator Dr Renu Yadav informed the participants about the Aatma Nirbhar Bharat Abhiyan and the importance of women's participation in its success. Dr Reema Gill served as the moderator for the event. Dr Anita Kumari coordinated the programme, while Dr Renu and Dr Suman Kumari acted as the organising secretaries.

During the event, students of MSc and PhD, including Rashmi, Deepika, Debolina Chakhi, Daisy Mushahari, Geetanjali Mahila, Neha Saini, Sandeep Kumar, and Prakriti Jhilta, participated in a panel discussion and shared their thoughts on the subject of the programme. The occasion was also graced by the presence of Prof Ranjan Aneja, Prof Kanti Prakash Sharma, Dr Rashmi, and Students and researchers from various departments.

## 2.3 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

**CUH, Jan 26, 2024**

भारत का 75वां गणतंत्र दिवस हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड तीन स्थित विद्या वीरता स्थल पर वीर सैनिकों को नमन किया। इसके पश्चात प्रशासनिक खंड स्थित उद्यान में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। कुलपति ने इस अवसर पर देश की सीमा पर तैनात वीर सैनिकों के त्याग, बलिदान व शौर्य को भी नमन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, समकुलपति प्रो. सुषमा यादव एवं कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस सभी भारतीयों के लिए गौरव का दिन है।

## 75th Republic Day celebrated at CUH

**CUH, Jan 26, 2024**

The 75th Republic Day of India was celebrated with great enthusiasm at the Central University of Haryana, Mahendergarh. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, first paid tribute to the brave soldiers at the Vidya Veerta Sthal located in the Academic Block Three of the university. Following this, he hoisted the national

flag in the garden situated in the administrative block. On this occasion, the Vice-Chancellor extended Republic Day greetings to the teachers, staff, and students. He also saluted the sacrifices, bravery, and dedication of the soldiers stationed at the borders. The event was graced by the presence of the first lady of the university, Prof Sunita Shrivastava, Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav, and University Registrar Prof Sunil Kumar.

In his address, Prof Tankeshwar Kumar stated that Republic Day is a day of pride for all Indians. On this day, we received our constitution, which guides us on how to govern our country.

### 2.4 हकेवि में मनाया गया विश्व आर्द्रभूमि दिवस
**CUH, Feb 02, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग ने शुक्रवार को विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2024 के अवसर पर पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसका विषय 'वेटलैंड्स एंड ह्यूमन वेलबीइंग' रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से आर्द्रभूमि को संरक्षित करने और युवाओं के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम को महत्त्वपूर्ण बताया। विभाग की प्रमुख डॉ. मोना शर्मा ने बताया कि आर्द्रभूमि दुनिया में सबसे अधिक उत्पादक और जैविक रूप से विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से एक है और वे मानव और प्रकृति के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैं। डॉ. मोना ने बताया कि विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों ने पारिस्थितिकी तंत्र और मानव जीवन को बनाए रखने में आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गायत्री, पुनीता व साक्षी प्रतियोगिता की विजेता रहीं। पीएच.डी. व विभागीय विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का समन्वयनम पीएच.डी. शोधार्थी गौरव व अभिनंदन तथा एम.एससी. के विद्यार्थियों ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता, डॉ. अनूप यादव और डॉ. भूपेन्द्र सिंह निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप् में उपस्थित रहे।

### World Wetlands Day celebrated at CUH
**CUH, Feb 02, 2024**

The Department of Environmental Studies, Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh organised an exciting poster-making competition on the occasion of the World Wetlands Day 2024. The theme of the competition was "Wetlands and Human Wellbeing". This event was organised by Ph.D. Scholars and students of the department. The posters were invited from the students of the other departments of Central University of Haryana. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor of the university expressed his views through a message and said that the programme is important for spreading awareness among the youth for conserving and preserving wetlands. Dr Mona Sharma, the Head of the Department stressed the importance of wetlands which are the most productive and biologically diverse ecosystems in the world and they are vital for the health and well-being of humans and nature. On this occasion, Dr Anita Singh, Dr Vikram Singh, Dr Smita, Dr Anoop Yadav and Dr Bhupendra Singh were also present and evaluated the posters.

### 2.5 प्रिंटर दिवस पर हकेवि में कार्यक्रम आयोजित
**CUH, Feb 26, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में प्रिंटर दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को उनके अध्ययन से जुड़े व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराते हैं।

इस आयोजन मे संदर्भ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से विद्यार्थियों को अपने हुनर का प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी विभाग के शिक्षक प्रभारी श्री संदीप बूरा ने आयोजन के आरंभ में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् सुश्री सुमन कुमारी ने कार्यक्रम में उपस्थित औद्योगिक विशेषज्ञ, डिलाइट प्रिंट एंड पैक, नीमराना के सीईओ श्री संदीप यादव का परिचय कराया। विशेषज्ञ ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के समक्ष पेपर एवं पेपर बोर्ड के विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

### Event organised at CUH on the occasion of Printer's Day
**CUH, Feb 26, 2024**

A special programme was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh, to mark Printer's Day. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar praised the initiative, stating that such events provide students with practical knowledge related to their studies. Prof Phool Singh, Dean of the School of Engineering and Technology, emphasised that competitions like these give students an opportunity to showcase their skills.

At the beginning of the event, Mr Sandeep Bura, the faculty in charge of the Department

of Printing and Packaging Technology, outlined the programme and welcomed the guests and participants while highlighting the importance of the event. Following this, Ms Suman Kumari introduced the industrial expert, Mr Sandeep Yadav, CEO of Delight Print and Pack, Neemrana, who was present at the event. In his address, the expert provided detailed information on paper and paperboard and informed the participants about the advancements in the field of printing and packaging. He also discussed the employment opportunities available in this sector.

### 2.6 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में स्कूली व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत की अपनी उपलब्धियाँ

**CUH, Feb 27, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार से विशेष कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस विज्ञान प्रदर्शनी में 27 फरवरी को हकेवि के विभिन्न विभागों तथा स्थानीय स्कूलों की ओर से उल्लेखनीय कार्यों, शोध व नवाचार की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर नवाचार के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, वर्किंग मॉडल, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, भाषण, चित्रकारी एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति एवं आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ना, उनकी प्रतिभा की पहचान करना और नवाचार के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर महेंद्रगढ़ के जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुनील दत्त तथा जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी श्री संतोष चौहान विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

### School and University students showcase their achievements at CUH on National Science Day

**CUH, Feb 27, 2024**

A special event to mark National Science Day began on Tuesday at the Central University of Haryana, Mahendergarh. Under the theme "Indian Technology for a Developed India", the science exhibition featured notable works, research, and innovations from various departments of the university and local schools on February 27. The event included competitions in poster making, working models, best-out-of-waste, speeches, painting, and quizzes. The Vice-Chancellor of the university, Prof. Tankeshwar Kumar, who was the chief patron for the event, highlighted that the purpose of the programme is to connect students with science, recognize their talents, and inspire innovation. Mr Sunil Dutt, District Education Officer, Mahendergarh and Mr Santosh Chauhan, District Primary Education Officer, were present as distinguished guests. Prof Kumar notes that the university aims to ensure that students are not only engaged in academic studies but also gain practical knowledge and skills through innovation. The university is continuously working towards this goal through its Innovation and Incubation Centre and Entrepreneurial Cell.

### 2.7 हकेवि में वार्षिकोत्सव स्पंदन के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

**CUH, Feb 29, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपनी स्थापना के पंद्रह वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। 25 फरवरी 2009 से शुरु हुई इस यात्रा के पंद्रह वर्ष पूर्ण होने पर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा व हरियाणा कला परिषद के पूर्व निदेशक श्री अनिल कौशिक उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि व विश्वविद्यालय की लोकपाल डॉ. ऊषा अरोड़ा ने कहा कि यह समय बेहद महत्त्वपूर्ण है और विद्यार्थियों शिक्षकों व अन्य सहयोगियों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए आगे बढ़ेंगे। कार्यक्रम में श्री अनिल कौशिक ने युवा शक्ति और उसकी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का उल्लेख करते हुए युवाओं को कर्तव्यों के प्रति सजग किया।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने अंतर विश्वविद्यालय सांस्कृतिक वार्षिकोत्सव के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आयोजन में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम विश्वविद्यालय, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तथा निफ्टेम सहित 12 शिक्षण संस्थानों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। दो दिनों के इस आयोजन में म्यूजिक, डांस, साहित्यिक कार्यक्रम, थियेटर, फाइन आर्ट के तहत वोकल म्यूजिक, ग्रुप डांस, लोकनृत्य, कविता पाठ, वाद-विवाद, स्किट, माइम, पेंटिंग, कोलाज मेकिंग, रंगोली, महेंदी, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में आयोजन की संयोजक डॉ. आरती यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस आयोजन में छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय से डॉ. रेनु यादव, डॉ. नीरज कर्ण सिंह, डॉ. मुलाका मारुति सहित शिक्षकों, विभिन्न समिति के सदस्यों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों व स्वयंसेवकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## CUH celebrates its Foundation Day with the Annual Fest Spandan

**CUH, Feb 29, 2024**

Central University of Haryana, Mahendergarh, has completed fifteen years since its establishment. To mark the completion of fifteen years of this journey which started on 25th Feb 2009, a two-day annual festival was organised at the university. The event was inaugurated by the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar. Special guests included the University Lokpal Dr Usha Arora and the former director of Haryana Arts Council, Mr Anil Kaushik. On this occasion, the Pro Vice-Chancellor, Prof Sushma Yadav and University Registrar, Prof Sunil Kumar graced the event with their presence.

At the event, the special guest and the University's Ombudsperson, Dr Usha Arora, emphasised that this is a very important time, and students, teachers, and other associates should understand their responsibilities and move forward. During the programme, Mr Anil Kaushik highlighted the power of youth and their responsibility towards the nation, urging the young people to be vigilant about their duties. He said that this is a time for progress and development, and the responsibility for nation-building rests on the shoulders of the youth. Therefore, he requests students to contribute to the development of the country.

Dean of Student Welfare, Prof Anand Sharma, provided details about the inter-university cultural annual festival. He mentioned that teams from twelve educational institutions, including Central University of Haryana, Maharshi Dayanand University, Chaudhary Bansi Lal University, Indira Gandhi University, BR Ambedkar University, Guru Jambheshwar University of Science and Technology, Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Gurugram University, Chaudhary Ranbir Singh University, Chaudhary Devi Lal University, and NIFTEM are participating in the event under various categories like music, dance, literary programmes, theatre, and fine arts. These included vocal music, folk dance, poetry recitation, debate, skit, mime, painting, collage making, rangoli, mehndi, photography, and poster making.

At the end of the programme, the event coordinator Dr Aarti Yadav delivered the vote of thanks. The event saw significant contributions from the Student Welfare Office, including Dr Renu Yadav, Dr Neeraj Karn Singh, Dr Mulaka Maruti, teachers, committee members, students, researchers, and volunteers.

## 2.8 हकेवि वार्षिकोत्सव स्पंदन 2024 की ट्रॉफी चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा के नाम

**CUH, March 01, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में दो दिनों तक चले वार्षिकोत्सव 'स्पंदन' 2024 की ट्रॉफी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नाम रही लेकिन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के प्रतिनिधियों ने आयोजक संस्थान होने के नाते इस ट्रॉफी को द्वितीय स्थान पर रहे चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा देने का निर्णय लिया। दो दिनों तक चले इस आयोजन में डांस, म्यूजिक, फाइन आर्ट, साहित्यिक कार्यक्रम व थियेटर की श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से 12 से अधिक विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आई टीमों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन सत्र हरियाणवी कलाकार रामकेश जीवनपुरिया व हरिओम कौशिक उपस्थित रहे और उन्होंने जमकर समां बांधा। आयोजन के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के नतीजे घोषित किए गए।

**नृत्य श्रेणी**

लोक जनजातीय नृत्य में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय ने प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने द्वितीय तथा इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

**म्यूजिक श्रेणी**

क्लासिकल वोकल सोलो भारतीय में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी द्वितीय तथा चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय तृतीय क्लासिकल वोकल सोलो की प्रथम श्रेणी में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, के.आर. मंगलम यूनिवर्सिटी द्वितीय तथा चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय तृतीय क्लासिकल वोकल सोलो की प्रथम श्रेणी में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय प्रथम लाइट वोकल इंडियन सोलो में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय वेस्टर्न वोकल सोलो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय ग्रुप सांग इंडियन में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय ग्रुप सांग वेस्टर्न में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम फोक ओरकेस्ट्रा में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा बीपीएस खानपुर द्वितीय वेस्टर्न म्यूजिक सोलो में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय रेवाडी द्वितीय फोक ट्राइबल डांस में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय रेवाडी तृतीय रहे।

**साहित्यिक कार्यक्रम**

हिंदी कविता पाठ में चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा दिल्लीयूनिवर्सिटी तृतीय अंग्रेजी कविता पाठ में बीपीएस खानपुर प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वितीय तथा सीबीएलयू तृतीय वाक्शक्ति में सीबीएलयू प्रथम, जीजेयू हिसार द्वितीय तथा चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय तृतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में बीपीएस खानपुर व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रथम तथा आईजीयू, सीडीएलयू व सीबीएलयू द्वितीय रहे।

**थियेटर**

स्किट में जीजेयू हिसार प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय मिमिकरी में आईजीयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय वन एक्ट प्ले में जीजेयू हिसार प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय नुक्कड़ नाटक में आईजीयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा बीपीएस खानपुर तृतीय रहे।

**फाइन आर्ट श्रेणी**

ऑन द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, शारदा यूनिवर्सिटी द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय कोलाज मेकिंग में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने प्रथम, बीपीएस खानपुर द्वितीय तथा सीडीएलयू व जीजेयू तृतीय पोस्टर मेकिंग में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय तथा सीडीएलयू तृतीय क्ले मॉडलिंग में सीयूएच प्रथम, जीजेयू द्वितीय तथा शारदा यूनिवर्सिटी तृतीय कॉर्टूनिंग में सीबीएलयू प्रथम, सीयूएच द्वितीय तथा जीजेयू तृतीय रंगोली में सीबीएलयू प्रथम, सीडीएलयू द्वितीय तथा यूनिवर्सिटी तृतीय स्पॉट फोटोग्राफी में सीयूएच प्रथम, सीबीएलयू द्वितीय तथा आईजीयू तृतीय स्थान पर रहे।

## The two-day annual fest concluded: Trophy of CUH Spandan 2024 awarded to Chaudhary Devi Lal University, Sirsa

**CUH, March 01, 2024**

In the two-day annual function Spandan 2024 at the Central University of Haryana, Mahendergarh, the trophy was named after the university. However, as the host of the event, the Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar and the representatives of the Student Welfare Office decided to award the trophy to Chaudhary Devi Lal University, Sirsa, which secured the second rank. In this two-day event, teams from over 12 universities showcased their talent by participating in various competitions organised in five categories such as dance, music, fine arts, literary events and theatre. In the closing session of the event, Haryana folk artists Ramkesh Jivanpuriya and Hari Om Kaushik were present and created a lively atmosphere. At the end of the event, the results of various competitions were declared.

### Dance Category

In folk tribal dance, Chaudhary Devilal University secured the first position, CUH second and Indira Gandhi University secured the third position.

### Music Category

In Indian Vocal Classical Solo Chaudhary Devilal University secured the first position while K.R. Mangalam University and Chaudhary Bansilal University secured the second and third positions respectively. In Light Vocal Indian Solo, Chaudhary Devilal University secured the first rank, CUH second, and BPS Khanpur was third. In Western Vocal Solo, CUH secured the first position and Sharda University secured the second position. In the Indian group song, Chaudhary Devilal University secured the first rank, CUH second, and BPS Khanpur secured the third rank. CUH excelled in the Western Group Song. In folk orchestra, CUH secured the first position and BPS Khanpur was second. In Western music solo, CUH secured the first position and Indira Gandhi University, Rewari secured the second position.

### Literary Events

In Hindi poetry recitation, Chaudhary Devilal University secured the first position while CUH and Delhi University secured the second and third positions respectively. In English poetry recitation, BPS Khanpur secured the first position, CUH second, and CBL University secured the third position. In Power of Speech, CBLU secured the first position, GJU Hisar second, and Chaudhary Devilal University secured the third position. In debate, CUH and BPS Khanpur secured the first position while CDLU and CBLU secured the second position.

### Theatre

In the Skit category, GJU Hisar was first, CDLU second, and BPS Khanpur was third. In Mime, IGU secured the first rank while CUH and BPS Khanpur secured second and third ranks respectively. In one-act play, GJU Hisar secured the first position, BPS Khanpur second and CDLU secured the third position. In the street play, IGU secured the first position, CUH second and BPS Khanpur secured the third position.

### Fine Art Category

In the on-the-spot painting competition, CUH secured the first position, Sharda University second and CDLU secured the third position. In Collage Making, CUH secured the first position, BPS Khanpur second, and CDLU and GJU secured the third position. In Poster Making, CUH secured the first position while CBLU and CDLU secured the second and third positions respectively. In Clay Modelling, CUH secured the first position, GJU second, and Sharda University secured the third position. In Cartooning, CBLU secured the first position while CUH and GJU secured the second and third positions respectively. In Rangoli, CBLU secured the first position, CDLU second, and CUH secured the third position. In Spot Photography, CUH secured the first position,

# 3. Ek Bharat Shreshth Bharat

## 3.1 युवा संगम के लिए हकेवि के नेतृत्व में राज्य के युवा जाएंगे पश्चिम बंगाल

**CUH, Feb 02, 2024**

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रकोष्ठ के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर युवा संगम चरण चार का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के लिए देश के सभी प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थाओं में से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ का चयन हरियाणा राज्य लिए हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि हरियाणा राज्य के साथ पश्चिम बंगाल राज्य को सहभागी राज्य के रूप में चयनित किया गया है। इसके तहत हरियाणा राज्य के युवाओं और पश्चिम बंगाल के युवाओं को एक-दूसरे की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को देखने एवं समझने का अवसर मिलेगा।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि युवा संगम चरण चार में हरियाणा राज्य के युवा फरवरी-मार्च 2024 के मध्य पश्चिम बंगाल का भ्रमण करेंगे। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य के 45 से 50 युवा छात्र-छात्राओं का चयन कर बहुआयामी एक्स्पोजर यात्रा में हिस्सा लेने का अवसर प्रदान होगा।

## Led by CUH, the youth from Haryana will head to West Bengal for Yuva Sangam

**CUH, Feb 02, 2024**

Ek Bharat Shreshtha Bharat Cell of the Ministry of Education, Government of India is organising the fourth phase of Yuva Sangam at the national level. The Central University of Haryana has been selected as the nodal institution for Haryana state for this event. Professor Tankeshwar Kumar, the Vice Chancellor of the University said that West Bengal has been selected as the partner state with Haryana. Under this initiative, the youth from Haryana and West Bengal will have the opportunity to explore and understand each other's cultural and historical heritage. Dr Rajendra Prasad Meena, the Nodal Officer of Central University of Haryana said that in the fourth phase of Yuva Sangam, the youth from Haryana will visit West Bengal between February and March 2024. He informed that 45 to 50 young students from Haryana will be selected to take part in this multifaceted exposure tour.

## 3.2 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

**CUH, March 07, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गाँवों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं को आमंत्रित किया गया। आयोजन में डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर, एडीसी, चरखी दादरी मुख्य अतिथि तथा हरियाणा सरकार के ओएसडी प्रो. आर.के. अनायत व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. आर.के. अनायत ने कहा कि हर व्यक्ति की सफलता के पीछे किसी न किसी महिला का हाथ अवश्य होता है। उन्होंने हरियाणा राज्य में लड़कियों की बढ़ती साक्षरता पर हर्ष व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जैनेंद्र सिंह छिल्लर ने कहा कि सशक्तिकरण अंदर से कैसे आता है और यह सामाजिक परिप्रेक्ष्य को कैसे बदलता है। उन्होंने कहा कि हमारा अस्तित्व महिलाओं के कारण है। आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने महिला वैज्ञानिकों के जीवन व समाज में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि कैसे देश की विभिन्न महिला वैज्ञानिकों ने घर व जीवन की मुश्किल परिस्थितियों का सामना करते हुए सफलता पाई।

## Event organised at CUH on the occasion of International Women's Day

**CUH, March 07, 2024**

A special event was organised on the occasion of International Women's Day at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh. The event, organised by the Women Empowerment Cell of the University, invited women from the university's adopted villages who have achieved success in various fields. At the event, Dr Jainendra Singh Chhilar, ADC Charkhi Dadri, was present as the chief guest and Prof R.K. Anayat, OCD, Government of Haryana, and the first lady of the university, Prof Sunita Srivastav, were present as the distinguished guests. The programme was presided over by the Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar.

In his address, the distinguished guest, Prof R.K. Anayat emphasised that there is always a woman's support behind every successful person. He expressed happiness over the increasing literacy rate among girls in Haryana and shared his personal experiences with the participants.

The chief guest, Dr Jainendra Singh Chhillar, spoke about how empowerment comes from within and how it changes the social perspectives. He remarked that our existence is due to women.

Prof Sunita Srivastava, the first lady of the university, shed light on the lives and contributions of women scientists, illustrating how various women scientists in the country have overcome difficult personal circumstances to achieve success.

### 3.3 पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने आयोजित की राष्ट्रीय स्तरीय सेल्फी विद मदर प्रतियोगिता

**CUH, March 14, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एंव जनसंचार विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तरीय सेल्फी विद मदर और सेल्फी विद महिला शिक्षक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन समाज में महिलाओं के योगदान को सराहने का प्रयास है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का लक्ष्य समाज में लैंगिक समानता की भावना का विकास करना है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में देशभर के 15 राज्यों से 330 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार असम राज्य के दिसपुर नर्सिंग इंस्टीट्यूट गुवाहाटी से बीएससी नर्सिंग की छात्रा मधुस्मिता दास को वहीं हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत उत्तराखंड के विकास को दूसरा पुरस्कार मिला। उन्होंने बताया कि प्रथम पुरस्कार में 3100 रूपए, द्वितीय पुरस्कार में 2100 रूपए विजेताओं को प्रदान किए गए। वहीं तीसरे पुरस्कार के विजेता गलगोटिया विश्वविद्यालय की विद्यार्थी खुशी सिन्हा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. सुरेंद्र कुमार और डा. आलेख एस नायक रहे। प्रतियोगिता में सभी पुरस्कार हीरा ज्वेलर्स हिसार की तरफ से विशाल बंसल ने दिये। इस प्रतियोगिता में जज की भूमिका प्रोफेसर नीलम सांगवान, न्यूज 18 उत्तर प्रदेश के संपादक राजन अग्रवाल, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. आलेख एस नायक, डॉ. नीरज कर्ण सिंह तथा शिक्षा विभाग से डॉ. नेहा बिश्नोई ने निभाई।

### National-level competition 'Selfie with Mother' organised by the Journalism and Mass Communication Department

**CUH, March 14, 2024**

The Department of Journalism and Mass Communication, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a national-level competition "Selfie with Mother" and "Selfie with Female Teacher" on the occasion of International Women's Day. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, while congratulating the winning participants, said that the organisation of such events is an effort to appreciate the contribution of women in society.

The head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr Ashok Kumar, said that the aim of organising this event is to encouraging a sense of gender equality in society. He said that over 330 participants from 15 states across the country took part in this competition. The first prize was awarded to Madhusmita Das, a B.Sc. Nursing student from Dispur Nursing Institute, Guwahati, Assam and the second prize was received by CUH student Vikash from Uttarakhand. He said that the first prize included Rs. 3100, the second prize Rs. 2100 and the third prize winners received certificates. The third prize winner Khushi Sinha, a student from Galgotia University, was awarded the certificate. The event was coordinated by Dr Surendra Kumar and Dr Alekh S Nayak. All the prizes were distributed by Vishal Bansal of Hira Jewellers, Hisar.

## 4. Initiatives and Innovations

### 4.1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्वदेशी उत्पादों पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

**CUH, Jan 17, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार से जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्तृता संघ, नारनौल के सहयोग से दो दिवसीय स्वदेशी वस्तुओं की प्रदर्शनी की शुरूआत हो गई। प्रदर्शनी का शुभारम्भ विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने किया। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के प्रयासों से आयोजित इस प्रदर्शनी के संबंध में समकुलपति ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं की यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में स्वदेशी प्रेम के विकास और उससे जुड़े आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का एक प्रयास है।

प्रो. सुषमा यादव ने विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के नारे व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कहा कि अवश्य ही जिला महेंद्रगढ़ खादी ग्रामोद्योग कार्यकर्तृता संघ, नारनौल के सहयोग से आयोजित यह प्रदर्शनी जनउपयोगी स्वदेशी उत्पादों को विश्वविद्यालय के विभिन्न सहभागियों तक सहज उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय के इनोवेशन एण्ड इन्क्यूबेशन सेंटर के निदेशक डॉ. आशीष माथुर ने खादी ग्रामोद्योग द्वारा निर्मित उत्पादों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि प्रदर्शनी में उपलब्ध कपड़ें व अन्य उत्पाद पूरी तरह से स्वदेशी उत्पादकों द्वारा निर्मित हैं और यह पर्यावरण हितैषी तकनीक से विकसित किए गए हैं।

## The two-day exhibition on indigenous products inaugurated at CUH

**CUH, Jan 17, 2024**

A two-day exhibition of indigenous products, organised with the support of the District Mahendergarh Khadi and Village Industries Workers Association, Narnaul, began in the university on Wednesday. The exhibition was inaugurated by the Pro Vice-Chancellor of the university, Prof Sushma Yadav. Regarding the exhibition, Prof Yadav mentioned that it aims to foster a love for indigenous products among students, researchers, teachers, and non-teaching staff and contribute to the dream of an Atmanirbhar Bharat (Self-reliant India). The Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar stated that it would undoubtedly help to develop an attachment to indigenous products among the participants, especially young students.

Prof Sushma Yadav praised the Innovation and Incubation Centre of the University, stating that significant efforts are being made at the university to realise the vision of 'Vocal for Local' and Atmanirbhar Bharat, as promoted by Prime Minister Narendra Modi. On this occasion, the first lady of the university, Prof Sunita Srivastava, mentioned that the exhibition will help in making indigenous products easily accessible to various participants at the university. Dr Ashish Mathur, Director of the Innovation and Incubation Centre, provided information about the products made by the Khadi and Village Industries Commission, noting that the clothes and other items available at the exhibition are entirely produced by Indigenous manufacturers by using environmental friendly technology.

Regarding the two-day exhibition held at the university, Balwant Sharma, Secretary of the District Mahendergarh Khadi and Village Industries Workers Association, expressed gratitude to Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar, Pro Vice-Chancellor Sushma Yadav, University Registrar Prof Sunil Kumar, and Director Prof Ashish Mathur, stating that the exhibition made it possible to reach Khadi products to the various participants at the university.

## 4.2 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की चार परियोजनाओं का लोकार्पण

**CUH, Feb 20, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संसाधनों के विकास के स्तर पर जारी प्रयासों के अंतर्गत मंगलवार 20 फरवरी को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोकार्पण किया। देश की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकास की इन परियोजनाओं के माध्यम से विकसित भारत बनने का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की धरती पर इतने बड़े आयोजन के लिए वहां के लोगों का अभिनंदन किया। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सभी को मिलेगा। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा, केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, सांसद जुगल किशोर, गुलाम अली खटाना भी उपस्थित रहे। वही प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालय की चार परियोजनाओं का लोकार्पण किया। जिनमें विश्वविद्यालय के अतिथि गृह, स्वास्थ्य केंद्र, टाईप 3 व टाईप 5 कर्मचारी आवास परिसर सम्मिलित है। आयोजन में मुख्यातिथि सांसद श्री धर्मबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व यह देश शिक्षा, स्वास्थ्य व आधारभूत संरचना सहित सभी मोर्चों पर जिस तरह से प्रगति कर रहा है। उससे भारत विकसित देश बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व सांसद श्री धर्मबीर सिंह का आभार प्रकट किया और विश्वविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने विश्वविद्यालय की 32.19 करोड़ रुपए लागत की चार परियोजनाओं का लोकार्पण किया है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के निर्माण में 3.87 करोड़, स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण में 2.73 करोड़ व टाईप 3 आवासीय परिसर के निर्माण में 9.86 करोड़ तथा टाईप 5 के निर्माण में 15.73 करोड़ रूपए की लागत आई है। इसी क्रम में विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एवं 1200 लोगों की क्षमता वाले सभागार बनने की प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। कुलपति ने माननीय सांसद श्री धर्मबीर सिंह का उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम का संचालन

डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व प्रो. सुनीता श्रीवास्तव सहित विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

## Prime Minister Shri Narendra Modi inaugurated four projects of Central University of Haryana

**CUH, Feb 20, 2024**

As part of the ongoing efforts at the level of development of resources at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, the Prime Minister of India, Shri Narendra Modi inaugurated four projects of the university i.e. Guest House, Health Centre, Type III and Type V Staff quarters, through a video conferencing on Tuesday, 20 February. Inaugurating various projects of the country, Prime Minister Shri Narendra Modi said that through these development projects, the path to becoming a developed India is paved. The local Member of Parliament, Shri Dharambir Singh was present as the chief guest in the program organized at the University. Prof. Tankeshwar Kumar, the Vice Chancellor of the University welcomed the chief guest and expressed gratitude towards him for participating in the event. Shri Dharambir Singh said that under the leadership of Prime Minister Shri Narendra Modi, the way India is progressing in all sectors, including education, health, and infrastructure, the country is rapidly moving towards becoming a developed nation.

Prof. Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to Prime Minister Shri Narendra Modi and MP Shri Dharambir Singh and informed about the progress of the University. He mentioned that the Honourable Prime Minister Shri Narendra Modi has inaugurated four projects of the University, which have a total cost of Rs 32.19 crore. In line with this, the process for constructing a library and an auditorium with a capacity of 1200 people has already begun. The Vice-Chancellor of the university expressed gratitude to the MP Shri Dharambir Singh for his support. The program was coordinated by Dr Neeraj Karan Singh. On this occasion, Registrar Prof. Suneel Kumar, Prof. Sunita Srivastava, Deans of various schools, Head of the Departments, Faculty Members, employees, students and researchers were present.

## 4.3 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में पं. श्री राम आचार्य द्वारा रचित पुस्तको की प्रदर्शनी का आयोजन

**CUH, Feb 21, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के केंद्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार, गुरुग्राम के सहयोग से पं. श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार, शांति कुञ्ज हरिद्वार) द्वारा रचित पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य ने अपने जीवन को प्रयोगशाला बनाकर लोकहित युग साहित्य का सृजन किया। उन्होंने 3200 से अधिक पुस्तकों की रचना की। उन्होंने बताया कि आचार्य जी का कहना था कि मैं व्यक्ति नहीं, विचार हूँ। मेरा स्वरूप मेरे साहित्य में छुपा हुआ है। मुझे घर-घर पहुंचाओं और इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस प्रदर्शनी का आयोजन विश्वविद्यालय में किया गया है।

## Exhibition of Pandit Shri Ram Sharma Acharya's books organised at CUH

**CUH, Feb 21, 2024**

A book exhibition of works by Pandit Shri Ram Sharma Acharya was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh. In collaboration with the Gayatri Family, Gurgaon, the exhibition was held at the Central Library of the University. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, stated that Pandit Shri Ram Sharma Acharya created epochal literature for the welfare of the people by turning his life into a laboratory. He authored over 3200 books. The Vice-Chancellor mentioned that Acharya ji used to say, "I am not a person, I am a thought. My essence is hidden in my literature. Take me to every home", which was the objective behind organising the exhibition at the university.

### 4.4 हकेवि में संकल्प दिवस के अवसर पर मिग-21 व रिकॉइललेस लॉन्चर का हुआ अनावरण

**CUH, Feb 22, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में संकल्प दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य सभा सांसद व सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जर्नल डॉ. डी.पी. वत्स उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में मिग-21 व रिकॉइललेस लॉन्चर का अनावरण भी किया।

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), यूथ रेडक्रॉस, नेशनल केडेट कोर (एनसीसी) व शिक्षा पीठ के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जर्नल डॉ. डी. पी. वत्स ने विद्यार्थियों, शोधार्थियों, एनसीसी केडेट्स व शिक्षकों को संबोधित करते हुए तनाव प्रबंधन के विषय में जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तनाव से बचकर ही एक युवा जिम्मेदार नागरिक बन सकता है और समाज व देश के काम आ सकता है। उन्होंने अपने संबोधन में काम, क्रोध, मद, लोभ से इतर चुनौतियों को अवसर में बदलकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय में भारतीय संसद में जम्मू-कश्मीर के संदर्भ 22 फरवरी, 1994 में पारित प्रस्ताव का स्मरण करते हुए आयोजित संकल्प दिवस के कार्यक्रम में मंच का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. दिनेश चहल ने किया।

### MIG 21 and Recoilless Launcher unveiled at CUH on 'Sankalp Diwas'

**CUH, Feb 22, 2024**

A special event was organised on the occasion of Sankalp Diwas at Central University of Haryana, Mahendergarh. At the event, organised under the guidance of the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, Rajya Sabha member and the retired Lieutenant General Dr D.P. Vats was present as the chief guest. Dr Vats unveiled a MiG-21 and a recoilless launcher on the university campus.

The programme was organised by the joint efforts of the National Service Scheme (NSS), Youth Red Cross, National Cadet Corps (NCC), and the School of Education. In his speech, Dr Vats encouraged the audience to turn challenges into opportunities and to move forward by steering clear of lust, anger, pride, and greed. Dr Vats urged the students to maintain a positive outlook and avoid extremism at all levels. He also motivated them to seek quality education and better health, highlighting that it's time for India to establish a strong presence on the global stage. He acknowledged the efforts of the central government and stated that opportunities are abundant as long as individuals do not shy away from challenges.

The "Sankalp Diwas" programme, held to commemorate the resolution passed by the Indian Parliament on February 22, 1994, concerning Jammu and Kashmir, was conducted by Prof Dinesh Chahal from the Department of Teacher Education.

### 4.5 अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में हकेवि में कार्यक्रम आयोजित

**CUH, Feb 23, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेन्द्रगढ़ में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मातृभाषा के महत्त्व व मातृभाषा दिवस के आयोजन से संबंधित इतिहास से अवगत कराया और बताया कि किस तरह से मातृभाषा हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक व देश के विकास के साथ-साथ मानवीय पहचान को सुरक्षित करने में मददगार है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में मातृभाषा की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है।

### International Mother Tongue Day celebrated at CUH

**CUH, Feb 23, 2024**

On the occasion of International Mother Tongue Day, the Department of Teacher Education at the Central University of Haryana, Mahendergarh, organized an expert lecture. The event was graced by the presence of the Vice-Chancellor of the university. Addressing the participants, the Vice-Chancellor emphasized upon the importance of the mother tongue and discussed the history related to the observance of Mother Tongue Day. He highlighted how the mother tongue plays a crucial role in preserving our social, cultural, and national identity, as well as contributing to the development of the country. He stressed that while the use of the English language may be necessary, it is crucial to embrace and move forward with the mother tongue to fulfil the vision of a developed India.

### 4.6 राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने किया हकेवि के स्टॉल का भ्रमण

**CUH, Feb 25, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में तीन दिवसीय 40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद हरियाणा के माननीय राज्यपाल श्री बंडारु दत्तात्रेय ने प्रदर्शनी पंडाल संख्या दो में लगे हकेवि के स्टॉल का भी भ्रमण किया। माननीय राज्यपाल के साथ कृषि मंत्री श्री जेपी दलाल, विधायक श्री सीताराम, लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार भी उपस्थित रहे।

40वीं राज्य पशुधन प्रदर्शनी के दूसरे दिन रविवार को इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय मीरपुर के कुलपति प्रो. जे.पी. यादव, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.पी. बंसल, जिला उपायुक्त सुश्री मोनिका गुप्ता, गौसेवा आयोग के अध्यक्ष श्री धर्मवीर गर्ग तथा उपाध्यक्ष श्री जगदीश ने भी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्टॉल का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राज्यपाल महोदय ने स्टॉल का भ्रमण करते हुए विश्वविद्यालय की स्टॉल पर उपलब्ध विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली और विश्वविद्यालय की प्रगति पर हर्ष व्यक्त किया। विश्वविद्यालय इस स्टॉल के माध्यम से अपने उपलब्धियों नवाचार, अनुसंधान, पेटेंट व उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचा रहा है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन केंद्र द्वारा बनाई गई बर्तन बार व केचुआ खाद व विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग द्वारा निर्मित फर्टिलाइजर व पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा निर्मित कचरी आधारित पेय पदार्थ, जैम, पिन्नी, पाचक पेय पदार्थ, विटामिन डी आधारित कुकीज का प्रदर्शन किया गया है।

### Governor Shri Bandaru Dattatreya visits CUH Stall in the 40th State Livestock Exhibition

**CUH, Feb 25, 2024**

Following the inauguration of the three-day 40th State Livestock Exhibition at the Central University of Haryana, Mahendergarh, the Honourable Governor of Haryana, Shri Bandaru Dattatreya, visited the CUH Stall in Exhibition Pavilion No. 2. Accompanying the Governor were Agricultural Minister Shri JP Dalal, MLA Shri Sitaram, Vice-Chancellor of Lala Lajpat Rai University of Veterinary & Animal Sciences (LUVAS), Hisar, Dr Vinod Kumar Verma, and Vice-Chancellor of CUH, Prof Tankeshwar Kumar.

On the second day of the 40th State Livestock Exhibition, several dignitaries, including Prof J.P. Yadav, Vice-Chancellor of Indira Gandhi University, Mirpur; Prof S.P. Bansal, Vice-Chancellor of Central University of Himachal Pradesh; District Deputy Commissioner Ms Monika Gupta; Chairman of the Gau Seva Commission Shri Dharmveer Garg; and Vice-Chairman Shri Jagdish, visited the CUH stall. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, mentioned that the Honourable Governor, during his visit to the stall, gathered information about the various products on display and expressed his happiness over the progress of the university. Through this stall, the university showcased its achievements, innovations, research, patents, and accomplishments to the general public. Additionally, the university presented eco-friendly products, such as utensil bars and vermicompost, developed by the Innovation and Incubation Cell. The Microbiology Department's fertilizers and the Nutrition Biology Department's kachri-based beverages, jams, phinis, digestive drinks, and vitamin D-enriched cookies were also on display.

Prof Surendra Singh, Prof Kanti Prakash, Dr Neelam, Shailendra Singh, Dr Kheraj, Dr Ashish Kumar Dhawan, Dr Ajaypal, Dr Anita Kumari, and other staff members actively participated in the university's stall.

### 4.7 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन हब-साइंस गैलरी की हुई शुरुआत

**CUH, March 05, 2024**

'विज्ञान सभी के लिए: खेले, आनंद लें और सीखें' के उद्देश्य से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को इनोवेशन हब-सीयूएच साइंस गलरी की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय में यह गैलरी भारतीय भौतिकी शिक्षक परिवार (आईएपीटी), सीडीपीई, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर व सेंटर फोर इनोवेशन इन साइंस टीचिंग सीआईएसटी, आईआईएस, जयपुर के सहयोग से शुरू की गई है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक खंड के भूतल में स्थापित

इस गैलरी के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वीजेयू जयपुर के पूर्व कुलपति व सीआईएसटी, आईआईएस जयपुर के निदेशक प्रो. वाईके विजय उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। यह कार्यक्रम भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के संयोजन में संपन्न हुआ।

हकेवि परिसर में साइंस गैलरी की शुरुआत करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. वाईके विजय ने कहा कि विज्ञान हम सभी के जीवन का अभिन्न अंग है और दैनिक जीवन से लेकर उल्लेखनीय खोज तक युवा पीढ़ी का ध्यान आकर्षित करने और उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के प्रयास बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस गैलरी के माध्यम से आंगतुकों को खेल- खेल में आंनद लेते हुए विज्ञान के व्यावहारिक ज्ञान को जानने व समझने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस मौके पर कहा कि आज ही नहीं बल्कि पुरातन काल से ही विज्ञान के सिद्धांत हमारे जीवन में विद्यमान रहे हैं। छोटे-छोटे उदाहरणों व व्यावहारिक मॉडल्स केमाध्यम से हम विज्ञान के गूढ़ ज्ञान को सहज ही समझ सकते हैं। इस प्रयास के माध्यम से ऐसी ही कौशिश की गई है। कुलपति ने इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुआ कहा कि उनके सहयोग से ही यह गैलरी स्थापित हो सकी है।

## Innovation and Hub-Science Gallery established at CUH

**CUH, March 05, 2024**

With the aim of "Science for All: Play, Enjoy and Learn", an Innovation Hub Science Gallery was established on Tuesday at the Central University of Haryana, Mahendergarh. This gallery was established at the university with the collaboration of the Indian Association of Physics Teachers, CDPI, Rajasthan University, Jaipur, and the Centre for Innovation in Science Teaching (CIST), IIS Jaipur. During the inauguration of the gallery, established on the ground floor of the administration block of the university, the chief guest the former Vice-Chancellor of VJU Jaipur and the director of CIST, IIS Jaipur, Prof Y.K. Vijay was present. The event was presided over by the Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar. Prof Sunita Srivastava, the head of the Department of Physics and Astronomy, was the convenor of the event.

While inaugurating the gallery at the university campus, the chief guest, Prof Y.K. Vijay said that science is an integral part of our lives and from daily activities to remarkable discoveries, efforts like these are crucial to attract the attention of the younger generations and encourage them towards innovation. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, emphasised that through small examples and practical models, we can easily understand the complex knowledge of science. He also mentioned that this gallery will be available for visits not only to university students but also to children from local villages.

The event coordinator, Prof Sunita Srivastav, stated that the science gallery would play a supportive role in connecting students with science and helping them understand its practical aspects with factual accuracy. She expressed her gratitude to the Indian Association of Physics Teachers (IAPT), CDPE, Rajasthan University, Jaipur, and the Centre for Innovation in Science Teaching (CIST), IIS, Jaipur, for their assistance in starting this gallery.

## 4.8 हकेवि में केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार का हुआ भूमि पूजन

**CUH, March 07, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस केंद्रीय पुस्तकालय व सभागार के निर्माण कार्य का भूमि पूजन गुरुवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव के कर कमलों से संपन्न हुआ। भारतीय परम्परा के अनुसार कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय व केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की मौजूदगी में इस निर्माण कार्य की शुरुआत में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने भी योगदान दिया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि ये दोनों ही भवन विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के सफलतापूर्वक निष्पादन में सहयोगी होंगे। विश्वविद्यालय के आधारभूत संरचना अनुभाग के कार्यकारी अभियंता श्री अमरजीत सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने जा रहे केंद्रीय पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य पर अनुमानित 34.25 करोड़ रूपए खर्च होंगे। लगभग 5 हजार वर्ग मीटर में बनने वाले

इस केंद्रीय पुस्तकालय भवन में भूतल सहित दो मंजिलों का निर्माण किया जाएगा। यह भवन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन व ऊर्जा दक्षता के मानकों के साथ पुस्तकालय के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस भवन में भूतल व प्रथम तल पर 800 उपयोगकर्ताओं हेतु अध्ययनकक्ष की सुविधा उपलब्ध होगी। इस भवन में 100 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाला मिनी सेमिनार हॉल/कांफ्रेंस रूम उपलब्ध कराया जाएगा। इस भवन में रेफरेंस सेक्शन, फोटोकॉपी की सुविधा सहित स्टेशनरी शॉप, मिटिंग रूम, डिजिटल लाइब्रेरी व लैब के साथ-साथ बैठक, साामजिक मेलजोल, आपसी साझेदारी सुनिश्चित करने हेतु भी विशेष रूप से स्थान उपलब्ध रहेगा। नए पुस्तकालय भवन में मिनी कैंटिन की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इसी क्रम में 3600 वर्गमीटर में नए सभागार का निर्माण होने जा रहा है। 'वी आकार' में निर्मित होने वाले इस सभागार में 1200 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले इस भवन के निर्माण में लगभग 37.77 करोड़ की लागत आने की संभावना है। हकेवि में निर्मित होने वाले नए सभागार में मुख्य स्टेज पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखने की सुविधा वाले दो ग्रीन रूम की व्यवस्था होगी। सभागार में रिहर्सल के लिए दो कमरे, पूरे तल पर अग्निरोध ी कारपेटिंग, प्रोजेक्टर कंट्रोल रूम, अतिथि के लिए अलग से कक्ष की व्यवस्था, अति विशिष्ठ अतिथियों हेतु जलपान गृह की सुविधा के साथ वीवीआईपी लाउंज, पोस्टर प्रदर्शनियों आदि हेतु हॉल, अग्मिशमन प्रणाली, ऑटोमेटिक जनरेटर, 100-100 की क्षमता वाले दो सेमिनार हॉल, 200 की क्षमता वाला एक सेमिनार हॉल की सुविधा उपलब्ध होगी। सभागार वातानुकूलित, वाईवाई सुविधा से लैस होगा। सभागार के भवन का निर्माण दिव्यांगजन की सुविधा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। निर्धारित कार्ययोजना के अंतर्गत पुस्तकालय भवन व सभागार दोनों का निर्माण कार्य लगभग 27 महीनों में पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

## Foundation stone laying ceremony of Central Library and Auditorium at CUH

**CUH, March 07, 2024**

The foundation stone laying ceremony for the construction work of the Central Library and Auditorium, equipped with high-tech facilities, was done at the Central University of Haryana, Mahendergarh, by the Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar and the first lady of the university, Prof Sunita Shrivastava. The Vice-Chancellor along with the officers of the university and Central Public Works Development started the construction work according to the Indian Tradition. On this occasion, the Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav and the Registrar Prof Sunil Kumar also contributed. The Vice-Chancellor said that both these buildings will be useful in the successful execution of educational and cultural activities.

The Executive Engineer of the Infrastructure Section of the University, Mr Amarjeet Singh explained that an estimated 34.25 crores rupees will be spent on the construction work of the Central Library building. There will be two floors including the ground floor of the building. On the ground and first floor of the building, there will be reading rooms with a capacity of around 800 users. The building will also include a mini-seminar hall/conference room with a capacity of 100 users. Additional facilities will include a reference section, photocopying services, a stationary shop, a meeting room, a digital library, and a lab. There will also be dedicated spaces for meetings, social gatherings, and collaboration. The new library building will feature a mini-canteen as well.

In this sequence, a new auditorium spanning 3600 square meters is also being constructed. The V-shaped auditorium will have a seating capacity of 1200 people and is estimated to cost approximately 37.77 crores. The new auditorium will feature two green rooms with live broadcast capabilities for programs held on the main stage. There will be two rehearsal rooms, fire-resistant carpeting, a project control room, a guest room, a VIP lounge, a hall for poster exhibitions, fire-fighting systems, automatic generators, two seminar halls with a capacity of 100 each, a seminar hall with a capacity of 200. The auditorium will be air-conditioned and equipped with Wi-Fi. The building is designed to be accessible to people with disabilities.

The construction of the buildings of central library and auditorium is expected to be completed within approximately 27 months as per planned schedule.

# 5. Invited Lectures

## 5.1 अनुवाद की महत्ता और भविष्य पर हकेवि में व्याख्यानमाला आरंभ

**CUH, Jan 30, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार से हिंदी विभाग द्वारा अनुवाद की महत्ता और भविष्य में अनुवाद की संभावनाओं विषय पर आधारित दो दिवसीय व्याख्यानमाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय में आयोजित इस व्याख्यानमाला के पहले दिन 'ज्ञान अनुशासन के रूप में अनुवाद की वर्तमान स्थिति और भविष्य' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल की विशिष्ट उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के संयोजक व विभाग के अध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व सम कुलपति प्रो. सुषमा यादव के मार्गदर्शन में आयोजित इस व्याख्यानमाला के माध्यम से अनुवाद को एक स्वतंत्र ज्ञानानुशासन के रूप प्रतिस्थापित करने का प्रयास किया गया है। मुख्य वक्ता का परिचय प्रो. बीरपाल ने प्रस्तुत किया। अपने व्याख्यान में प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल ने कहा कि अनुवाद अपने आप में एक प्रायौगिक ज्ञान है, मानव जीवन को बेहतर बनाने में हम इसका प्रयोग कर सकते हैं। भारत में अनुवाद की परंपरा पर चर्चा करते हुए मुख्य वक्ता ने कहा कि बीसवीं सदी से पूर्व भारत में अनुवाद एक स्वैच्छिक गतिविधि के रूप में प्रयुक्त होता था जो केवल धर्म और नीतिशास्त्रों के अनुवाद तक सीमित था। स्वतंत्रता के बाद भी बहुत समय तक अनुवाद केवल साहित्य केंद्रित ही रहा। अनुवाद की महत्ता प्रतिपादित करते हुए उन्होंने कहा कि दो अनुशासनों के बीच सेतु का कार्य करने की जितनी अभिक्षमता अनुवाद में है वह अन्य किसी अनुशासन में नहीं है। एक अच्छा अनुवादक निश्चय ही एक अच्छा इंसान होता है, क्योंकि जो साहित्य के मर्म को समझता है वह क्रूर और हिंसक तो नहीं हो सकता और इसी भावना का विस्तार हमें अनुवाद में भी मिलता है।

## Lecture series on "Importance of Translation and Its Future Prospects" at CUH

**CUH, Jan 30, 2024**

The Department of Hindi at the Central University of Haryana, Mahendergarh, inaugurated a two-day lecture series on Tuesday, focusing on the theme "Importance of Translation and Its Future Prospects". On the first day of this event, Prof Hanuman Prasad Shukla was the keynote speaker, addressing the topic "The Current State and Future of Translation as a Discipline of Knowledge". The coordinator of the programme and Head of the Department of Hindi, Prof Birpal Singh, shared that this lecture series was organised under the guidance of the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar and Pro Vice-Chancellor, Prof Sushma Yadav. The series aims to establish translation as an independent discipline of knowledge.

In his lecture, Prof Shukla emphasised that translation is a practical field of knowledge that can be used to improve human life. Discussing the tradition of translation in India, he noted that before the 20th century, translation was primarily a voluntary activity limited to religious texts and ethical scriptures. Even after independence, translation remained largely focused on literature for a long time. Highlighting the significance of translation, he stated that translation has a unique ability to act as a bridge between two disciplines, an attribute unmatched by any other field. He highlighted that the National Education Policy 2020 emphasises the upliftment of Indian languages, which makes the future of translation even brighter. The programme also saw the participation of coordinators Dr Kamlesh Kumari, Dr Kamaraj Sindhu, Dr Arvind Singh Tejawat, Dr Amit Kumar, Dr Sidharth Shanker Rai, and Dr Reena Swami.

## 5.2 हकेवि में विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

**CUH, Feb 03, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय के गांधी अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ. राजेश कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में राजनीतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण व विशेषज्ञ वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता ने युवा और विकसित भारत का दृष्टिकोण / 2047 पर विस्तृत विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्र के विकास में युवा शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।युवाओं की सफल भागीदारी एवं नए-नए विचारों ने राष्ट्र के निर्माण में अपना सर्वोच्च दिया है तथा अपने-अपने क्षेत्र में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मूल-मंत्र विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के द्वारा राष्ट्र को प्रगति के पद पर अग्रसर कर रहे हैं। जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण भारत का आदित्य एल-1 मिशन, चंद्रयान-3, शक्तिशाली अर्थव्यवस्था है।

## Expert lecture organised by the Department of Political Science, CUH

**CUH, Feb 03, 2024**

The Department of Political Science, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a one-day expert lecture. The Director of the Gandhian Study Centre at Rajasthan University, Dr Rajesh Kumar Sharma was present as the chief speaker of the lecture. Dr. Sharma elaborated on the vision of a "Young and Developed Indian at 2047" by emphasising the crucial role of youth in national development. He stressed that the successful participation and innovative ideas of the youth have significantly contributed to nation-building and are guiding the country towards progress with the principles of a developed and self-reliant India as advocated by the Prime Minister.

## 5.3 हकेवि में भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

**CUH, Feb 9, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला के अंतर्गत 'भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में हकेवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित करने के लिए विभाग को बधाई दी।

विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि 'भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका' से अभिप्राय भारतीय भाषाओं में व्याप्त विविधता से है। भाषा और मीडिया का संबंध बहुत ही व्यापक है। ये दोनों ही एक दूसरे को समृद्ध करने का कार्य करते हैं, भाषा तभी समृद्ध होती है जब वह व्यवहार में आती है। लोग ही भाषा को व्यवहार में लाकर उसे जीवंत बनाते हैं।

## Expert lecture on "The Role of Media in Promoting and Disseminating Indian Languages" organised by the Department of Hindi

**CUH, Feb 09, 2024**

As part of the lecture series organised by the Department of Hindi, Central University of Haryana, Mahendergarh, an expert lecture on the topic "The Role of Media in Promoting and Disseminating Indian Languages" was conducted. Dr Ashok Kumar, the head of the Department of Journalism and Mass Communication, CUH, was present as the expert speaker of the lecture. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar congratulated the department for organizing the expert lacture.

Dr Ashok Kumar explained that the topic "The Role of Media in Promoting and Disseminating Indian Languages" refers to the diversity prevalent in Indian languages. The relationship between language and media is extensive. Both enrich each other. The increasing use of local languages has led to more job opportunities in the media and has also resulted in the growth of regional channels.

## 5.4 एनसीसी के द्वारा राष्ट्रीय महिला दिवस पर व्याख्यान आयोजित

**CUH, Feb 14, 2024**

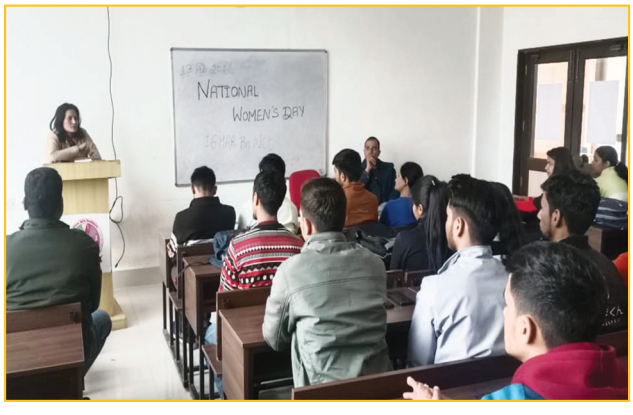

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) ईकाई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप संस्कृत विभाग में सहायक आचार्य डॉ. सुमन ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने इस अवसर पर प्रतिभागियों से मुख्य वक्ता का परिचय भी कराया। उन्होंने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रेरणा व मार्गदर्शन से ही विश्वविद्यालय में यह आयोजन संभव हो सका है। अपने संबोधन में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. सुमन ने सर्वप्रथम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस और राष्ट्रीय महिला दिवस में अंतर को स्पष्ट करते हुए प्रतिभागियों को इन दोनो ही महत्वपूर्ण दिवसों के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया।

## Lecture Organised by National Cadet Corps on National Women's Day

**CUH, Feb 14, 2024**

A special lecture was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh, to commemorate National Women's Day. The event, conducted by the National Cadet Corps (NCC) Unit of the university, presented Dr Suman, Assistant Professor in the Department of Sanskrit, as the guest speaker, who addressed the participants. The programme began with a welcome speech delivered by Dr Ramesh Kumar, the NCC Officer of the university.

In her address, Dr Suman first clarified the difference between International Women's Day and National Women's Day, informing participants about the historical significance of both these important days. She discussed how women enjoyed a position of great respect and dignity in ancient Indian civilisation and how continuous efforts at both societal and national levels were being made to restore the esteemed status that women once held. Dr Suman emphasised the importance of the ongoing efforts towards education, health, employment, and women's empowerment in this direction.

## 5.5 हकेवि में 'हिंदी की व्यावसायिकता और रोजगार' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

**CUH, Feb 21, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग में 'हिंदी की व्यावसायिकता और रोजगार' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति और मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस आयोजन से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा के संचार में मदद मिलेगी। साथ ही संरक्षक प्रो. सुषमा यादव ने हिंदी में नए रोजगार की संभावनाएं व्यक्त की। आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सहायक आचार्य डॉ. संदीप कुमार वर्मा विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. संदीप कुमार वर्मा ने बताया कि भारतीय संविधान द्वारा खड़ी बोली को राजभाषा स्वीकार किए जाने के साथ हिंदी का परंपरागत स्वरूप और अध्ययन व्यावहारिक हो गया है। हर जीवित भाषा में वैज्ञानिक, तकनीकी और उद्यमिता की संभावनाएं होती हैं, उसकी प्रयोजनीयता की भी संभावनाएं होती हैं।

इससे पूर्व हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में विषय की गंभीरता को स्पष्ट करते हुए कहा कि जब भी भाषा का विस्तार और विकास होता है, तब उसमें एक दृष्टि और जुड़ जाती है और वह है रोजगार की संभावना। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने विषय के बारे में बताते हुए कहा कि संचार-सूचना प्रौद्योगिकी में दिनों-दिन बढ़ रही हिंदी की उपयोगिता और अनिवार्यता अधिक से अधिक कार्य-सक्षम युवाओं को रोजगार दिला रही है। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रियंका तथा मुख्य वक्ता का परिचय शोधार्थी दिनेश ने दिया। कार्यक्रम के अंत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर डॉ. रीना स्वामी, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

## Expert Lecture on "Commercialization and Employment of Hindi" organised at CUH

**CUH, Feb 21, 2024**

An expert lecture on the topic "Commercialization and Employment of Hindi" was organised by the Department of Hindi at the Central University of Haryana, Mahendergarh. On this occasion, the Vice-Chancellor of the university and the Chief Patron, Prof Tankeshwar Kumar, stated that this event would help to instil new energy among students. Additionally, the Pro Vice-Chancellor of the university and Patron, Prof Sushma Yada expressed possibilities for new employment opportunities in Hindi. Dr Sandeep Kumar Verma, Assistant Professor at the International Hindi University, Wardha, was present as an expert at the event.

Dr Verma, in his speech, explained that with the recognition of Khadi Boli as the official language by the Indian Constitution, the traditional form of Hindi and its study have become practical. Every living language has the potential for scientific, technological, and entrepreneurial opportunities, as well as practical utility. Earlier, Prof Birpal Singh Yadav, Head of the Department of Hindi,

in his presidential address, emphasised the seriousness of the subject by stating that whenever a language expands and develops, it also brings a perspective of employment opportunities with it. Dr Karaj Sindhu, the coordinator of the event, highlighted the topic by saying that the increasing utility and necessity of Hindi in communication and information technology are providing more and more capable youth with employment. The event was anchored by Priyanka, and the introduction of the keynote speaker was presented by research scholar Dinesh. At the end of the programme, Dr Amit Kumar, Assistant Professor of the Department of Hindi, delivered a vote of thanks. Dr Reena Swami, Dr Sidharth Shanker Rai, students, and researchers were present on this occasion.

### 5.6 हकेवि में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशेषज्ञ व्याख्यान व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

**CUH, Feb 28, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में डॉ. सी.वी. रमन की याद में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर बुधवार को दो विशेषज्ञ व्याख्यानों का आयोजन किया गया। 'विकसित भारत के लिए भारतीय तकनीक' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर के प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक और सीएसआईआर नेशनल फिजिकल लेबोरेट्री, नई दिल्ली के प्रो. अमित्व सेन गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. चेतन प्रकाश कौशिक ने सतत विकास में न्यूक्लियर साइंस और तकनीक के स्तर पर उपलब्ध संभावनाओं की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंतःविषय अनुसंधान की ओर बढ़ाने और युवाओं को विकसित भारत के निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित किया। दूसरे विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अमित्व सेन गुप्ता ने एक्सप्लोरिंग अंटार्कटिकाः ए जर्नी टू द व्हाइट कोंटिनेंट विषय पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने अंटार्कटिका की विशेषताओं और इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने अंटार्कटिका का पहले भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल के सदस्य के रूप में दौरा किया था। उन्होंने बताया कि उसके बाद जाने वाले एक अभियान दल का उन्होंने नेतृत्व भी किया था।

इससे पूर्व में विज्ञान दिवस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. ए.के. यादव ने स्वागत करते हुए बताया कि इस आयोजन में वंडर ऑफ इनोवेशन के अंतर्गत 220 पंजीकरण, क्विज प्रतियोगिता के लिए 100, भाषण प्रतियोगिता के लिए 150 और पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए 80 पंजीकरण हुए। उन्होंने बताया कि आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों व स्थानीय स्कूलों के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्पीच, पोस्टर, पेंटिंग, क्विज प्रतियोगिताओं सहित वंडर ऑफ इनोवेशन, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और वर्किंग मॉडल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय 94 विजेताओं को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. हरीश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

### Special lecture organised on the occasion of National Science Day at CUH

**CUH, Feb 28, 2024**

On the occasion of National Science Day, celebrated at the Central University of Haryana, Mahendergarh, two expert lectures were organised on Wednesday. The theme of the event was "Indian Technology for a Developed India". Prof Chetan Prakash Kaushik from Bhabha Atomic Research Centre and Prof Amitabh Sen Gupta from CSIR National Physical Laboratory, New Delhi, were present as the experts. The event was presided over by the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar. The first lady of the university, Prof Sunita Srivastava, was also present on this occasion.

Expert speaker, Prof Chetan Prakash Kaushik highlighted the possibilities and challenges of nuclear science and technology in sustainable development. He encouraged interdisciplinary research and stressed on the importance of using nuclear energy for the nation's progress and prosperity.

The second expert speaker, Prof Amitabh Sen Gupta, spoke extensively on the topic "Exploring Antarctica: A Journey to the White Continent." Discussing the features and history of Antarctica, he mentioned that he had visited

as a member of India's first scientific expedition team to Antarctica and had led a subsequent expedition. Prof Gupta shed light on the lives of living creatures, including penguins and Antarctic krill, on the continent. He stated that studying Antarctica is crucial because it plays a significant role in various scientific fields, including meteorology, geology, glaciology, atmospheric science, astronomy, astrophysics, and human and marine biology.

Earlier, Prof AK Yadav, the coordinator of the event, welcomed everyone and shared that the event received 220 registrations under the "Wonder of Innovation", 100 for the quiz competition, 150 for the speech competition, and 80 for the painting competition. He mentioned that students, researchers, teachers from the university and students and teachers from local schools participated enthusiastically and performed remarkably. At the end of the programme, 94 winners were awarded in speech, poster, painting, quiz competitions, and categories like Wonder of Innovation, Best out of Waste, and Working Model competitions organised by the university. The programme concluded with a vote of thanks presented by Prof Harish Kumar.

### 5.7 हकेवि में वाणिज्य विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन

**CUH, Feb 28, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के वाणिज्य विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में 'गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय' के प्रो. वी.के. सिंह ने वाणिज्य और प्रबंधन विमर्श के अनुसंधान में मान्यता और विवेक पर एक व्याख्यान दिया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए सह-शैक्षिक गतिविधियों का आयोजन समय-समय पर किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत में व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रंजन अनेजा ने विशेषज्ञ वक्ता का स्वागत किया। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. वी.के. सिंह ने अनुसंधान निष्कर्षों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने हेतु कठोर पद्धतियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अनुसंधान में विवेक के मुद्दे पर चर्चा की व उन पक्षों पर प्रकाश डाला जो परिणामों को विकृत कर सकते हैं और निष्पक्ष विश्लेषण में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं।

### Expert lecture organised by the Department of Commerce at CUH

**CUH, Feb 28, 2024**

The Department of Commerce, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised an expert lecture in which Prof VK Singh from Gurukul Kangri University delivered a lecture on "Recognition and Discernment in Research in the Discourse of Commerce and Management". Under the guidance of the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, co-curricular activities are regularly organised for the holistic development of students.

During the event, expert speaker Prof VK Singh emphasised the importance of rigorous methodologies to ensure the reliability of research findings. He discussed the issue of discernment in research and highlighted aspects that can distort results and hinder unbiased analysis. In his lecture, he advocated for an inclusive and impartial approach, stressing the need to identify and mitigate any discriminatory factors that may arise during the research process.

### 5.8 हकेवि में संस्कृत विभाग द्वारा 'तुलसी और वाल्मीकि साहित्य में राम' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन

**CUH, March 06, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के संस्कृत विभाग द्वारा 'तुलसी और वाल्मीकि साहित्य में राम' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति व कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संदेश के माध्यम से संस्कृत विभाग को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राम एक विचार है जो भारतीय संस्कृति व सभ्यता का संवाहक है। प्रत्येक नागरिकों को श्रीराम की तरह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने संदेश में कहा कि हम सभी ही नहीं अपितु वर्तमान समय में पूरा विश्व राम रूपी विचार-धारा से पोषित हो रहा है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार, अधिष्ठाता, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए विभाग को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विभाग के विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के ज्ञानवर्धन के लिए आवश्यक है। विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की सह-आचार्य व कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. कमलेश कुमारी ने अपने वक्तव्य में बताया कि तुलसीदास ने राम को अवतार के रूप में स्वीकार किया है जबकि वाल्मीकि ने इन्हें एक श्रेष्ठ एवं सभ्य पुरुष के रूप में उकेरा है।

## Department of Sanskrit organised lecture on "Ram in the Literature of Tulsi and Valmiki"

**CUH, March 06, 2024**

The Department of Sanskrit, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a detailed lecture on the topic "Ram in the Literature of Tulsi and Valmiki". The Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar, extended his congratulations to the department through a message and said that Ram is an idea that embodies and preserves the Indian culture and civilisation. Every citizen should fulfil their duties just like Lord Ram. The Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav, through a message, said that not only us but the entire world is being nurtured by the ideology embodied by Lord Ram in today's time.

The programme Chief Prof Sanjiv Kumar, Dean of the Faculty of Humanities and Social Sciences, appreciated and congratulated the department for organising the event. He stated that such programmes are essential for the enrichment of knowledge for students and researchers. Dr Kamlesh Kumari, Associate Professor of the Department of Hindi and the chief speaker of the event, explained how Tulsidas accepted Ram as an incarnation, while Valmiki portrayed him as a noble and civilised man. She elaborated on the various interpretations of Ram's character in different versions of the *Ramayana*, emphasising that Ram represents an eternal tradition and that the entire world takes pride in this tradition.

## 5.9 हकेवि में महिला लेखन की चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान आयोजित

**CUH, March 06, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग द्वारा बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर महिला लेखन की चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति और कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि स्त्री लेखन एक सामाजिक सच्चाई और अस्मिता के संघर्ष की चुनौती के रूप में सामने आता है। यह स्त्री के अपने नजरिए से स्त्री लेखन का नया पाठ है। विश्वविद्यालय की समकुलपति एवं कार्यक्रम की संरक्षक प्रो. सुषमा यादव ने सभी को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अनीता कपूर ने कहा कि औरत के साथ शुरू से ही यह त्रासदी रही कि इस पुरुष प्रधान समाज ने उसके लिए बहुत सी लक्ष्मण रेखाएँ खींच डाली। पिछले कुछ दशक में हिंदी साहित्य में स्त्री लेखन का व्यापक प्रस्फुटन एक अनूठी और ऐतिहासिक घटना है। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व्यवस्था और मूल्यों, मर्यादाओं, आदर्शों और संस्कारों के विभिन्न रूपों के जरिए बड़े बारीक ढंग से इसे समाज की संरचना में बुना गया है। इसके माध्यम से पुरुष को स्त्री की तुलना में श्रेष्ठ स्थापित करने का जो षड्यंत्र रचा गया, उसमें स्त्री शोषण को सहज और स्वाभाविक मान्यता के रूप में समाज के मन-मस्तिष्क में बैठाने की निरंतर कोशिश की गई। महिला-लेखन के केंद्र में स्त्री अस्मिता का संघर्ष, अदम्य जिजीविषा, स्त्री स्वातंत्र्य, देह और यौन उत्पीड़न के प्रति विद्रोह और स्वयं की पहचान के प्रति जागरूकता के साथ सामाजिक पहलुओं से जुड़े यथार्थ को भी देखा गया। इससे पूर्व में कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कामराज सिंधु ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज हिंदी में स्त्री लेखन का साहित्य समृद्ध और पहले की अपेक्षा कहीं अधिक विस्तृत है। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष व कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने कहा कि सभी रूढ़िवादी व्यवस्थाओं और सदियों से चल रहे सुनियोजित शोषण-उत्पीड़न के विरुद्ध विश्व भर के वैचारिक चिंतन में नारीवादी विमर्श ने एक नया आयाम और परिप्रेक्ष्य निर्मित किया।

## Lecture on "Challenges and Opportunities in Women's Writing" organised at CUH

**CUH, March 06, 2024**

On the occasion of International Women's Day, a lecture on the topic "Challenges and Opportunities in Women's Writing" was organised by the Department of Hindi, Central University of Haryana, Mahendergarh. On this occasion, the Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar said in his message that women's writing emerges as both a reflection of social realities and a challenge to struggles over identity. It represents a new narrative of women's perspective on writing. The Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav congratulated everyone on the occasion of International Women's Day.

The chief speaker of the event Dr Anita Kapoor said that from the beginning, women have faced the tragedy of a patriarchal society drawing numerous boundaries for them. The past few decades have witnessed a remarkable and historic emergence of women's writing in Hindi Literature. The literary explosion reflects a deep integration into the societal structure through various forms of social, political, cultural, and economic systems, values, norms, ideals, and traditions. Dr Kapoor stated

that the systemic conspiracy to establish men as superior to women, embedded in societal mindsets, has perpetuated the exploitation of women as a normalised and accepted reality. Women's writing majorly centres around the struggle for female identity, indomitable spirit, female autonomy, rebellion against bodily and sexual oppression and awareness of self-identity. She also addressed the social realities and aspects connected to these issues.

Before this, the coordinator of the event Dr Kamraj Sindhu while presenting the outline of the event said that today women's writing in Hindi is much more enriched and extensive than ever before. The head of the Department of Hindi and the chairperson of the programme Prof Birpal Singh Yadav stated that feminist discourse has created a new dimension and perspective in global intellectual thought against all conservative systems and centuries-old exploitation and oppression.

### 5.10 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा 'मुद्रण मानकों को अपनाने की प्रक्रिया' विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

**CUH, March 11, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग द्वारा 'मुद्रण मानकों को अपनाने की प्रक्रिया' पर आधारित विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। आयोजन में गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय, हिसार के प्रिंटिंग विज्ञान विभाग के प्रो. अंजन कुमार बराल विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। कुलपति ने कहा कि वैश्विक स्तर पर मानकों का विशेष महत्त्व है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन प्रतिभागियों को उद्योग जगत में नए-नए बदलावों को सीखने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजन में विशेषज्ञ वक्ता प्रो. अंजन कुमार बराल ने मुद्रण मानकों को लागू करने की प्रक्रिया पर व्याख्यान देते हुए प्रिंटिंग और पैकेजिंग के क्षेत्र में हो रही प्रगति के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अभी भारत में करीब दो लाख पचास हजार प्रिंटिंग प्रेस है। उन्होंने स्टैंडर्डाइजेशन की उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रिंट उत्पाद को निर्यात करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करना आवश्यक है। इससे पूर्व में प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग विभाग के प्रभारी श्री संदीप बूरा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री सुमन कुमारी ने किया। विभाग के सहायक आचार्य श्री अनिल ने विशेषज्ञ व्याख्यान की सफलता में योगदान देने वाले सहायक आचार्य श्री शम्मी, श्री तरुण सिंह, सुश्री सुमन कुमारी व अन्य संकाय सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

### Expert lecture organised by the Printing and Packaging Department at CUH

**CUH, March 11, 2024**

The Department of Printing and Packaging, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised an expert lecture on the topic 'The Process of Adopting Printing Standards". Prof Anjan Kumar Baral, the head of the Department of Printing and Packaging of Guru Jambheshwar Science and Technical University, was the expert speaker at the event. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, appreciated the department for organising the event. He said that there is a special importance of standards at the global level.

The Head of the School of Engineering and Technology, Prof Phool Singh, stated that such events provide participants the opportunity to learn about new changes in the industry. The expert speaker, Prof Anjan Kumar Baral, while delivering a lecture on implementing printing standards, informed about the advancements in printing and packaging. He mentioned that there are currently around 250,000 printing presses in India. Emphasising the importance of standardisation, he stated that adhering to international standards is essential for exporting printed products to the global market. Before this, the in charge of the Printing and Packaging Department Mr Sandeep Bura delivered a welcome address. Miss Suman Kumari moderated the programme. The assistant professor of the department Mr Anil expressed his gratitude to the assistant professors Mr Shami, Mr Tarun Singh, Miss Suman Kumari, and the other faculty members for their active contribution in organising the programme.

### 5.11 हकेवि में 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अष्टावक्र की गीता' विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

**CUH, March 15, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा 'भारतीय ज्ञान परम्परा एवं अष्टावक्र की गीता' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं समकुलपति प्रो. सुषमा यादव के मार्गदर्शन में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विश्वविद्यालय के कुलानुशासक एवं शिक्षा विभाग के आचार्य नन्दकिशोर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं आयोजन के अध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि आधुनिक समाज के लिए भारतीय संस्कृति को समझने के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा का बोध होना अत्यन्त जरूरी है। आयोजन में मुख्य वक्ता आचार्य नन्दकिशोर ने अपने व्याख्यान में भारतीय ज्ञान परम्परा व अष्टावक्र की गीता में जनक व अष्टावक्र का संवाद विस्तारपूर्वक सांझा किया। उन्होंने वेदों में निहित गुरु-शिष्य परम्परा को भारतीय-ज्ञान-परम्परा का अभिन्न अंग बताया। कार्यक्रम के अंत में संयोजिका एवं संस्कृत विभाग की शिक्षक प्रभारी डॉ. सुमन रानी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अष्टावक्र की गीता में ज्ञान, वैराग्य एवं मुक्ति पर विशेष रूप से विद्यार्थियों का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर मंच का संचालन सहायक आचार्य डॉ. कृष्ण कुमार द्वारा किया गया।

### Expert lecture on "Indian Knowledge Tradition and *Ashtavakra Gita*" organised at CUH

**CUH, March 15, 2024**

An expert lecture on the topic "Indian Knowledge Tradition and *Ashtavakra Gita*" at the Central University of Haryana, Mahendergarh. The programme was organised under the guidance of the Vice-Chancellor of the University Prof Tankeshwar Kumar and the Pro Vice-Chancellor Sushma Yadav. The Chief Administrator of the University and Professor of the Department of Education, Prof Nand Kishor was present as the chief speaker.

The Dean of Academics and the programme chief, Prof Sanjiv Kumar, said that understanding the Indian Knowledge Tradition is essential for comprehending Indian culture in modern society. At the event, Chief Speaker Acharya Nand Kishore elaborated on the dialogue between Janaka and Ashtavakra in the *Ashtavakra Gita* and discussed the Indian Knowledge tradition in depth. He highlighted the Guru-Shishya tradition as an integral part of the Indian knowledge tradition as described in the Vedas. At the end of the programme, Dr Suman Rani, the organiser of the event and the head of the department of Sanskrit, extended gratitude to everyone. Further, she illustrated the themes of knowledge, renunciation, and liberation in the *Ashtavakra Gita*.

## 6. MoUs

### 6.1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

**CUH, Feb 01, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ (हकेवि), महेंद्रगढ़ और भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान नई दिल्ली ने सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इससे आपसी साझेदारी का उद्देश्य वाणिज्य एवं लेखांकन के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा के प्रसार को बढ़ावा देना है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार तथा आईसीएआई की ओर से डॉ. जय कुमार बत्रा ने हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन दोनों संस्थाओं के बीच में सहयोग बढ़ाने में मददगार साबित होगा। समझौता ज्ञापन विद्यार्थियों के प्रशिक्षण, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं के आयोजन, कौशल विकास, अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में पारस्परिक सहयोग से दोनों संस्थाओं को मजबूती प्रदान करेगा। भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान देश का प्रमुख प्रोफेशनल संस्थान है, जो वाणिज्य और लेखांकन के क्षेत्र में पेशेवर दक्षता को बढ़ावा देने में उत्कृष्ट है। दोनों संस्थाओं के बीच हुए एमओयू के संदर्भ में आईसीएआई के अध्यक्ष श्री अनिकेत सुनील तलाटी ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य वाणिज्य के नवीन पाठ्यक्रम के संचालन एवं पाठ्यक्रम निर्माण में वाणिज्य एवं लेखांकन शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. रंजन अनेजा, अधिष्ठाता बिजनेस एंड मैनेजमेंटय डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग तथा आईसीएआई की ओर से आईसीएआई के सचिव डॉ. जय कुमार बत्राय बोर्ड ऑफ स्टडीस के अध्यक्ष सीए विशाल दोषीय उपाध्यक्ष, सीए दयानिवास शर्माय सीए ज्योति बत्रा उपस्थित रहे।

## CUH signed MoU with the Institute of Charter Accountants of India (ICAI)

**CUH, Feb 01, 2024**

The Central University of Haryana, Mahendergarh and the Institute of Charter Accountants India, ICAI, New Delhi have signed an MoU on collaborative research and academic activities. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar said that this partnership will enhance the execution of research and education in Accounting and Commerce. The MoU between ICAI and the Central University of Haryana was signed on 22 January 2024 in the presence of ICAI President CA Aniket Sunil Talati, Secretary CA (Dr) Jai Kumar Batra, CA Vishal Joshi, Chairman of BoS ICAI, CA Dayaniwas Sharma, Vice-Chairman BoS ICAI, Prof Suneel Kumar, Registrar, Prof Ranjan Aneja, Dean of SBMS, and Dr Rajendra Prasad Meena, the Head of the Department of Commerce.

The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar said that this MoU will facilitate the close cooperation and collaboration between the two institutions. It will promote and strengthen research and academic activities of mutual interest including the exchange of students, training and organising national seminars/workshops. Additionally, it will involve sharing knowledge, skills, resources, research and infrastructural facilities.

## 6.2 फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में एनएफएसयू के साथ मिलकर काम करेगा हकेवि

**CUH, March 26, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू), गांधीनगर डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अब मिलकर काम करेंगे। दोनों ही संस्थानों ने इस साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षण और प्रशिक्षण की संभावनाओं में वृद्धि करना है। समझौता ज्ञापन पर प्रोफेसर (डॉ.) एस.ओ. जुनारे, कैंपस निदेशक, एनएफएसयू, गांधीनगर और प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार, कुलपति, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा प्रोफेसर (डॉ.) सतीश कुमार, डीन, स्कूल ऑफ फोरेंसिक साइंस व श्री एसएल शर्मा, उप कुलसचिव, एनएफएसयू की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि यह एमओयू दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग के नई संभावनाओं के विकास व विस्तार में सहयोग प्रदान करेगा। यह एमओयू शिक्षक व विद्यार्थियों के स्तर पर आवश्यक शिक्षण, प्रशिक्षण और राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से ज्ञान व कौशल विकास में मददगार साबित होगा। इस प्रयास के माध्यम से पारस्परिक अनुसंधान व शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा संस्थागत संसाधनों के स्तर पर ढांचागत सुविधाओं का विस्तार भी किया जाएगा। इस साझेदारी के विषय में में एनएफएसयू के कैंपस निदेशक, प्रो. (डॉ.) एस.ओ. जुनारे ने कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के साथ इस साझेदारी के माध्यम से, हमारा लक्ष्य डिजिटल, साइबर और साइक्लोजिकल फोरेंसिक साइंस में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। एनएफएसयू, राष्ट्रीय महत्व का एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो कि फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसी तरह हकेवि भी स्नातक, स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने वाला देश का प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं।

## CUH signed MoU with the National Forensic Science University, Gandhinagar

**CUH, March 26, 2024**

Central University of Haryana, Mahendergarh, and National Forensic Science University (NFSU), Gandhinagar have signed an MoU on the collaboration in Digital, Cyber, and Psychological Forensic Science. The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar said that the aim of this partnership is to enhance the possibilities of research, education, and training in the field of Forensic Science. The MoU was signed by Prof S.O. Junare, the Campus Director of NFSU, and the Vice-Chancellor of CUH, Prof Tankeshwar Kumar in the presence of Prof Satish Kumar, the Dean of the School of Forensic Science and Mr S.L. Sharma, the Deputy Registrar of NFSU.

The Vice-Chancellor of CUH Prof Tankeshwar Kumar said that this MoU will help in developing and expanding new possibilities of mutual cooperation between the two institutions. It will be helpful in the development of knowledge and skill at both teacher and student levels through necessary teaching, training, and organising national seminars and workshops. The Vice-Chancellor said that through these efforts, mutual research and educational activities will be promoted and infrastructure facilities will also be expanded at the level of institutional resources. In the matter of this MoU, the Campus Director of NFSU, Prof (Dr) S.O. Junare said that through this partnership with Central University of Haryana, we aim to enrich the excellence in Digital, Cyber, and Forensic Science.

## 7. National Education Policy

### 7.1 हकेवि में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

**CUH, March 14, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में गुरुवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उच्च शिक्षण संस्थानों का संवर्धन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामाजिक विज्ञान, अनुसंधान एवं विकास परिषद् (आईसीएसएसआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप नागालैंड के राज्यपाल माननीय श्री ला गणेशन ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला व विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

आयोजन में मुख्य अतिथि श्री ला गणेशन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विषय में कहा कि इस नीति में मुख्य रूप से मातृभाषा में शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से सफलता का मार्ग प्रशस्त किया गया है। यह नीति शिक्षा और रोजगारपरकता के बीच के अंतर को खत्म करने वाली है। माननीय राज्यपाल ने इस मौके पर कहा कि यह नीति नवाचार, अनुसंधान के माध्यम से प्रगति व विकास हेतु आवश्यक इको-सिस्टम विकसित कर रचनात्मकता व रोजगार की संभावनाओं को विकसित करने वाली है। उन्होंने अपने संबोधन में इंटरप्रिंयोरशिप के विकास और युवाओं को समस्याओं के निदान कौशल में निपुण बनाने में इस नीति में योगदान पर जोर दिया। श्री गणेशन ने विकसित भारत के निर्माण के लिए भारत के हर बच्चे को शिक्षित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में पुरातन भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण व उसके संवर्धन की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अब समय है कि भारत के भविष्य निर्माण की ओर अग्रसर हों और इस शिक्षा नीति के माध्यम से यह लक्ष्य कठिन नहीं है।

इससे पूर्व में आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. अनिल शुक्ला ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को 21वीं सदी की गीता बताते हुए कहा कि इस शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर से विश्व स्तर पर अपना परचम लहराने के लिए सक्षम होने जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रयास में उनकी भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की ओर बढ़े जो हमारी संस्कृति से जुड़ी हो और विकास के अवसर भी प्रदान करती हो।

### One-Day "Workshop on National Education Policy and Enhancement of Higher Education Institutions" at CUH

**CUH, March 14, 2024**

A one-day workshop on the National Education Policy and the Enhancement of Higher Education Institutions was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh. Organised with the collaboration of the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), the workshop was inaugurated by the chief guest, Shri La Ganeshan, Governor of Nagaland. On this occasion, the Vice-Chancellor of the university Prof Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of Maharshi Dayanand Saraswati University, Prof Anil Shukla, and Pro Vice-Chancellor of CUH, Prof Sushma Yadav honoured the event with their presence.

The chief guest of the event, Shri La Ganeshan said that this policy, through education in the mother tongue and skill development, paves the way for success. It will eradicate the gap between education and employability. The honourable Governor said that this policy aims to develop an ecosystem necessary for progress and development through innovation and research, fostering creativity and employment opportunities. He emphasised upon the contribution of this policy to the development of entrepreneurship and the skill enhancement of youth in problem-solving.

Before this, the distinguished guest Prof Anil Shukla referred to the National Education Policy as the "Gita" of the 21st century, stating that this policy will enable India to once again wave its flag on the global stage. He mentioned the crucial role of teachers in this endeavour, urging them to move towards an education system that is connected to our culture and also provides opportunities for development.

## 8. New Programmes

### 8.1 हकेवि ने वाल्मीकि रामायण पर मूल्यवर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने वाल्मीकि रामायण पर दो-क्रेडिट मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम शुरू किया है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों में रामायण और इसके महत्व की समझ विकसित करने के लिए सामान्य मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम विषम और सम सेमेस्टर में पेश किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले पाठ्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि 'वाल्मीकि रामायण में वैज्ञानिक साक्ष्य' नामक पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा की समृद्धि और प्रासंगिकता के विषय में उन्मुख करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वाल्मीकि रामायण में विभिन्न वैज्ञानिक साक्ष्यों के बारे में संवेदनशील बनाना, और उन्हें विज्ञान, मानविकी और अन्य विषयों के विद्यार्थियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण संदर्भ स्रोत के रूप में शास्त्रीय पाठ से आधुनिक संदर्भ में अवगत कराना है। दो-क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा। खगोलीय संदर्भ युक्त सामग्रीय सांस्कृतिक कलाकृतियों, हथियारों और प्रथाओं का वैज्ञानिक पैटर्नय पारिस्थितिक स्रोतों की वैज्ञानिक प्रासंगिकताय राम सेतु से जुड़े भौगोलिक और वैज्ञानिक साक्ष्यय और इसी तरह के अन्य संदर्भ तथा वर्तमान संदर्भ में रामायण की उपयोगिता स्थापित करना इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं। कुलपति ने कहा कि यह पाठ्यक्रम निश्चित रूप से वैज्ञानिक प्रमाणों में निहित पारंपरिक भारतीय ज्ञान के प्रसार में अभूतपूर्व साबित होगा।

## CUH Launches Value-added Course on Valmiki's *Ramayan*

The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh has launched a two-credit Value-added course on Valmiki's *Ramayan*. The generic value-added course will be offered in odd and even semesters to develop the understanding of *Ramayan* and its significance among the students at the undergraduate and postgraduate levels. Prof. Tankeshwar Kumar, the Vice-Chancellor of the University introduced the course to be conducted by the Department of Physics and Astrophysics. He observed that the course titled "Scientific Evidence in Valmiki *Ramayan*" is a significant breakthrough in the direction of orienting the students about the richness and relevance of Indian knowledge tradition.

Prof. Tankeshwar Kumar remarked that the objective of this course is to sensitise the students about various scientific evidence in Valmiki *Ramayan* and to help them appreciate the classical text as an equally important reference source for the students of sciences, humanities and other disciplines even in the modern context.

# 9. Research and Publications

## 9.1 हकेवि कुलपति ने किया पुस्तक का विमोचन

**CUH, Jan 04, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पर्यावरण अध्ययन विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनूप यादव व डॉ. सुषमाय पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के प्रो. विनोद कुमार गर्ग तथा के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के डॉ. चंद्रमोहन व डॉ. नीरज कुमारी द्वारा संपादित पुस्तक का कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विमोचन किया। 'ग्रीन केमिस्ट्री अप्रोचेज टू एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटीः स्टेटस, चौलेंजेज एंड फ्यूचर पर्सपेक्टिव्स' नामक पुस्तक को एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने खतरनाक दर से घटते प्राकृतिक संसाधनों और कच्चे माल के गंभीर मुद्दे पर प्रकाश डाला। उन्होंने हरित रसायन विज्ञान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों और समकालीन पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में पुस्तक की भूमिका पर प्रकाश डाला। कुलपति ने कहा कि अवश्य ही यह पुस्तक पर्यावरणीय स्थिरता और हरित रसायन विज्ञान के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगी।

इस अवसर पर डॉ. अनूप यादव ने कहा कि यह पुस्तक हरित रसायन विज्ञान के क्षेत्र के विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं और अकादमिक पेशेवरों के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने कहा पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित रसायन विज्ञान दृष्टिकोण मौलिक रासायनिक सिद्धांतों को शामिल करते हुए हरित रसायन विज्ञान के उभरते अनुशासन का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। इस पुस्तक में सतत विकास के लिए आवश्यक जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा व पानी, हवा और मिट्टी में मौजूद प्रदूषकों के निवारण विषयों को सम्मिलति किया गया है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं एसआईएएस की डीन प्रोफेसर नीलम सांगवान, पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, डॉ. अनीता सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. स्मिता और डॉ. सुषमा भी उपस्थित रहीं।

## Book released by Prof. Tankeshwar Kumar

**CUH, Jan 04, 2024**

The book titled "Green Chemistry Approaches to Environmental Sustainability: Status, Challenges, and Future Perspectives," published by Elsevier and edited by Dr Anoop Yadav and Dr Sushma from the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh; Dr Chandra Mohan and Dr Neeraj Kumari from K. R. Mangalam University, Gurugram; and Prof. Vinod Kumar Garg from the Central University of Punjab, Bathinda, was officially launched. The inaugural copy of the book was released by Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the Central University of Haryana. During the book release, Prof. Tankeshwar Kumar highlighted the pressing issue of depleting natural resources and raw materials at an alarming rate. He emphasized that this comprehensive work

delves into the critical realms of green chemistry and its crucial role in addressing contemporary environmental challenges.

The book is particularly relevant for students, researchers and academic professionals engaged in the field of green chemistry. Dr Anoop Yadav emphasized that "Green Chemistry Approaches to Environmental Sustainability" offers a comprehensive overview of the emerging discipline of green chemistry, incorporating fundamental chemical principles. This book includes topics essential for sustainable development, such as biofuels, renewable energies, and mitigation of pollutants present in water, air and soil. On this occasion, Prof. Neelam Sangwan, Dean of Research and SIAS, along with the Head of the Department of Environment Science, Dr Mona Sharma, Dr Anita Singh, Dr Vikram Singh, Dr Smita, and Dr Sushma from the Department of Environmental Studies were also present.

### 9.2 हकेवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया पुस्तक का विमोचन

**CUH, Feb 06, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के शोधार्थी कौशिक दास मालाकार, भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. मनीष कुमारय दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सुभाष आनंद तथा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली की डॉ. ग्लोरिया कुजूर द्वारा लिखित पुस्तक का मंगलवार को विमोचन किया। 'जलवायु परिवर्तन और सामाजिक-पारिस्थितिक परिवर्तनः भेद्यता और स्थिरता' नामक पुस्तक का प्रकाशन सिंप्रगर नेचर, सिंगापुर द्वारा किया गया है। पुस्तक का विमोचन करने के बाद कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने लेखकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पुस्तक नीति नियोजन और प्रबंधन के विभिन्न स्तरों पर योजनाकारों, शोधकर्ताओं, वैज्ञानिक पेशेवरों और विद्यार्थियों के बीच जलवायु परिवर्तन और सामाजिक-पारिस्थितिक स्थिरता के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान और समझ को बढ़ावा देने में अवश्य ही मददगार साबित होगी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने सभी लेखकों को बधाई दी। उन्होंने पुस्तक के महत्वपूर्ण पहलुओं, विशेष रूप से जलवायु संकट के युग में इसकी प्रासंगिकता पर जोर दिया। पुस्तक के लेखक डॉ. मनीष कुमार ने पुस्तक की पहली प्रति कुलपति को भेंट की और पुस्तक में निहित विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ. मनीष कुमार ने सामाजिक-पारिस्थितिक प्रणाली पर जलवायु संकट के प्रभाव के दायरे में समझ और अवसरों पर जोर देते हुए पुस्तक के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

### Book released by the Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar

**CUH, Feb 06, 2024**

The Vice-Chancellor of Central University of Haryana, Mahendergarh, Prof Tankeshwar Kumar released a book titled "Climate Change and Socio-Ecological Transformation: Vulnerability and Sustainability" on Tuesday authored by research scholar of CUH Kaushik Das Malakar, Dr Manish Kumar from the Department of Geography, Prof Subhash Anand from Delhi University and Dr Gloria Kuzur from IGNOU, New Delhi. The book was published by Springer Nature, Singapore. The Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar, while appreciating the authors of the book stated that this book will certainly be helpful in promoting scientific knowledge and understanding of climate change and socio-ecological sustainability among planners, researchers, scientific professionals, and students at various levels of policy planning and management. The University Registrar Prof Sunil Kumar also congratulated all the authors.

## 10. Seminars, Conferences, Workshops, Competitions

### 10.1 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय यूथ रेड क्रॉस प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

**CUH, Jan 21, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से आयोजित पाँच दिवसीय यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया। उन्होंने पाँच दिवसीय शिविर को स्वयंसेवको के लिए महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से अर्जित ज्ञान का लाभ समाज तक पहुँचेगा। शिविर के समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. सुनील कुमार ने कहा कि स्वयंसेवक समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

विश्वविद्यालय की यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने बताया कि पाँच दिवसीय इस प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर में प्राथमिक उपचार के प्रवक्ता टेकचंद यादव व श्रीमती पवित्रा यादव ने रेडक्रॉस के इतिहास, कार्यप्रणाली व सिद्धांतों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। शिविर में प्रतिभागिता करने वाले स्वयंसेवको को प्राथमिक चिकित्सा व सीपीआर का भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रो. चहल ने बताया कि शिविर के दौरान लकी स्टार गेम, एकल नृत्य एवं प्रश्नोत्तरी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। लकी स्टार गेम में जोगेंद्र, प्रिंस, क्षितिज ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए एवं बालिका वर्ग में अलका, पलक तथा विशाखा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। एकल नृत्य एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लवि राघव को प्रथम, कुलदीप को द्वितीय एवं आरती को तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय नारनौल की टीम प्रथम, राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ की टीम द्वितीय तथा राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हानी महेंद्रगढ़ की टीम तृतीय स्थान पर रहीं। इसी क्रम में तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में रोहिणी को प्रथम, अमरदीप कुमार को द्वितीय तथा धीरज को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शिविर के अंतिम दिन सर्वश्रेष्ठ युवा पुरस्कार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ की सुरभि यादव को दिया गया और सर्वश्रेष्ठ परामर्शदाता का पुरस्कार राजकीय महाविद्यालय, महेंद्रगढ़ की श्रीमती पविता को दिया गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के छात्र अमरदीप कुमार एवं क्षितिज को सर्वश्रेष्ठ छात्र समन्वयक का पुरस्कार दिया गया।

## District-level Youth Red Cross Training Camp concluded at CUH

**CUH, Jan 21, 2024**

The five-day Youth Red Cross Training camp, organised with the support of the Indian Red Cross Society at the Central University of Haryana, Mahendergarh, concluded. In the closing session of the camp, University Registrar Prof Sunil Kumar, as the chief guest, stated that volunteers are playing an active role in bringing about positive changes in society.

Prof Dinesh Chahal, the coordinator of the Red Cross Society of the university, informed that various activities were organised during this five-day training camp. In the camp, first aid speaker Tekchand Yadav and Mrs Pavitra Yadav acquainted the participants with the history, functioning, and principles of the Red Cross. The volunteers participating in the camp were also trained in first aid and CPR. Prof Chahal mentioned that during the camp, various competitions like Lucky Star Game, solo dance, and quiz were organised. In the Lucky Star Game, Jogendra, Prince, and Kshitij won the first, second, and third prizes respectively, while in the girls' category, Alka, Palak, and Vishakha, secured the first, second, and third prizes respectively. In the solo dance and quiz competition, Lavi Raghav won first prize, Kuldeep second, and Aarti third. In the quiz competition, the team from Government College, Narnaul, secured first place, the team from Government College, Mahendergarh, second, and the team from Government Women's College, Unhani, Mahendergarh, secured third place. Similarly, in the extempore speech competition, Rohini won the first prize, Amarjeet Kumar second and Dheeraj won the third prize.

On the final day of the camp, the Best Youth Award was given to Surbhi Yadav (M.A. English) from the Central University of Haryana, Mahendergarh, and the Best Advisor Award went to Mrs Pavitra from Government College, Mahendergarh. Amarjeet Kumar and Kshitij, students from CUH were awarded the Best Student Coordinator Award.

## 10.2 हकेवि में विकसित भारत @ 2047 में युवाओं की भूमिका पर गोष्ठी आयोजित

**CUH, Jan 29, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को विकसित भारत एट 2047: युवाओं की भूमिका विषय पर केंद्रित एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त जर्नल वी.के. चतुर्वेदी व प्रो. एच.एन. शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति व आयोजन के मुख्य संरक्षक प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

आयोजन में मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त जर्नल वी.के. चतुर्वेदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत वीरों की धरती है और युवा राष्ट्र है। युवा शक्ति अपनी सकारात्मक ऊर्जा द्वारा भारत को समृद्धि के रास्ते पर अग्रसर कर सकता है।

आयोजन में दूसरे मुख्य वक्ता प्रो. एच.एन. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि 1947 में जो भारत था और इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्रस्तुत किया।

## Seminar on "The Role of Youth in Developed India @2047" organised at CUH

**CUH, Jan 29, 2024**

A one-day seminar focused on the theme "Role of Youth in Developed India @2047" was organised on Monday at the Central University of Haryana, Mahendergarh. The event, hosted by the Office of the Dean of Student Welfare, presented retired General V.K. Chaturvedi and Prof H.N. Sharma as the keynote speakers. The Vice-Chancellor of the university and the event's chief patron, Prof Tankeshwar Kumar emphasised the important role of youth in realizing Prime Minister Narendra Modi's vision of a developed India.

In his address, the keynote speaker, retired General V.K. Chaturvedi, said that India is a land of brave people and is a young nation. The youth's positive energy can lead India towards prosperity. He highlighted that the upcoming period is the Amrit Kaal (A Golden Period), in which the dedication of the youth is crucial. Citing the examples of Swami Vivekanand and Subhash Chandra Bose, he noted that even today, people analyse the meaning of Swamiji's words and how Bose's valour and courage guided the youth.

The other keynote speaker, Prof H.N. Sharma, in his address, mentioned that what India was in 1947 and what it will be in 2047 will be determined by our actions. To reach 2047, we must connect with the villages, learn from our parents, and become aware of our culture and religion.

Earlier, Prof Anand Sharma, Dean of Student Welfare, inaugurated the programme, welcome the keynote speakers, and introduce them. The event was coordinated by Dr Neeraj Karn Singh. The vote of thanks was delivered by Prof Anand Sharma. The seminar saw the participation of various deans, heads of the departments, faculty members, students, and researchers from the university.

## 10.3 सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

**CUH, Jan 30, 2024**

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष आई इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यशाला में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस प्रोजेक्ट का उदेश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। इसी उद्देश्य के साथ सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने हकेवि के संयुक्त तत्वाधान में इस दो दिवसीय कार्यशाला को आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि देश भर में इस अभियान की शुरूआत सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से की है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हो रही इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को निम्न कार्बन उत्सर्जन के लिए समाज व देश को कैसे जागरूक किया जाए इस बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कार्यशाला के संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हमें हकेवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेवारी मिली है यह विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज एवं भारत में आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से हो रही इस कार्यशाला में मौसम विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन व पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विशेषज्ञ पर्यावरण जैसे विषयों पर लेखन एवं रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षत करेंगे।

### Two-day Workshop organised in collaboration with the Centre for Media Studies and Australian High Commission

**CUH, Jan 30, 2024**

Speaking at the inaugural session of a two-day workshop, organised jointly by the Departments of Journalism and Mass Communication and Environmental Studies in collaboration with the Centre for Media Studies and Australian High Commission, Prof Tankeshwar Kumar (VC, CUH) stressed upon the importance of recognising the challenges the Earth faces and promoting the use of new alternatives and technologies like hydrogen fuel. The Vice-Chancellor congratulated the organising departments, the Centre for Media Studies, and the Australian High Commission for conducting this workshop. He called for a collective resolution to actively contribute towards prosperity and move towards a greener, healthier future.

Annu Anand, Director of the Centre for Media Studies, emphasised in her address that the project aims to educate the younger generation about the dangers posed by carbon emissions. His two-day workshop, organised under the joint auspices of CUH and the Centre for Media Studies, is part of a nationwide initiative launched with the cooperation of the Australian High Commission.

Dr Ashok Kumar, head of the Department of Journalism and Mass Communication, and Coordinator of the workshop, expressed pride in the department and university for hosting the event. He mentioned that experts from meteorology, environmental studies, journalism, and mass communication would train students in writing and reporting on environmental issues. Experts like Annu Anand, Director of Green Tech Knowledge Solutions Varnika Prakash, Meteorological communication specialist Nishant Saxena, project coordinator Kavita Rakheja, and coordinators Samriddhi and Yash Vashisht will provide training to the students. The workshop will teach students the intricacies of writing on sensitive topics like the environment.

Dr Mona Sharma, Head of the Department of Environmental Studies, expressed gratitude to all the participants and said the workshop would be highly significant for students of journalism and environmental studies. At the event, Dean of Academic Affairs Prof Sanjiv Kumar, Prof Pramod Yadav, Prof Veerpal Yadav, Dr Kamaraj Sindhu, Dr Kamlesh, Dr Pankaj, Dr Surendra, Dr Neeraj, Mr. Alekh Nayak, and various faculty members and students from different departments were present. The session was conducted by Dr Bharti Batra.

### 10.4 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का हुआ समापन

**CUH, Jan 31, 2024**

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र के दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ श्री निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता सात प्रतिशत बढ़ जाती है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, सुश्री अन्नू आनंद, सुश्री वर्निका प्रकाश, सुश्री कविता रखेजा और श्री निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

### Two-day Media Workshop on Low Carbon Development concluded at CUH

**CUH, Jan 31, 2024**

On the second day of the workshop, Prof. Suneel Kumar, Registrar of the University presided over the ceremony. He expressed confidence

that students will play their role in favour of humanity by working on climate change mitigation. The workshop began with a Quiz competition in which all participants tested the knowledge they had gained from the interactive sessions of the workshop. After this, the climate change communication expert, Mr Sushant Saxena, shed light on the relationship between the rising temperature level and the atmosphere's moisture-carrying capacity. Mr. Saxena emphasized that for each degree increase in atmospheric temperature, the moisture-carrying capacity increases by 7%. He provided valuable insights into the tools and techniques necessary for effective climate change reporting to journalism students.

Dr Ashok Kumar, Head of the Department, expressed his gratitude to the guests, Ms Annu Anand, Ms Vernica Prakash, and Mr Nishant Saxena for their contribution. He also discussed the problems that journalists encounter when communicating science topic including climate change to a wider audience. During the workshop, participants also visited a biomass gas plant in Kurhuwata village. This hands-on experience provided them with an opportunity to understand the direct production and use of biomass gas and its potential benefit in mitigating climate change. At the valedictory session, certificates were awarded to the participants.

### 10.5 हकेवि में दो दिवसीय व्याख्यानमाला का हुआ समापन

**CUH, Feb 01, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के हिंदी विभाग द्वारा कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव के संरक्षण में अनुवाद की महत्ता और भविष्य में अनुवाद की संभावनाओं को प्रतिपादित करने हेतु दो दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के पहले दिन ज्ञान अनुशासन के रूप अनुवाद की वर्तमान स्थिति और भविष्य तथा दूसरे दिन अनुवाद पारिस्थितिकीः भारतीय परिदृश्य विषय पर प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ला ने प्रतिभागियों को संबोधित किया।

हिंदी विभाग के विभागध्यक्ष प्रो. बीरपाल सिंह यादव ने पहले दिन स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विषय की ओर ध्यान आकर्षित किया जबकि दूसरे दिन स्वागत भाषण सह आचार्य डॉ. कामराज सिंधु ने दिया। आयोजन के दूसरे दिन प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ला ने अनुवाद को एक स्वायत्त एवं स्वतन्त्र विद्याशाखा के रूप में प्रतिस्थापित करते हुए उन परिदृश्यों और परिस्थितियों की चर्चा की जिनमें अनुवाद पल्लवित-पुष्पित हुआ। उन्होंने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुवाद की व्याप्ति स्वीकारते हुए उसकी उपयोगिता सिद्ध की। उन्होंने मशीनी अनुवाद को उन्होंने अनुवाद के लिए चुनौती माना। भारत में अनुवाद की पारिस्थितिकी को सुधारने के लिए उन्होंने दक्षता विकास, बहुभाषा ज्ञान, कंप्यूटर ऐप्लीकेशन्स का ज्ञान एवं प्रोग्राम भाषा के ज्ञान को आवश्यक माना साथ ही पाठ्यक्रम के रूप इन्हे शामिल करने का सुझाव भी दिया। विशेषज्ञ वक्ता ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाला समय अनुवादकों और भाषाविदों का है। संवाद की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए, विद्यार्थियों और शोधार्थियों को प्रश्नों के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने व्याख्यान की उपयोगिता स्पष्ट की एवं औपचारिक समापन और धन्यवाद ज्ञापन हेतु विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रीना स्वामी को आमंत्रित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षकों डॉ. कमलेश कुमारी, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. अरविंद सिंह तेजावत, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय, डॉ. अमित कुमार, विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थियो की सहभागिता रही। कार्यक्रम में रोबिन, गुरदीप, मोनिका, गायत्री, पुनीत व आकाश भारती समेत विभाग के अन्य शोधार्थी व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

### Two-day workshop on translation concluded at CUH

**CUH, Feb 01, 2024**

The Department of Hindi, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a two-day workshop on the importance of translation and its future possibilities under the guidance of the Vice-Chancellor of the University Prof Tankeshwar Kumar and Pro Vice-Chancellor Prof Sushma Yadav. In this workshop, on the first day, the topic "The Current Status and Future of Translation as a Discipline of Knowledge" and the second day on "Translation Ecology: The Indian Perspective" was addressed by Prof Hanuman Prasad Shukla. The Head of the Department of Hindi, Prof Birpal Singh Yadav, delivered the welcome address on the first day and drew attention to the topic whereas on the second day, Prof Hanuman Prasad Shukla discussed translation as an autonomous and independent discipline substituting the scenarios and situations in which the translation blossomed. He stressed the importance of translation while accepting the prevalence of it in every field. He considered machine translation as a challenge. To improve the situation of translation in India, he considered the importance of skill development, knowledge of multi-language, computer applications, and programme language and suggested including them in the academic curriculum.

### 10.6 हकेवि में राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की भूमिका विषय पर सेमिनार आयोजित

**CUH] Feb 02] 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 16वीं हरियाणा बटालियन द्वारा राष्ट्र निर्माण में एनसीसी की भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में राजस्थान विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी मेजर राजेश कुमार शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश कुमार ने स्वागत भाषण व मुख्य वक्ता का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मेजर राजेश कुमार शर्मा ने राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय कैडेट कोर की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एनसीसी केडेट राष्ट्र के निर्माण में एक रीढ़ की हड्डी की भूमिका निभाते हैं। जिनके बिना राष्ट्र का सार्थक और सफल विकास अधूरा है। मेजर शर्मा ने कहा कि एनसीसी के कैडेटों में अनुशासन, परिश्रम तथा राष्ट्रभक्ति की एक जीवंत भावना समाहित होती है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सह-एनसीसी अधिकारी श्री नरेश कुमार ने बताया कि राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय कैडेट कोर का प्रमुख स्थान रहा है। एनसीसी ने हर परिस्थिति में राष्ट्र के सहयोग हेतु अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया है।

### Seminar on "The Role of NCC in Nation-Building" organised at CUH

**CUH, Feb 02, 2024**

A seminar on the topic "The Role of NCC in Nation-Building" was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh by the 16th Haryana Battalion of the National Cadet Core of the University. In the seminar, the NCC officer Major Rajesh Kumar Sharma of Rajasthan University was present as the chief speaker.

At the beginning of the programme, Prof Ramesh Kumar, NCC Officer of the University, delivered the welcome address and introduced the chief speaker to the participants. In the programme, the chief speaker Major Rajesh Kumar Sharma, while appreciating the role of NCC in nation-building, stated that NCC cadets play a crucial role in nation-building, serving as the backbone of the nation. Without them, the meaningful and successful development of the nation remains incomplete.

The Assistant Officer of NCC at CUH, Mr Naresh Kumar, said that the role of NCC in nation-building is significant.

### 10.7 हकेवि में 'छात्र क्षमता निर्माण एवं कौशल संवर्धन' पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

**CUH, Feb 10, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने शनिवार को 'छात्र क्षमता निर्माण और कौशल संवर्धन' पर व्यावहारिक कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षा और उद्योग के बीच अंतर को समाप्त करने में मददगार साबित होते हैं। उन्होंने विभाग को विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को बढ़ाने एवं औद्योगिक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु ऐसे आयोजन भविष्य में भी निरंतर जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यशाला में जीआर इंफ्रा के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंघल एवं और रोडिक कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-एचआर डॉ. प्रमोद कुमार विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। कार्यशाला में विशेषज्ञ अजय सिंघल ने बुनियादी ढांचे के विकास में अपने व्यापक अनुभव को प्रतिभागियों से साझा किया। जबकि दूसरे विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद मिश्रा ने इंजीनियरिंग क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन पर अंतर्दृष्टि साझा की। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सिविल इंजीनियरिंग सिद्धांतों के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। कार्यशाला के सफल आयोजन में प्रो. विकास गर्ग, डॉ. विकास कुमार और डॉ. शिवानी त्यागी ने कार्यक्रम के समन्वय और सुचारू निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को सार्थक चर्चाओं में शामिल होने, उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत करने और सिविल इंजीनियरिंग में उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।

### Workshop on "Student Capacity Building and Skill Development" organised at CUH

**CUH, Feb 10, 2024**

The Department of Civil Engineering, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised a workshop on the topic "Student Capacity Building and Skill Development". The Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar

Kumar said that the organisation of such events will help bridge the gap between education and industry. He encouraged the department to continue organising such events in the future to enhance students' educational experiences and prepare them for industrial challenges. In the workshop, the vice chairman of JR Infra Mr Ajay Singhal and the senior vice-chairman and HR of Rodic Consultant Private Limited Dr Pramod Kumar were present as the experts.

The expert Mr Ajay Singhal shared his extensive experiences in infrastructure development with the participants while the second expert Dr Pramod Mishra shared insights on human resource management in the engineering field. The experts provided participants with practical insights into real-world applications of civil engineering principles. Prof Vikash Garg, Dr Vikash Kumar and Dr Shivani Tyagi actively contributed to the successful organisation of the workshop.

### 10.8 हकेवि में विश्व रेडियो दिवस पर कार्यशाला आयोजित
**CUH, Feb 13, 2024**

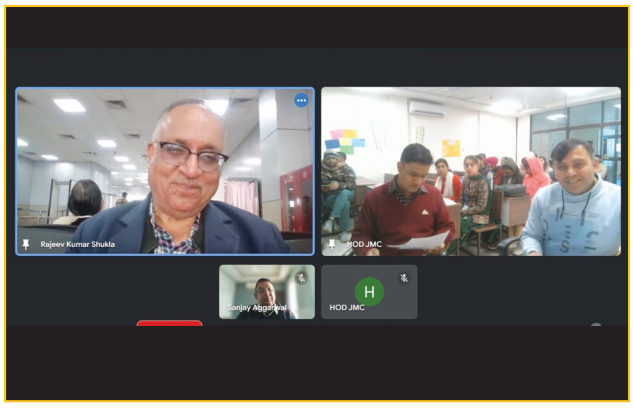


हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर भारत को सूचित, शिक्षित एवं मनोरंजन में रेडियो की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की प्रेरणा व मार्गदर्शन में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में आकाशवाणी दिल्ली के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक राजीव कुमार शुक्ला ने कहा है कि रेडियो ने भारत की भाषा, बोली, संवाद परंपरा व संस्कृतियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज देश की हर बोली व भाषा किसी न किसी आवाज के रूप में आकाशवाणी स्टूडियों में संरक्षित है।

श्री शुक्ला ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि रेडियो भारत के लोगों का एक अच्छा दोस्त व सहयात्री है। भारत के जनमानस को सूचित, शिक्षित व उसका मनोरंजन करने में रेडियो की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यशाला में आकाशवाणी में सीनियर प्रोडयूसर एवं समर्थ इंडिया फाउंडेशन के सीईओ संजय अग्रवाल ने बताया कि आकाशवाणी ने भारत की जनता व उसके लोगों को भाषा एवं संस्कृति का संस्कार दिया है। इस अवसर पर आकाशवाणी पर शोध कर चुके शोधार्थी डॉ. अशोक कुमार जोकि हरियाणा पुलिस में कार्यरत हैं, ने भी अपने शोध के निष्कर्ष को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को समझाया कि किसी तरह से विभिन्न तरह के रेडियो कार्यक्रम निर्माण एवं प्रस्तुति में भिन्न हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षक डॉ. आबिद अली ने अपने संबोधन में रेडियो एक शिक्षण माध्यम के रूप में विषय पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षा के प्रचार एवं प्रसार में रेडियो की भूमिका रही हैं।

### Workshop organised at CUH on the World Radio Day
**CUH, Feb 13, 2024**

On the occasion of World Radio Day, a one-day workshop was organised at the Central University of Haryana, Mahendergarh on the topic "The Role of Radio in Informing, Educating, and Entertaining India". Under the guidance of the Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, the Department of Journalism and Mass Communication organised the workshop in which the expert speaker was Mr Rajiv Kumar Shukla, former Additional Director General of All India Radio, Delhi. The expert said that radio has played an important role in the preservation of the language, dialects, and cultures of India. Today, every dialect and language of the country is preserved in the form of various voices in All India Radio Studio.

While addressing the participants, Mr Shukla said that Radio has been a great friend and companion to the people of India.

During the workshop, Sanjay Agarwal, the senior producer at All India Radio and CEO of Samarth India Foundation, explained that All India Radio has instilled a sense of language and culture in the Indian public. Additionally, Dr Ashok Kumar a researcher who has researched on All India Radio and is currently serving in Haryana Police, shared his research findings with the students. He explained how different types of radio programmes are being created and presented.

In his address, Dr Abid Ali, a teacher of Journalism and Media Technology at Kurukshetra University discussed the role of radio as an educational

medium. He discussed the importance of voice in radio broadcasting. The Head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr Ashok Kumar welcomed everyone and said that this workshop aimed to inform the students about radio media and the skills required for it so that students can be inspired by the senior broadcasters of the country to advance in their field.

### 10.9 हकेवि में आईसीएसएसआर के सहयोग से वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू

**CUH, Feb 15, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में वाणिज्य एवं प्रबंधन में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरूआत गुरूवार को हो गई।

मुख्य अतिथि प्रो. प्रफुल्ल वाई अग्निहोत्री ने विस्तार से भारतीय ज्ञान परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आयुर्वेद, भारतीय नाट्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र का उल्लेख करते हुए बताया कि हम पुरातनकाल में कितने समृद्ध रहे हैं। सीबीएलयू के कुलपति प्रो. आरके मित्तल ने पुरातन काल में व्यापार, आपसी सहयोग, सर्वजन के विकास, भारतीय लघु उद्योगों के महत्व और सनातन चिंतन का विस्तार से उल्लेख करते हुए भारत के विकास में योगदान देने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. आरके अनायत ने बेहद कम शब्दों में भारतीय ज्ञान परंपरा और चिंतन को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के प्रोफेसर पवन शर्मा ने बेहद विस्तार से भारतीय शिक्षा प्रणाली को अंग्रेजी शासन द्वारा पहुंचाए गए नुकसान और उसके कारणों का उल्लेख किया। प्रो. पवन शर्मा ने भारतीय वेद पुराणों और उनमें वर्णित ज्ञान की ओर भी सभी का ध्यान आकर्षित किया। विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि आज हम अमृतकाल में जी रहे हैं और ऐसे में भारतीय ज्ञान परंपरा को जानते समझते हुए ही विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सकता हैं। जिसके पश्चात् वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष व संगोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेंद्र मीणा ने सभी अतिथियों, विशेषज्ञों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. सुनीता तंवर ने अपने संबोधन में दो दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए इसकी आवश्यकता व महत्व पर प्रकाश डाला। स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर रंजन अनेजा ने अपने संबोधन में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए इस संगोष्ठी के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी प्रमुख रूप से भारतीय ज्ञान परंपरा को समझते हुए वैश्विक स्तर पर विकास हेतु युवा पीढ़ी के निर्माण पर जोर देती।

### Two-day National Seminar on Indian Knowledge Traditions in Commerce and Management at CUH

**CUH, Feb 15, 2024**

A two-day national conference focused on the Indian Knowledge System in Commerce and Management commenced on Thursday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh.

Chief guest Prof. Prafulla Y Agnihotri shed light on the Indian knowledge tradition in detail. Referring to Ayurveda, Indian theatre and philosophy, he emphasised how prosperous we were in ancient times. Prof. RK elaborated on ancient practices of trade, mutual cooperation, the development of all people, the importance of Indian small industries, and the principles of eternal thinking. Former Vice Chancellor of Deenbandhu Chhotu Ram University of Science and Technology, Prof. RK Anayat presented a few words on the Indian knowledge tradition and its deliberations to the participants.

The keynote speaker of the inaugural session, Professor Pawan Sharma, mentioned in detail the damage caused to the Indian education system by the British rule and its reasons. He said that the situation has been changing since 2014 and the emphasis on education in the mother tongue and the study of Indian knowledge tradition in the new National Education Policy 2020 is proof that we are now trying to regain our ancient identity at the global level. Prof. Pawan Sharma also drew everyone's attention towards the Indian Vedas and Puranas and the knowledge described in them. Pro Vice Chancellor of the University, Prof. Sushma Yadav said that today we are living in Amrit Kaal, and knowing and understanding the Indian knowledge tradition is essential to pave the way to building a developed India.

Dr Rajendra Meena, Head of the Department of Commerce and coordinator of the seminar, welcomed all the guests, experts and participants. The Organizing Secretary of the seminar, Dr Sunita Tanwar, in her address presented the outline of the two-day seminar and highlighted its need and importance. Dean of the School of Business and Management Studies, Professor Ranjan Aneja, while welcoming all the guests in his address, mentioned the objective of this seminar and said that the new National Education Policy also emphasises the importance of understanding Indian Knowledge Traditions and focuses on developing the younger generation for global advancement.

### 10.10 हकेवि में दीर्घकालीन जीवन शैली के लिए अपशिष्ट प्रबंधन पर वेबिनार आयोजित

**CUH, Feb 16, 2024**

विश्वविद्यालय के औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित इस वेबिनार को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन के सही तरीके से निपटारे के लिए सभी की भागीदारी आवश्यक है। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लाइन लोंग लर्निंग के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि विभाग विश्वविद्यालय कुलपति के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में विद्यार्थियों में कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस प्रकार के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित करवाता है। वेबिनार में विशेषज्ञ वक्ता डॉ. पूजा सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को वेस्ट को केवल वेस्ट नहीं समझना चाहिए इसे उचित तकनीक के द्वारा बेस्ट में बदलने की तकनीकों की खोज करनी चाहिए। डॉ. सिंह ने विद्यार्थियों को अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया। वेबिनार में प्रदीप कुमार, सुनील कुमार, शालू सैनी, पिंकी व नसीब ने आयोजक समिति के सदस्यों के रूप में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम में अपशिष्ट प्रबंधन विभाग की समन्वयक डॉ. सुषमा यादव ने प्रतिभागियों को विभाग की गतिविधियों से अवगत कराया।

### Webinar on "Waste Management for Sustainable Lifestyle" organised at CUH

**CUH, Feb 16, 2024**

The expert speaker of the webinar was Dr Pooja Singh, an Associate Professor in the Department of Earth and Environment at Amity University, Gurugram. Addressing the webinar organised by the Department of Industrial Waste Management of the university, the Pro Vice-Chancellor of the university, Prof Sushma Yadav, emphasised that everyone's participation is necessary for the proper disposal of waste. The webinar saw active participation from organising committee members Pradeep Kumar, Sunil Kumar, Shalu Saini, Pinky, and Naseeb. Dr Sushma Yadav, the coordinator of the Waste Management Department, informed participants about the department's various activities.

### 10.11 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मीडिया उत्सव का हुआ आयोजन

**CUH, March 06, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा बुधवार को मीडिया फेस्ट 2024 का आयोजन किया। आयोजन के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

पत्रकारिता और जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि विभाग मीडिया फेस्ट 2024 के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया और संचार के क्षेत्र में उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। यह आयोजन न केवल प्रतिभागियों के कौशल को प्रदर्शित करता है बल्कि नवाचार और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। डॉ. अशोक कुमार ने प्रभावी संचार, प्रतिभा प्रदर्शन और रचनात्मकता की महत्वपूर्ण भूमिका के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि आयोजन में कविता पाठ, वाद-विवाद, एंकरिंग और ओपन माइक जैसे आकर्षक कार्यक्रम भी शामिल थे, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को खुद को अभिव्यक्त करने और विचारोत्तेजक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीरज कर्ण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। आयोजन में डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. पंकज, डॉ. आलेख एस नायक व डॉ. भारती बत्रा सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

### Media Fest organised at Central University of Haryana

**CUH, March 06, 2024**

The Department of Journalism and Mass Communication, Central University of Haryana, Mahendergarh, organised 'Media Fest 2024' on Wednesday. At the inaugural session of the event, the University Registrar Prof Sunil Kumar was present as the chief guest.

The Head of the Department of Journalism and Mass Communication Dr Ashok Kumar said that through Media Fest, the department provides students a platform to showcase their creativity and talent in the field of media and communication. It not only highlights the skills of the participants but also fosters a spirit of innovation and collaboration. Dr Ashok Kumar discussed the crucial role of effective communication, talent display,

and creativity. He mentioned that the event included engaging programmes such as poetry recitation, debates, anchoring, and open mic sessions, offering students an opportunity to express themselves and participate in thought-provoking discussions. In the end, Dr Neeraj Karan Singh delivered the vote of thanks. Dr Surendra Kumar, Dr Pankaj, Dr Alekh S Nayak, and Dr Bharati Batra along with students and researchers were present at the event.

### 10.12 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हकेवि संचार उत्सव 2024 का हुआ आयोजन

**CUH, March 07, 2024**

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों की मीडिया क्षेत्र में अग्रणी भूमिका हो और वे मीडिया उद्योग में जाकर मीडिया व देश के विकास में अहम भूमिका निभाएं, इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों को काम करने की जरूरत है। यह विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय अकादमिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव संचार उत्सव 2024 के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। कुलपति ने कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय एवं उसके विभाग की पहचान उसके विद्यार्थियों से होती है।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि विभाग द्वारा संचार उत्सव 2024 में 11 प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। जिनमें मुख्य रूप से फीचर लेखन, प्रेस रिलीज लेखन, पीस टू कैमरा, मोबाइल फोटोग्राफी, शॉर्ट फिल्म, रील मेकिंग, एड मेड शो, कविता पाठ, वाद विवाद, एंकरिंग एवं ओपन माइक शामिल हैं। इन प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नीरज कर्ण सिंह एवं डॉ. भारती बत्रा ने कहा कि इस एक दिवसीय महोत्सव में इस साल जिस तरह से विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में यह उत्सव श्रेष्ठ संचार उत्सव बनेगा।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आयोजित मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अभिषेक मीणा प्रथम, जतिन कुमार दूसरे व हितेश तीसरे स्थान पर रहे। फीचर लेखन में शंशांक प्रथम, अग्रिमा दूसरे एवं अमित एवं रक्षित राज तीसरे स्थान पर रहे। एड मेड शो में सुमित प्रथम, राहुल माना दूसरे व रंजन कुमार वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। रील्स मेकिंग में रिसब सिंह प्रथम, अभिषेक आर्य दूसरे, सूर्यांश तीसरे स्थान पर रहे। शॉर्ट फिल्म में 'छुटटी' प्रथम, 'इफ शी केन स्पीक' दूसरे व 'पलास्कि पाल्युशन' तीसरे स्थान पर रही। एंकरिंग प्रतियोगता में संदीप प्रथम, सिया दूसरे एवं तुशार कुमार तीसरे स्थान पर रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में आकांक्षा राय प्रथम, सुरज दूसरे व हमेंद्र कुमार तीसरे स्थान पर रहे। प्रेस रिलीज लेखन में सिया प्रथम, ज्योति दूसरे एवं गुरदीप तीसरे स्थान पर रहे। पीटूसी प्रतियोगिता में शालिनी प्रथम, अनसिरन दूसरे एवं रंजन कुमार वर्मा तीसरे स्थान पर रहे। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक डॉ. पंकज कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. आलेख एस नायक, हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीरपाल यादव, मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. पायल चंदेल, पर्यावरण विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा, फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुमार सहित भारी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।

### 'CUH Sanchar Utsav 2024' organised at Central University of Haryana

**CUH, March 07, 2024**

"The students of the Journalism and Mass Communication Department are expected to play a leading role in the media sector and contribute significantly to media and national development. Keeping this in mind, students of the department need to work towards it diligently." These thoughts were expressed by the Vice-Chancellor of the Central University of Haryana, Mahendergarh, Prof Tankeshwar Kumar as the chief guest in the one-day academic and cultural festival 'Sanchar Utsav 2024' organised by the Department of Journalism and Mass Communication.

The Head of the Department of Journalism and Mass Communication, Dr Ashok Kumar, in his welcome speech, said that eleven competitions were organised by the department in 'Sanchar Utsav 2024' in which press release writing, feature writing, debate, short film, mobile photography, reel making, poetry recitation, ad-made show, piece to camera, and anchoring were prominent. More than 200 students from various departments of the university have registered in the competitions. The coordinators of the event Dr Neeraj Karan Singh and Dr Bharti Batra said that in this one-day festival the way students have participated and showcased their talent is promising. It is hoped that in the coming years, this festival will become a premier communication festival.

At the Journalism and Mass Communication Department, in a mobile photography competition, Abhishek Meena secured the first position, Jatin second and Hitesh secured the third position. In a feature writing competition, Shashank secured the first position while Agrima second and Amit and Rakshit Raj secured the third position.

In Ad Made Show, Sumit secured the first position while Rahul and Ranjan Kumar secured the second and third positions respectively. In the Reels Making competition, Rishab Singh secured the first rank, Abhishek Arya second and Suryansh secured the third position. In the short film, 'Chhuti' secured the first position, 'If She Can Speak' second and 'Plastic Pollution' secured the third position. In the anchoring competition, Sandeep secured the first position, while Shia and Tushar Kumar secured the second and third positions respectively. In the debate, Akanksha was first, Suraj second and Hemendra Kumar was third in the competition. In Press Release writing, Shia secured the first position, Jyoti second, and Gurdeep secured the third position. In the P2C competition, Shalini secured the first position, while Ansiran and Ranjan Kumar Verma secured the second and third positions respectively. On this occasion, faculty members of the department Dr Pankaj Kumar, Dr Surendra, Dr Alekh S Nayak, the Head of the Department of Hindi Pro Birpal Singh, HoD of Psychology Prof Payal Chandel, HoD of Environmental Science Dr Mona Sharma, HoD of Pharmacy Dr Dinesh Kumar, along with a large number of teachers, students, and researchers were present.

### 10.13 हकेवि में राष्ट्रीय कार्यशाला की हुई शुरुआत

**CUH, March 11, 2024**

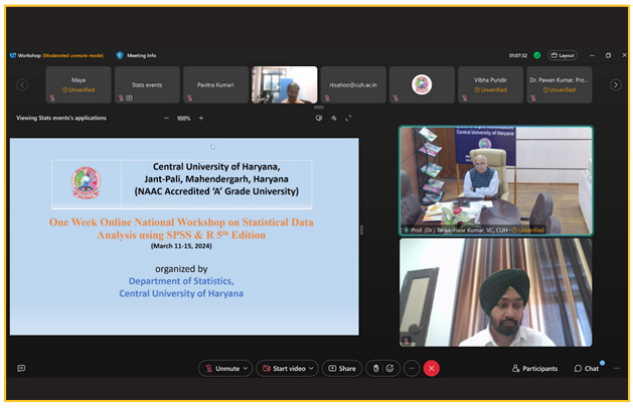


हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सांख्यिकी विभाग द्वारा सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण हेतु एसपीएसएस और आर के उपयोग पर केंद्रित साप्ताहिक कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई।

आगामी 15 मार्च तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्देश्य डेटा विश्लेषण में विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों की आवश्यकता व उपयोगिता पर विस्तार से विमर्श करना है। कार्यशाला में विभिन्न शोधार्थियों व प्रतिभागी शिक्षकों को सांख्यिकीय उपकरणों के उपयोग और उससे शोध व अनुसंधान के स्तर पर आवश्यक परिणाम प्राप्त करने हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यशाला की आयोजन सचिव व विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पवित्रा कुमारी ने बताया कि यह विभाग द्वारा इस गतिविधि के आयोजन से संबंधित पाँचवां संस्करण है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों को सांख्यिकी तकनीक की उन्नत अवधारणाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

यह कार्यशाला प्रतिभागियों को एसपीएसएस और आर सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विभिन्न सांख्यिकीय उपकरणों का ज्ञान प्राप्त करने में मदद करेगी। इस कार्यशाला में बीएचयू, आईआईपीएस, डीडीयू गोरखपुर, डीएवी कॉलेज देहरादून, गौहाटी विश्वविद्यालय, एचएनबीजीयू श्रीनगर, सीयू पंजाब और एसजीटी गुड़गांव के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी प्रतिभागिता कर रहे हैं। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय से प्रो. शशि भूषण, आईआईटी खड़गपुर से डॉ. नितिन गुप्ता, पंजाबी विश्वविद्यालय से डॉ. रोहताश कुमार, डॉ. दुष्यन्त त्यागी, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ, डॉ. अमित कुमार मिश्रा, बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ और डॉ. कपिल कुमार, सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, पंजाब विश्वविद्यालय से प्रो. सुरेश कुमार शर्मा, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से प्रो. जी. जयश्री सम्मिलित होंगे।

### National Workshop on "Statistical Data Analysis using SPSS and R" began at CUH

**CUH, March 11, 2024**

The Department of Statistics, Central University of Haryana, Mahendergarh started a weekly workshop focused on 'Statistical Data Analysis using SPSS and R' on Monday.

The aim of the workshop, which will continue until March 15, is to discuss in detail the necessity and utility of various statistical tools in data analysis. In the workshop, various researchers and teachers will be trained to use statistical tools and to achieve the necessary results in research and analysis. The event secretary and the head of the department Assistant Professor Dr Pavitra Kumari said that this was the fifth edition of the event organised by the department. Through this, participants are being made aware of advanced concepts in statistical techniques.

This workshop will help participants to gain knowledge of various statistical tools by using SPSS and R Software. The teachers, students, and researchers from BHU, IIPS, DDU Gorakhpur, DAV College, Dehradun, Gauhati University, HNBGU Srinagar, CU Punjab and SGT Gurgaon are participating in the workshop. The experts of the workshop, Prof Shashi Bhushan from

Lucknow University, Dr Nitin Gupta from IIT Kharagpur, Dr Rohtash Kumar from CU Punjab, Dr Dushyant Tyagi from Dr Shakuntala Mishra National Rehabilitation University, Lucknow, Dr Amit Kumar Mishra from Baba Bhimrao Ambedkar University, Lucknow, and Dr Kapil Kumar from CCS University Meerut, Prof Suresh Kumar Sharma from Panjab University, and Prof G, Jaishree from Osmania University Hyderabad will be present.

### 10.14 हकेवि में बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर कार्यशाला का आयोजन

**CUH, March 12, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग द्वारा एसईआरबी के सहयोग से 12 से 18 मार्च मार्च के बीच बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को सेकेंड जनरेशन बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन फ्रॉम लिग्नोसेल्युलेसिस बायोमास विषय पर आधारित इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कार्यशाला के पहले दिन महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में एसोसिएट डीन रिसर्च व सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. के. के. शर्मा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

पहले दिन विषय विशेषज्ञ डॉ. के.के. शर्मा ने सेकेंड जनरेशन बायो-एथेनॉल प्रोडेक्शन फ्रॉम लिग्नोसेल्युलेसिस बायोमास विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों को जानकारी दी और इस क्षेत्र में जारी शोध कार्यों से अवगत कराया। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय में शोध अधिष्ठाता व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि वैज्ञानिक बायोफ्यूल के लिए निरंतर शोधरत हैं। आयोजन के आरंभ में कार्यशाला के संयोजक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से आए 25 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन सत्र के अंत में प्रो. विकास बेनीवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर आयोजन सचिव डॉ. जितेंद्र सैनी, प्रो. गुंजन गोयल, प्रो. कांति प्रकाश, प्रो. पवन कुमार मौर्य, डॉ. पूजा यादव, डॉ. विनोद यादव, डॉ. अविजीत परमाणिक व श्री दीपक कुमार सहित विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

### Workshop on Bio-Ethanol started at CUH

**CUH, March 12, 2024**

The Department of Microbiology, Central University of Haryana, Mahendergarh is organising a workshop focused on Bioethanol production from March 12 to 18 in collaboration with the Science and Engineering Research Board (SERB). The workshop was inaugurated with the topic "Second Generation Bioethanol Production from Binoculuses Biomass" on Tuesday by the Vice-Chancellor of the University. On the first day of the workshop, Dr K.K. Sharma, the Associate Dean of Research and the Head of the Department of Microbiology, MDU Rohtak, was present as the expert speaker.

On the first day, the expert speaker Dr K.K. Sharma expressed his views on the topic "Second Generation Bio-Ethanol from Lignoceluses" and informed the participants about the ongoing research in the field. Before this, the Dean of Research and School of Inter-Disciplinary and Applied Sciences, Prof Neelam Sangwan, while welcoming all the participants, said that scientists are continuously researching Bioethanol. This is an option that can prove useful in addressing the challenges faced by the environment.

At the beginning of the event, the coordinator of the workshop Prof Surendra Singh delivered the welcome speech and shed light on the topic in detail. At the end of the inaugural session, Prof Vikash Beniwal delivered a vote of thanks. On this occasion, programme secretary Dr Jitendra Saini, Prof Gunjan Goyal, Prof Kanti Prakash, Prof Pawan Kumar Maurya, Dr Puja Yadav, Dr Vinod Yadav, Dr Vinod Yadav, Dr Avijit Parmanik and Mr Deepak Kumar along with students and researchers were present.

### 10.15 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हिंदी कार्यशाला आयोजित

**CUH, March 12, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में राजभाषा अनुभाग व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), महेंद्रगढ़ की ओर से 'राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति' और 'कामकाज में हिंदीः समस्या व समाधान' विषयों पर केंद्रित कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इफको मुख्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक (हिंदी) डॉ. नलिन विकास विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित डॉ. नलिन विकास ने राजभाषा हिंदी के विभिन्न प्रावधानों के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। डॉ. विकास ने कार्यालयीन कार्य में हिंदी के प्रयोग तथा समस्या व उनके समाधानों की जानकारी प्रतिभागियों के साथ साझा की। कार्यशाला के अंत में विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीर पाल सिंह यादव ने धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि अवश्य ही विश्वविद्यालय कुलपति के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ द्वारा दी गई जानकारी से प्रतिभागी

नराकास के सदस्य व हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिभागी लाभांवित हुए होंगे। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। साथ ही इस आयोजन में हिंदी विभाग के सहआचार्य डॉ. कामराज सिंधु सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी भी उपस्थित रहे।

## Hindi Workshop organised at Central University of Haryana

**CUH, March 12, 2024**

The Official Language Section and Urban Official Language Implementation Section, Mahendergarh organised a workshop on the topic "The Constitutional Status of Hindi as the Official Language: Problems and Solutions" at the Central University of Haryana, Mahendergarh. Organised in two sessions, the expert speaker of the workshop was Dr Nalin Vikash, the Senior Manager at IFFCO headquarters. On this occasion, the Vice-Chancellor of the University, Prof Tankeshwar Kumar, said that language plays a crucial role in expression. Therefore, words should be used accurately, and if their meanings are conveyed correctly, the utility of the language remains. The Vice-Chancellor said that through this event participants will get the opportunity to understand various aspects of the official language. The efforts of both the coordinator of the event and the expert speaker are appreciated.

## 10.16 हकेवि में तीन दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

**CUH, March 15, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के राजनीति विज्ञान, प्रबंधन अध्ययन एवं अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने अपने उद्बोधन में शिक्षा और विद्या के मध्य अंतर स्पष्ट करते हुए भारतीय ज्ञान दर्शन को समझने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को आधुनिकता और परंपराओं को समाहित करते हुए नये भारत का निर्माण करना चाहिए।

समापन सत्र की शुरुआत राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार ने मुख्य वक्ता डॉ. पवन शर्मा का अभिनंदन किया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. पवन शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के सामाजिक और आर्थिक पक्ष पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय धर्म ग्रंथों की विशेषता बताते हुए कहा कि भारत के सारे धर्म ग्रंथ वाद- संवाद एवं प्रश्न-उत्तर पर आधारित हैं। महार्षि वेदव्यास के कथन का उल्लेख करते हुए उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में पुण्य और पाप कर्मों को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि आज के परिदृश्य में विद्यमान अर्थशास्त्र के सूत्र भारत के धर्म ग्रंथों में पहले से वर्णित है। शुक्रनीति में सुशासन, सार्वजनिक-निजी भागीदारी, पारदर्शिता, नवीन लोक प्रशासन आदि के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत की आर्थिक समृद्धता में प्राचीन जल और भूतल मार्ग की प्रमुख भूमिका का उल्लेख किया। अंत में डॉ. पवन शर्मा ने बताया कि भारतीय समाज स्वयंसिद्ध एवं उन्मुक्त चिंतन का समाज है। तदोपरांत राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार ने तीन दिन की कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमनदीप वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## The three-day workshop concluded at CUH

**CUH, March 15, 2024**

The three-day workshop on Indian Knowledge Tradition, organised jointly by the departments of Political Science, Management Studies, and Economics at Central University of Haryana, Mahendergarh, has concluded. In her address, the Pro Vice-Chancellor of the university, Prof Sushma Yadav, clarified the difference between education and knowledge and encouraged understanding of Indian philosophical traditions. She emphasised that the current generation should build a new India by integrating modernity with traditions.

The closing session began with the Head of the Political Science Department, Prof Ramesh Kumar, honouring the keynote speaker, Dr Pawan Sharma. Dr Sharma discussed the social and economic aspects of Indian Knowledge Traditions. He highlighted the characteristics of Indian religious texts, noting that they are based on debate, dialogue, and question-answer formats. Referring to the teachings of Maharishi Vedavyasa, he explained the concepts of virtuous and sinful actions in administrative functions. Dr Sharma pointed out that the principles of economics present today were already described in India's religious texts. He elaborated on the concepts of good governance, public-private partnership, transparency, and modern public administration found in the Shukraniti. Additionally, he mentioned the significant role of ancient water and land routes in India's economic prosperity. In conclusion, Dr Sharma stated that Indian society is one of self-evident and free-thinking.

Subsequently, Prof Ramesh Kumar presented the report of the three-day workshop. At the end of the programme, Dr Amandeep Verma, Head of the Department of Economics, expressed gratitude.

### 10.17 हकेवि में हाइपोविटामिनोसिस डी पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन

**CUH, March 15, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा "किशोर लड़कियों में हाइपोविटामिनोसिस डी का आंकलन और प्रबंधन" पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत शुक्रवार हो हुई। एसईआरबी-डीएसटी द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कार्यशाला की आयोजक डॉ. अनिता कुमारी ने प्रसिद्ध विशेषज्ञ वैज्ञानिकों के माध्यम से व्याख्यानों की श्रृंखला के साथ-साथ चयनित प्रतिभागियों को एंथ्रोपोमेट्रिक माप, एलिसा तकनीक का उपयोग करके विटामिन डी के स्तर का आंकलन, कैल्शियम अनुमान, सीबीसी, प्रोफाइलिंग, विटामिन डी से समृद्ध कार्यात्मक खाद्य उत्पादों का विकास, इसके पोषक तत्व प्रोफाइलिंग, संवेदी मूल्यांकन, जैव सूचनात्मक प्रशिक्षण आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला में देशभर से 25 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस कार्यशाला के संदर्भ में डॉ. राजीव बहल, निदेशक सचिव, भारत सरकार भारत, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और महानिदेशक, आईसीएमआर, नई दिल्ली तथा डॉ. सौम्या स्वामीनाथन, पूर्व, मुख्य वैज्ञानिक, डब्ल्यूएचओ, वर्तमान में एनजीओ के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन ने इस कार्यशाला के लिए बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल की निदेशक व स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेस की अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान व पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने विभाग के प्रयासों की सराहना की और कार्यशाला की संयोजक, डॉ. अनीता कुमारी और आयोजन सचिव, डॉ. अश्विनी कुमार को बधाई दी है।

### The seven-day workshop on "Assessment and Management of Vitamin D Deficiency in Adolescent Girls" inaugurated at CUH

**CUH, March 15, 2024**

The Department of Nutrition Biology, Central University of Haryana, Mahendergarh, started a seven-day workshop on "Assessment and Management of Vitamin D Deficiency in Adolescent Girls" on Friday. Funded by SERB-DST, the workshop was inaugurated by the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar.

The coordinator of the workshop Dr Anita Kumari provided information on various aspects of training, including anthropometric measurements, assessment of vitamin D levels using ELISA techniques, calcium estimation, CBC profiling, development of vitamin D-enriched functional food products, nutrient profiling, sensory evaluation, and bioinformatics training, through a series of lectures by renowned expert scientists. She informed that twenty-five participants are taking part in the workshop from across the country. In the context of the workshop, Dr Rajeev Bahal, Director Secretary, Government of India, Department of Health Research, and Director General, ICMR, New Delhi, and Dr Soumya Swaminathan, former Chief Scientist of WHO and currently serving as Chairperson of the MS Swaminathan Research Foundation, sent their congratulations and best wishes for the workshop. The Director of the Research and Development Cell of the University and the Dean of the School of Inter-Disciplinary and Applied Sciences Prof Neelam Sangwan and the Head of the Department of Nutrition Biology Prof Kanti Prakash Sharma appreciated the efforts of the department and congratulated the coordinator of the workshop Dr Anita Kumari and Programme Secretary Dr Ashwini Kumar.

### 10.18 हकेवि में शोध प्रविधि पर केंद्रित कार्यशाला की हुई शुरुआत

**CUH, March 18, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार 18 मार्च से सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध पर केंद्रित दस दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के वाणिज्य, प्रबंधन अध्ययन व अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त प्रयासों से आयोजित इस कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि व वक्ता के रूप में चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी के पूर्व कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल तथा मुख्य संरक्षक के रूप में हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि किसी भी शोध में प्रयुक्त आंकड़ों की प्रांसगिकता तभी उपयोगी होती है जबकि वह आंकड़ें गुणवत्तापूर्ण हों। इससे पूर्व में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रो. राजकुमार मित्तल व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह शोध प्रविधि आधारित कार्यशाला का विषय में भले ही नयापन न हो, इसमें दी जाने वाली जानकारी हर कार्यशाला के अंतराल में बदलती रहती है। कार्यशाला की निदेशक व स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट स्टडीज के डीन प्रो. रंजन अनेजा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोर्स की निदेशक प्रो. सुशीला कुमारी सोरिया ने बताया कि इस आयोजन में विभिन्न संस्थानों से जुड़ें तीस प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं जोकि विश्वविद्यालय, राज्य और देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से संबद्ध हैं। आयोजन में प्रोग्राम सह-निदेशक डॉ. सुमन व प्रोग्राम सचिव डॉ. भूषण सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

## A ten-day workshop on Research Methodology started at CUH

**CUH, March 18, 2024**

A ten-day workshop on the topic "Qualitative and Quantitative Research in Social Science" started on Monday 18th March at Central University of Haryana, Mahendergarh. In the inaugural session of the workshop, organised collaboratively by the Departments of Commerce, Management Studies, and Economics, the former Vice-Chancellor of Chaudhary Bansilal University, Bhiwani, Prof Rajkumar Mittal was present as the chief guest and speaker and the Vice-Chancellor of CUH, Prof Tankeshwar Kumar was present as the chief patron.

Addressing the workshop, Prof Rajkumar Mittal emphasised that the relevance of data used in any research is only valuable when it is of high quality.

Previously, the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar expressed his gratitude to Prof Rajkumar Mittal and the participants. He noted that while the topic of research methodology may not be new, the information provided in each workshop evolves over time.

The director of the workshop and the Dean of the School of Business and Management Studies Prof Ranjan Aneja delivered the welcome speech. Then the course director Prof Sushila Kumari Soriya said that thirty participants are taking part in the workshop affiliated with various educational institutions across the country. In the event, programme co-director Dr Suman and Programme secretary Dr Bhushan Singh played active roles. At the end of the event, the head of the Department of Commerce, Dr Rajendra Prasad Meena delivered a vote of thanks.

## 10.19 हकेवि में मिलेट्स प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन पर कार्यशाला आयोजित

**CUH, March 19, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत संचालित पोषण जीवविज्ञान विभाग द्वारा मिलेट्स के प्रसंस्करण एवं मूल्यसंवर्धन विषय पर केंद्रित सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए स्थायी समाधान प्राप्त करने में मिलेट्स की भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि भाषा की तरह देश में खानपान के स्तर पर विविधता देखने को मिलती है। अलग-अलग स्थान पर खान के अलग-अलग रूप हैं ऐसे में जब बात मोट अनाज की आती है तो यह पोषण का भंडार है। कार्यशाला में रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के शिक्षा निदेशक डॉ. अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. अनिल कुमार ने स्वास्थ्य के लिए स्थायी समाधान प्राप्त करने में मिलेट्स की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने पारंपरिक खाद्य प्रथाओं व स्थानीय ज्ञान को वैज्ञानिक रूप से स्थापित करने हेतु शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। विश्वविद्यालय में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने कम कार्बन फुट प्रिंटिंग वाली फसलें उगाकर ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मिलेट्स की भूमिका से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने जैव विविधता को बनाए रखने और मिट्टी के कटाव को रोकने आदि में मिलेट्स की भूमिका का भी उल्लेख किया। इससे पूर्व कार्यशाला की संयोजक डॉ. सविता बुधवार ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रतिभागियों से साझा की।

## Workshop on Millets Processing and Value Addition at CUH

**CUH, March 19, 2024**

A seven-day workshop focused on "Millets Processing and Value Addition" is being organised by the Department of Nutrition Biology under the School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana, Mahendergarh. The aim of the workshop was to raise awareness about the role of millet in providing sustainable solutions for health and the environment. The workshop was inaugurated by the Vice-Chancellor of the university Prof Tankeshwar Kumar. During the inauguration, the Vice-Chancellor said that similar to linguistic diversity in the country, there is a diversity in food habits.

Dr Anil Kumar, Director of Education at Rani Lakshmi Bai Central Agricultural University, Jhansi, attended the event as the chief guest. The programme began with the university anthem and the lighting of a lamp. The chief guest, Dr Anil Kumar discussed the role of millet in achieving sustainable health solutions and emphasised the need for research to scientifically establish traditional food practices and local knowledge. Prof Sunita Srivastava, the Head of the Department of Physics and Astrophysics at the university, highlighted the global perspective on the role of

millets in reducing global warming by cultivating low-carbon footprint crops. She also discussed its role in maintaining biodiversity and preventing soil erosion.

Before this, the coordinator of the workshop, Dr Savita Budhwar shared the framework of the workshop with the participants. Dr Tejpal Dewa presented the introduction of the chief guest Prof Kanti Prakash Sharma.

### 10.20 हकेवि में प्लांट स्ट्रेस केंद्रित कार्यशाला का हुआ आयोजन

**CUH, March 19, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में जैव रसायन विभाग द्वारा "पादप अजैविक तनाव और विश्लेषण के तरीके" पर सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और जैव रसायन विभाग के प्रयासों की सराहना की। आयोजन में मुख्य अतिथि इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायो-रिसोर्स टेक्नोलॉजी (आईएचबीटी) के वैज्ञानिक डॉ. रोहित जोशी ने चावल की नई किस्म पैदा करने के बारे में प्लांट स्ट्रेस फिजियोलॉजी-प्रयोगशाला से भूमि तक अवधारणाओं और दृष्टिकोण पर अपनी बात रखी।

विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अजैविक तनाव के बदलते परिदृश्य के तहत सतत कृषि के लिए उभरती प्रौद्योगिकी पर व्याख्यान दिया है। बायोकैमिस्ट्री विभाग के प्रमुख प्रो. पवन कुमार मौर्य ने विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के संचालन के लिए अध्यक्ष डॉ. सौरभ सक्सेना को डीएसटी-एसईआरबी-एक्सीलरेट विज्ञान कार्यशाला योजना से वित्त प्राप्त हुआ है। कार्यशाला के आयोजन सचिव डॉ. मुलका मारुति, प्रो. अंतरेश कुमार, डॉ. नीलम ने सक्रिय भागीदारी की। कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

### Workshop on Plant Abiotic Stress and Analytical Methods at CUH

**CUH, March 19, 2024**

The inauguration of the seven-day workshop on "Plant Abiotic Stress and Analytical Methods" was organised by the Department of Biochemistry. The Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar encouraged participants and researchers and appreciated the efforts of the department. The chief guest Dr Sohit Joshi, a scientist from the Institute of Himalayan Bio-Resource Technology, spoke about the concepts and approaches from plant stress physiology-laboratory to land for developing new rice varieties. Prof Neelam Sangwan, Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences at the university, delivered a lecture on the emerging technologies for sustainable agriculture under the changing landscapes of abiotic stress.

Prof Pawan Kumar Maurya, the Head of the Department of Chemistry, highlighted the achievements of the department and provided information about the workshop. Dr Saurabh Saxena received funding from the DST-SERB-Accelerate Science Workshop Scheme to organise the workshop. The organising secretary Dr Mulka Maruti, Prof Antresh Kumar, and Dr Neelam actively participated in the workshop. Participants from various institutions across the country attended the workshop.

### 10.21 हकेवि में बिजनेस स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

**CUH, March 19, 2024**

हरियाण केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मंगलवार को विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर बिजनेस स्टार्टअप आइडिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनएसएस इकाई को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मूल चंद सभागार में आयोजित इस प्रतियोगिता में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सहित डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपतय लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद आदि विश्वविद्यालयों की टीमों ने प्रतिभागिता की। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने शिक्षा, सूचना, तकनीकी, मेडिकल, कृषि उत्पाद जैसे क्षेत्रों से संबंधित बिजनेस आइडिया प्रस्तुत किये गए। उन्होंने कहा कि डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. नीलम तथा डॉ. मुकेश उपाध्याय ने निर्णायक मंडल के सदस्यों के रूप में भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद के स्वयंसेवक आकाश शर्मा ने प्रथम, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की टीम (हर्ष गोडवामी, नेहा पांडे, तथा खुशी) ने द्वितीय, डॉ. बी.आर. अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत के चौतन्य महाजन ने तृतीयय हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की अदिति, दिनेश, सुमित कुमार चौधरी तथा लिंगायस विद्यापीठ, फरीदाबाद के वतसल ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

### Business Startup Idea Competition organised at CUH

**CUH, March 19, 2024**

On Tuesday, the National Service Scheme Unit of the University organised an inter-university business startup idea competition at the Central

University of Haryana, Mahendergarh. The Vice-Chancellor Prof Tankeshwar Kumar and Pro Vice-Chancellor of the university Prof Sushma Yadav congratulated the NSS unit for organising the event. The convenor of the event Dr Pradeep Kumar said that in the competition, organised at the Moolchand Auditorium, along with the team of the Central University of Haryana, teams from Dr B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat and Lingaya's Vidyapeeth, Faridabad participated. In the competition, participants presented business ideas related to various fields including education, information and technology, medicine, agricultural products etc. He said that Dr Pradeep Kumar, Dr Neelam and Dr Mukesh Upadhyay played the role of the jury members. In this competition, the volunteer of Lingaya's Vidyapeeth Akash Sharma secured the first position, the team of CUH (Harsh Goswami, Neha Pandey, and Khushi) second and Chaitanya Mahajan from Dr B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat secured the third position. CUH students Aditi, Dinesh, Sumit Kumar Chaudhary and Vatsal from Lingaya's Vidyapeeth secured the fourth position.

### 10.22 हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

**CUH, March 27, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकासरू मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित अतिथि प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तिकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रो. राजेश गिल ने हरियाणा व मेघालय के स्तर पर महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए समान व्यवस्था विकसित करने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन ने अपने संबोधन में जीविकापार्जन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित अपना व्याख्यान दिया और बताया कि किस तरह से उत्तर पूर्व में महिलाएं घर के मुखिया के रूप सशक्त रूप से सक्रिय हैं। आयोजन में आरंभ में समाजशास्त्र विभाग की शिक्षक प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विषय पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. तनवी भाटी व यूएसटीएम की डॉ. कुघाटोली आय ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. युधवीर ने प्रस्तुत किया।

### Two-day National seminar on "Women Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study of Meghalaya and Haryana" started at CUH

**CUH, March 27, 2024**

A two-day National seminar, funded by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), was organised at the Central University of Haryana. This seminar was focused on a comparative study topic "Women Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study of Meghalaya and Haryana", which was organised in collaboration with the University of Science and Technology (USMT) Meghalaya and Tripura Bembu and Ken Development Centre. In the inaugural session of the seminar, the chief guest was Prof P.C. Joshi, former Vice-Chancellor of DU. The guest speakers included Prof Abha Chauhan from Central University of Himachal Pradesh and Prof Rajesh Gill from Panjab University, Chandigarh. Prof Abdul Mateen from USMT was the keynote speaker. Additionally, the first lady of the university, Prof Sunita Srivastava was also present.

The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, said that the topic of research is significant and through the involvement of the experts in the event, a deeper understanding of the subject certainly be achieved. Prof G.D. Sharma, Vice-Chancellor of USMT, specifically notes that the event focused on Haryana and Meghalaya. He mentioned that there are significant geographical,

cultural, and social differences between the two locations and that this research work will undoubtedly pave the way for notable changes.

In the event, the keynote speaker Prof P.C. Joshi, referencing India, mentioned that this research focuses on states with similar kinds of diversity. Similarly, Prof Rajesh Gill spoke about the status of women in Haryana and Meghalaya, advocating for the development of an equal system. He stated that women excel in management matters and should achieve economic and social independence. In his address, keynote speaker Prof Adbul Mateen focused on women's empowerment through livelihood, explaining how women in the Northeast are actively and powerfully involved as heads of households.

At the beginning of the event, the teacher in charge of the Sociology Department Dr T. Longkoi delivered a welcome address and shed light on the topic. The stage was moderated by Assistant Professor Dr Tanvi Bhati and Dr Kughatoli from USTM while a vote of thanks was presented by Dr Yudhvir. On this occasion, Prof Payal Chandel, Prof Anand Sharma, Dr Rajendra Prasad Meena, Dr Aman Verma, Dr Renu Yadav, Dr Rashmi Tanwar, Dr Pawan Kumar, Dr Arvind Tejawat, Dr Abhiranjan along with teacher, students, and researchers from other departments were present.

### 10.23 हकेवि में गुरु दक्षता कार्यक्रम का हुआ समापन

**CUH, March 30, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) द्वारा नव नियुक्त संकाय सदस्यों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का समापन हो गया। एक महीने तक चले इस कार्यक्रम के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने उच्चतर शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के ज्ञान को बढ़ाने के लिए इस केंद्र की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विश्वविद्यालय एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस दक्षता कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों के 25 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में कुल 96 तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। जिनमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. संतोष सी. हुलागबली, आईएएसआरआई के डॉ. दिनेश कुमार, एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा के पूर्व प्रमुख प्रो. एस.के. यादव, डॉ. मुंजे इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर स्टडीज की निदेशक डॉ. प्रीतिमहेश कुलकर्णी सहित विभिन्न संस्थानों के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अनुसंधान और विकास, एएनआरएफ अधिनियम 2023 और एनईपी 2020 एचईआई की भूमिका, उच्च शिक्षा और समाज, भारतीय ज्ञान प्रणाली, शैक्षणिक नेतृत्व और शासन, कौशल विकास आदि विषयों पर व्याख्यान दिए। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने सभी प्रतिभागियों व विशेषज्ञों का धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ. आरती यादव और डॉ. अमित कुमार ने कार्यक्रम समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### The one-Month Faculty Induction Programme concluded at CUH

**CUH, March 30, 2024**

Central University of Haryana, Mahendergarh, has organised a one-month faculty induction programme from February 29 to March 29 2024 through online mode under the Malaviya Mission Teacher Training Programme. In the concluding session of this one-month induction programme, the Pro Vice-Chancellor of the university Prof Sushma Yadav was present as the chief guest. Prof Sushma Yadav shed light on the importance of education and skill development in every field. She emphasised the need for this centre to enhance the knowledge of teachers at higher education institutions.

Prof Pramod Kumar, Director of MMTTC and Prof Surendra Singh, Deputy Director stated that twenty-five participants from various universities and educational institutions across the country took part in this competency programme. The Faculty Induction Programme, conducted online, included a total of ninety technical sessions. These sessions feature lectures by several distinguished experts from various institutions, including Prof Santosh C. Hulagabali from Central University of Haryana, Dr Dinesh Kumar from IASRI, former Head of Teacher Education at NCERT Prof S.K. Yadav and Dr Preeti Mahesh Kulkarni, Director of Munje Institute of Management and Computer Studies among other. The topics covered included research and development, the ANRF act 2023 and NEP 2020: Role of HEIs, Higher Education and Society, Indian Knowledge System, academic leadership and governance and skill development.

Prof Pramod Kumar and Prof Surendra Singh expressed their gratitude to all participants and experts. Dr Aarti Yadav and Dr Amit Kumar played a crucial role as programme coordinators.

# 11. Social Awareness

## 11.1 हकेवि में सात दिवसीय एनएसएस शिविर की हुई शुरुआत

**CUH, Feb 02, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर की गुरुवार को शुरुआत हुई। सात दिवसीय शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति ने दीप प्रज्जवलित कर किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सामाजिक समर्पण की भावना को बढ़ावा देने में एनएसएस की अहम भूमिका हैं। स्टेट एनएसएस ऑफिसर श्री दिनेश कुमार उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. आनंद शर्मा ने प्रतिभागियों को भारत में स्वयंसेवी समृद्धि की क्षेत्र में एनएसएस के योगदान से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को सामाजिक और सांस्कृतिक जागरूकता के साथ समृद्धि का अवसर प्रदान करने का कार्य करती है और समाज सेवा के माध्यम से समृद्धि का संवर्धन करती है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दिनेश कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवको की विश्वविद्यालय में भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने समुदाय विकास, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर और साक्षरता कार्यक्रम जैसी विभिन्न सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान किया है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. नीलम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में एनएसएस अधिकारी डॉ. नीलम, डॉ. मुकेश उपाध्याय एवं डॉ. युधवीर जैलदार सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

## Seven-day NSS camp began at CUH

**CUH, Feb 02, 2024**

A seven-day National Service Scheme camp began on Thursday at the Central University of Haryana, Mahendergarh. The seven-day camp was inaugurated by the Vice-Chancellor of the university Prof Tankeshwar Kumar by lighting the lamp. At the event, the Vice-Chancellor while encouraging the participants said that the NSS plays a crucial role in promoting the spirit of social commitment. The state NSS officer Dr Dinesh Kumar was present as the chief guest of the inaugural session.

The Dean of Student Welfare Prof Anand Sharma made the participants aware of the contribution of NSS in the field of voluntary prosperity in India. He mentioned that NSS provides students with opportunities for prosperity along with social and cultural awareness and fosters prosperity through community service. The chief guest of the event, Mr Dinesh Kumar spoke about the role of NSS volunteers at the university. He highlighted their active contributions to various social service activities, such as community development, environmental protection, health camps, and literacy programmes. At the end of the event, Dr Neelam delivered a vote of thanks. In the event, NSS Officer Dr Neelam, Dr Mukesh Upadhyay and Dr Yudhveer Jaildar along with teachers, students and researcher from other departments were present.

## 11.2 हकेवि में एनएसएस शिविर का पाँचवा दिनः युवाओं में निहित है समाज को बदलने की क्षमता - डॉ. प्रवेश कुमार

**CUH, Feb 05, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के पाँचवें दिन आयोजित व्याख्यान सत्र में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ. प्रवेश कुमार व दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. मुकेश कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने की। प्रो. सुषमा यादव ने स्वयंसेवकों से संवाद करते हुए व्यक्ति निर्माण में एनएसएस की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका विषय पर आधारित शिविर के पाँचवे दिन के पहले व्याख्यान सत्र में हकेवि के औषध विज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. मनीषा पांडे ने दवा व औषधि प्रयोग के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। व्याख्यान सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. प्रवेश कुमार ने स्वामी विवेकानंद और पं. दीन दयाल उपाध्याय पर

उद्बोधन देते हुए कहा कि आज का युवा ही आज का नागरिक है। अगर युवा शब्द को उल्टा करे तो वायु बनता है और जिस प्रकार वायु की शक्ति सब बदलने की क्षमता रखती हैं, वैसे ही युवा समाज को बदलने की क्षमता रखता है। उन्होंने युवाओं को सत्य पथ व ज्ञान के पथ पर सद्भावना से चलने को कहा। व्याख्यान सत्र में दूसरे मुख्य वक्ता डॉ. मुकेश कुमार ने एनएसएस स्वयंसेवकों को स्वास्थ्य व योग के बारे में अवगत कराते हुए युवाओं को अपनी सेहत, अपनी खुशी व अपनी सफलता के लिए सक्रिय रूप से अपनी जीवन शैली पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को कौशल जीवन शैली के महत्त्व से भी अवगत कराया। शिविर के पाँचवें दिन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी आयोजन किया गया।

### Fifth day of NSS camp at CUH

**CUH, Feb 05, 2024**

On the fifth day of the seven-day NSS camp at Central University of Haryana, Mahendergarh, Dr Pravesh Kumar from Jawahar Lal Nehru University (JNU) and Dr Mukesh Kumar from Delhi University were present as the keynote speakers while the programme was presided over by the Pro Vice-Chancellor of the CUH, Prof Sushma Yadav. The Pro Vice-Chancellor while interacting with the volunteers emphasised the significant role of NSS in personal development. She urged the volunteers to contribute to environmental protection and nation-building. Prof Yadav stated that we should take pride in our knowledge, not arrogance.

During the first lecture session on the topic of "The Role of Youth in Nation Building", Assistant Professor Dr Manisha Pandey from the Department of Pharmaceutical Sciences at CUH informed the participants about drug and medicine usage. The main speaker, Dr Pravesh Kumar, delivered a talk on Swami Vivekanand and Pandit Deendayal Upadhyaya, stating that today's youth is today's citizens. He notes that reversing the word युवा (Youth) spells वायु (air) and just as air has the power to change everything youth also have the potential to transform society. He encouraged the youth to follow the path of truth and knowledge with goodwill. In the same session, the second main speaker, Dr Mukesh Kumar, informed the NSS volunteers about health and yoga, advising the youth to actively focus on their lifestyle for their mental health, happiness, and success. He also highlighted the importance of a skilful lifestyle. A poster-making competition was also organised.

With the third lecture session of the camp, singing and speech competitions were conducted. In the lecture session, Prof Dinesh Chahal of CUH informed the participating volunteers about sensitivity, awareness, inspiration, talent, and a sense of responsibility. He provided all the youth with information on health, yoga, and teamwork. In the event the convenor Dr Pradeep Kumar, NSS Officer Dr Neelam, Dr Mukesh Upadhyay and Dr Yudhveer were present. At the end, Dr Yudhveer delivered a vote of thanks.

## 12. Training and Placements

### 12.1 हकेवि में आपदा प्रबंधन पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरुआत

**CUH, Jan 23, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के सहयोग से तीन दिवसीय आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हुई। आपदा प्रबंधन योजना के विभिन्न पहलु और लचीले बुनियादी ढ़ांचें के निर्माण में इंजीनियर्स की भूमिका विषय पर केंद्रित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने आपदा प्रबंधन और इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण को अति-महत्त्वपूर्ण बताया।

विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ के अंतर्गत आने वाले इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट की ओर से वरिष्ठ परामर्शदाता (आरआईडी) ने अपने संबोधन में विषय की महत्ता का उल्लेख करते हुए इंजीनियर्स के लिए इस दिशा में आवश्यक प्रशिक्षण को अहम बताया और कहा कि इस आयोजन के माध्यम से अवश्य ही युवा इंजीनियर्स को आपदा प्रबंधन से संबंधित इस महत्त्वपूर्ण विषय को समझने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय में आयोजित इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मुरलीधर नायक भूक्या व डॉ. गरिमा अग्रवाल हैं जबकि आयोजन में समन्वयक के दायित्व का निर्वहन प्रो. अजय कुमार बंसल व श्री श्रेयश द्विवेदी कर रहे हैं।

### The three-day Training Programme on Disaster Management started at CUH

**CUH, Jan 23, 2024**

A three-day training programme on "Various Aspects of Disaster Management Planning and Role of Engineers in Building Resilient Infrastructure" began on Tuesday at Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh in collaboration with the National Institute of Disaster Management. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of the University, inaugurated the programme.

In the inaugural session of this programme, organised by the Department of Electrical Engineering of the University, the Senior Consultant (RID), National Institute of Disaster Management, Dr Garima Aggarwal, mentioned the importance of the subject. In her address, while emphasising the importance of the subject, she highlighted the necessity of relevant training for engineers in this field.

The convenors of this three-day training programme organized in the university are Dr Muralidhar Nayak Bhukya and Dr Garima Agarwal, while Prof. Ajay Kumar Bansal and Shri Shreyash Dwivedi fulfilled the responsibilities of coordinators.

### 12.2 हकेवि के विद्यार्थियों ने राइस फोर्टिफिकेशन का लिया प्रशिक्षण

**CUH, Feb 08, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पोषण जीवविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने निफ्टेम, कुंडली, हरियाणा में 'राइस फोर्टिफिकेशन' पर एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता की। यह प्रशिक्षण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फूड टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट, सोनीपत, हरियाणा में राइस फोर्टिफिकेशन के लिए इनोवेशन हब के सहयोग से फोर्टिफिकेशन इनोवेशन हब- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फूड फोर्टिफिकेशन (एफआईएच-सीईएफएफ) द्वारा आयोजित किया गया था। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए ऐसी गतिविधियों के आयोजन के लिए विभाग की सराहना की। उन्होंने राइस फोर्टिफिकेशन पर प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए निफ्टेम को भी बधाई दी। कुलपति ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने में मददगार हैं और इससे कौशल विकास के साथ-साथ स्टार्ट-अप शुरु करने के प्रयासों को बल मिलता है। पोषण जीवविज्ञान विभाग में सहायक आचार्य डॉ. अनिता कुमारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोषण जीवविज्ञान विभाग के 37 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की और नवीनतम खाद्य प्रसंस्करण और फोर्टिफिकेशन तकनीक के बारे में जाना। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान और पोषण जीवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. कांति प्रकाश शर्मा ने भी विभागीय स्तर पर आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों व शिक्षकों की सराहना की।

### CUH students receive training on rice fortification at NIFTEM, Kundli

**CUH, Feb 08, 2024**

The students, teachers and researchers from the Department of Nutrition Biology, Central University of Haryana, Mahendergarh, participated in the one-day practical training programme on rice fortification at NIFTEM, Kundli, Haryana. The training was organised by the Fortification Innovation Hub-Centre of Excellence Food Fortification (FIH-CEFF) in collaboration with the Innovation Hub for Rice Fortification at the National Institute of Food Technology and Entrepreneurship Management (NIFTEM), Sonipat, Haryana.

The Vice-Chancellor of Central University of Haryana, Prof Tankeshwar Kumar praised the department for organising such activities for students and researchers and congratulated NIFTEM for conducting the training on rice fortification. He noted that such training programmes help in enhancing the practical knowledge of the students and support skill development as well as efforts to start new ventures. Dr Anita Kumari, Assistant Professor from the Department of Nutrition Biology reported that 37 students and researchers from the department participated in the training programme, gaining insights into the latest food processing and fortification techniques. The Dean of Research and Development Cell, Prof Neelam Sangwan, and the Head of the Department of Nutrition Biology, Prof Kanti Prakash Sharma, also commended the participating students, researchers, and teachers for their involvement in the department-level training programme.

### 12.3 हकेवि के योग विभाग के तीन विद्यार्थियों को मिला रोजगार

**CUH, Feb 27, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के योग विभाग के तीन विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतिष्ठित सरकारी संगठनों में रोजगार का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने चयनित विद्यार्थियों एवं विभाग को बधाई देते हुए कहा कि योग में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

योग विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीलम सांगवान ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विभाग के शिक्षक प्रभारी डॉ. अजयपाल ने बताया कि गत वर्ष एमएससी योग परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले तीन विद्यार्थियों को का चयन पंजाब और हरियाणा के विभिन्न सरकारी संगठनों में हुआ है। जिनमें दो विद्यार्थी प्रिया शर्मा और नितिन का पंजाब सरकार द्वारा संचालित सीएम दि योगशाला में योग प्रशिक्षक के रूप में चयनित हुए हैं और एक विद्यार्थी प्रदीप कुमार जवाहर नवोदय विद्यालय, महेन्द्रगढ़ में योग प्रशिक्षक के रूप में चयनित हुआ है। उन्होंने बताया कि विभाग ने विद्यार्थियों के चयन और उच्च अध्ययन के लिए एक प्रकोष्ठ का गठन किया है, जो विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन की देखरेख में सुचारू रूप से कार्य कर रहा है।

### Three students from the Yoga Department received employment

**CUH, Feb 27, 2024**

Three students from the Yoga Department at the Central University of Haryana, Mahendergarh, have received employment opportunities with various prestigious government organisations. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, congratulated the selected students and the department, stating that there are immense job prospects in yoga.

The Head of the Department of Yoga, Prof Neelam Sangwan, also congratulated the selected students and wished them a bright future. Departmental faculty member Dr Ajaypal mentioned that three students who passed the MSc Yoga examination last year have been selected for positions in various government organisations in Punjab and Haryana. Among them, Priya Sharma and Nitin have been appointed as yoga instructors at the CM Yoga Shala operated by the Punjab Government, and Pradeep Kumar has been selected as a yoga instructor at Jawahar Navodaya Vidyalaya, Mahendergarh. Dr Ajaypal noted that the department has established a cell for student selection and higher studies, which operates smoothly under the supervision of Assistant Professor Dr Naveen.

### 12.4 हकेवि में चार दिवसीय रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की हुई शुरूआत

**CUH, March 05, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम की मंगलवार को शुरुआत हो गई। 05 से 08 मार्च, 2024 तक चलने वाले इस चार दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को समकालीन व्यापार परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक कौशल संपन्न बनाना है। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रमुख रूप से स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी व व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन के 300 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करना है। विश्वविद्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में रुबिकॉन से श्री अरुनीस रावत, अनुभव शर्मा, दिगम्बर सिंह और मनीष पांडेय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हैं। मंगलवार को सभी विशेषज्ञों का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार द्वारा किया गया और इस अवसर पर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना, उपनिदेशक डॉ. दिव्या और डॉ. तरूण कुमार भी उपस्थित रहे। प्रो. आकाश सक्सेना ने बताया कि रुबिकॉन बार्कले प्रशिक्षण कार्यक्रम में विविध वर्कशॉप, सेमिनार, और इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया जाता है। जिसके माध्यम से प्रतिभागियों में रचनात्मकता, समस्या समाधान क्षमता, और उद्यमिता को पोषित करने में मदद मिलती है। डॉ. दिव्या ने कहा कि अवश्य ही इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों को अनुभवी पेशेवरों, सफल उद्यमियों और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ सीधे जुड़ने का अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के समन्वय का कार्य विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के डॉ. अमित कुमार, डॉ. भूषण कुमार, डॉ. तरुण कुमार, और डॉ. सुमित सैनी द्वारा किया जा रहा हैं।

### The four-day Rubicon Barclay Training Programme commenced at CUH

**CUH, March 05, 2024**

The Rubicon Barclay Training Programme commenced at the Central University of Haryana, Mahendergarh, on Tuesday. Running from March 05 to 08 2024, this four-day programme aimed to equip students with the skills necessary to navigate

the contemporary business landscape. Organised by the Training and Placement Cell of the University, the programme was designed to train over 300 students from the School of Engineering and Technology and the School of Business and Management Studies. In this training programme, Mr Arunish Rawat, Anubhav Sharma, Digambar Singh, and Manish Pandey from Rubicon are present as the experts. On Tuesday, the Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar welcomed the experts. The event was also attended by Prof Akash Saxena, Director of the Training and Placement Cell of the university, along with Deputy Directors Dr Sivya and Dr Tarun Kumar.

Prof Akash Saxena mentioned that various workshops, seminars, and interactive sessions are being organised in this Rubicon Barclays training programme which will help to foster creativity, problem-solving skills, and entrepreneurship among the participants. Dr Divya emphasised that this event provides students with a unique opportunity to connect directly with experienced professionals, successful entrepreneurs, and industry experts. The coordination of the programme is managed by Dr Amit Kumar, Dr Bhushan Kumar, Dr Tarun Kumar, and Dr Sumit Saini from the Training and Placement Cell of the University.

### 12.5 हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की छात्रा को मिला प्लेसमेंट

**CUH, March 07, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ की छात्रा शेफाली मोहन का चयन प्रतिष्ठित कंपनी प्लैनेट स्पार्क में बिजनेस डेवलपमेंट काउंसलर के पद पर हुआ है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने शेफाली मोहन को बधाई दी। कुलपति ने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व और विकास पर विश्वविद्यालय का विशेष फोकस है।

विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने भी शेफाली मोहन को बधाई देते हुए प्लैनेट स्पार्क में चयन विश्वविद्यालय के सभी सहभागियों के लिए हर्ष की बात है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए रोजगार सृजन के मोर्चे पर विशेष रूप से प्रयासरत है और अभी तक लगभग 55 छात्राओं को औसतन 4.48 लाख रूपए से शुरु रोजगार के अवसर उपलब्ध करा चुका है। जहां तक शेफाली के चयन की बात है तो उनका चयन कंपनी की एचआर प्रबंधक (टेलेंट एक्विजिशन) इशिता सिंह के नेतृत्व में आयोजित प्लेसमेंट प्रक्रिया के बाद हुआ है। शेफाली मोहन को प्लैनेट स्पार्क में 6.50 लाख रूपये का पैकेज प्रदान किया गया है।

### Central University of Haryana student got placement at Planet Spark

**CUH, March 07, 2024**

Shefali Mohan, a student of the Central University of Haryana, Mahendergarh, has been selected for the position of Business Development Counsellor at the prestigious company Planet Spark. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar, congratulated Shefali Mohan and emphasised the university's special focus on women's leadership and development.

Prof Akash Saxena, Director of the Training and Placement Cell, also extended congratulations to Shefali Mohan. He highlighted that her selection at Planet Spark is a matter of pride for all the students at the university. Prof Saxena mentioned that the university is actively working on creating employment opportunities for female students and has provided the opportunity to around 55 students with an average starting salary of 4.48 lakh INR. Shefali's selection came after a placement process led by the HR Manager of the company Ishita Singh. Shefali Mohan has been offered a package of 6.50 lakh at Planet Spark.

### 12.6 हकेवि के विद्यार्थियों को गाँधी फेलोशिप की दी जानकारी

**CUH, March 11, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के द्वारा विद्यार्थियों के लिए गाँधी फेलोशिप संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस आयोजन को विद्यार्थियो के शैक्षणिक विकास हेतु उपयोगी बताया और कहा कि अवश्य ही इसके माध्यम से प्रतिभागी लाभांवित होंगे। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित इस ऑनलाइन कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में सुश्री अवनीत कौर व सुश्री निशा शर्मा ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. आकाश सक्सेना ने सुश्री अवनीत कौर को उनकी ज्ञानवर्धक प्रस्तुति के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। प्रो. सक्सेना ने समग्र विकास को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक रूप से बल्कि जिम्मेदार और सक्षम नागरिक के रूप में उत्कृष्टता प्राप्त करने के अवसर प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

## CUH students were informed about the Gandhi Fellowship

**CUH, March 11, 2024**

An awareness programme on the Gandhi Fellowship for the students of the Central University of Haryana, Mahendergarh, was organised by the Training and Placement Cell of the university. The Vice-Chancellor, Prof Tankeshwar Kumar, described the programme as valuable for the academic development of students and expressed confidence that participants would benefit from it. Ms Avneet Kaur and Ms Nisha Sharma, the experts of the online programme addressed the participants.

Prof Akash Saxena, the Director of the Training and Placement Cell, extended heartfelt gratitude to Ms Avneet Kaur for her informative presentation and appreciated the active participation from the students. Prof Saxena emphasised the commitment of the university in promoting holistic development and providing students with opportunities to excel not only academically but also as responsible and capable citizens.

## 12.7 हकेवि विद्यार्थियों ने किया जेबीएम ग्रुप का औद्योगिक भ्रमण

**CUH, March 20, 2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के बी.वॉक रिटेल एंड लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट के विद्यार्थियों को मल्टीनेशनल कंपनी जे.बी.एम. ग्रुप (एन.एम.पी.एल.) का औद्योगिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने सप्लाई चौन, लॉजिस्टिक्स, मैन्युफैक्चरिंग और औद्योगिक संभावनाओं को समझा। विद्यार्थियों के इस औद्योगिक भ्रमण में विशेषज्ञ के रूप में प्लांट के वाइस प्रेजिडेंट श्री पी.एस. खुराना व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों के लिए किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक पक्षों को जानने-समझने में इस तरह के आयोजनों को महत्त्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय पहुँचे विद्यार्थियों से मुलाकात के बाद विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने इस प्रकार के आयोजनों को विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित होने वाली भविष्य की चुनौतियों को समझने व उनसे निपटने में मददगार बताया। विद्यार्थियों के इस भ्रमण के दौरान कंपनी के प्लांट हेड संदीप एवं वरिष्ठ प्रबंधक विक्रम सिंह ने विद्यार्थियों को रोजगार से संबंधित अवसरों के बारे में विस्तार से बताया एवं प्लांट की औद्योगिक गतिविधियों से भी अवगत कराया। विश्वविद्यालय के सतत अध्ययन पीठ के अधिष्ठाता प्रो. पवन कुमार मौर्य ने कहा कि इस औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में मददगार होंगे। विभाग के समन्वयक डॉ. सुयश मिश्रा ने बताया कि विभाग समय-समय पर कौशल विकास की गतिविधियां आयोजित करता है। अवश्य ही इस औद्योगिक भ्रमण से भी प्रतिभागी विद्यार्थी लाभांवित हुए होंगे।

## CUH students conduct an Industrial visit to JBM Group

**CUH, March 20, 2024**

Students from Central University of Haryana, Mahendergarh, pursuing B.Voc in Retail and Logistics Management, conducted an industrial visit to the multinational company JBM Group (NMP). During the visit, students gained insights into supply chain management, logistics, manufacturing, and industrial opportunities. Mr P.S. Khurana, the Vice President of the plant, was present as an expert. The Vice-Chancellor of the university, Prof Tankeshwar Kumar emphasised the importance of such events in helping students understand and learn practical aspects alongside theoretical knowledge.

After the visit, the Pro Vice-Chancellor of the university, Prof Sushma Yadav met with the students and highlighted that such events aid in understanding and addressing future challenges. During the visit, Sandeep, the plant head, and Vikram Singh, the Senior Manager, provided detailed information about employment opportunities and the plant's industrial activities.

Prof Pawan Kumar Maurya, the Dean of the School of Interdisciplinary and Applied Sciences, notes that the industrial visit would contribute significantly to the holistic development of the students. Dr Suyash Mishra, the department coordinator, stated that the department regularly organises skill development activities. He affirmed that the industrial visit would certainly benefit the participating students.

# List of CUH Annual Award 2024

Best Researcher Participant (Science and Engineering) Award to Dr Azaz Ansari

Best Researcher Participant (Humanities and Social Science) Award to Dr Sunita Tanwar

Best Researcher Investigator (Science and Engineering) Award to Dr Munish Manas

Best Researcher Publication (Science and Engineering) Award to Dr Manish Pandey

Best Researcher Publication (Humanities and Social Sciences) Award to Dr R.P. Pandey

Best Researcher Impact (Science and Engineering) to Dr Anshu

Best Researcher Impact (Humanities and Social Sciences) to Prof Ranjan Aneja

Best Researcher H Index (Science and Engineering) to Dr Rupesh Deshmukh

Best Researcher H Index (Humanities and Social Science) to Dr Ajay Kumar

Best Researcher Project (Science and Engineering) to Dr Puja Yadav

Best Researcher Project (Humanities and Social Sciences) to Dr Rima Gill

Prof Pawan Kumar Maurya, Prof Vinod Kumar, Prof Bijendra Singh, Prof Manoj Kumar Singh, Dr Arun Kajla, Dr Nitin Goyal, Dr Rupesh Deshmukh, Dr Anshu, and Dr Manisha Pandey were awarded the certificate of appreciation for being included in the top 2% of scientists in the survey of Stanford University. Prof Ajay Kumar Bansal was awarded a certificate of appreciation for his coordination in the Metro Rail Project; Dr Puja Yadav for her contribution to the participation of women in research in science and engineering and Dr Sarita Budhwar received a certificate of appreciation for her highest number of patent contribution to CUH.

In the department category, certificates of appreciation were awarded to the departments of English and Foreign Languages, Journalism and Mass Communication, Nutrition Biology, and Physics and Astronomy for their various initiatives to improve quality and provide timely IQAC information.

In the non-teaching staff category, Pawan Kumar, Rajesh Kumar, Harsh Kumar, Deepak Kumar, Sanjiv Kumar, Taniya Kaushik, Sandeep Kumar, and Jitendra Kumar were honoured for their invaluable contributions.

## In the student category

Best Student Researcher: Publication in the School of Engineering and Technology Award to P Sai Ganesh

Best Student Researcher: Publication in the School of Inter-disciplinary and Applied Science award to Priya Bhardwaj

Best Student Researcher: Publication in the School of Basic Science Award to Rahul

Best Student Researcher: Publication in the School of Education to Siddharth Sagre

Best Student Researcher: Publication in the School of Humanities and Social Sciences to Kavita

Best Student Researcher: Publication in the School of Business and Management to Manisha

Best Student Researcher: Patent in the School of Engineering and Technology to Rajat Yadav

Best Student Researcher: Patent in the School of Basic Science to Sharol Sebastian

Best Student Researcher: Patent in the School of Inter-disciplinary and Applied Science to Dipika and Pradeep Kumar

## In the Outsource Employee category

Shiv Shankar, Amarjeet Singh, Sanjay Kumar, Satish Kumar, Sandeep Kumar, Ram Kishan, Bhoop Singh, Manish, Rajesh, Rajbala, Rajrani, Sunil and Krishna Kumar were honoured for their invaluable contributions.

## Patron

Prof. Tankeshwar Kumar
Vice-Chancellor, Central University of Haryana

## Editorial Board

Dr. Snehsata (Editor), Assistant Professor, Department of English & Foreign Languages

Dr. Siddharth Shankar Rai, Assistant Professor, Department of Hindi

Mr. Anil Kundu, Assistant Professor, Department of Printing and Packaging Technology

Dr. Bharti Batra, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Mr. Alekha Sachidananda Nayak, Assistant Professor, Department of Journalism & Mass Communication

Ms. Sakshi Saini, Research Scholar, Department of English & Foreign Languages

Ms. Gayatri, Research Scholar, Department of Hindi

Mr. Robin, Research Scholar, Department of Hindi

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Haryana
(Established vide Act No. 25 (2009) of Parliament)
(NAAC Accredited 'A' Grade University)
www.cuh.ac.in | @cuhofficial

Design & Printed by : deeya media art #9312550335